Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 28 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 279 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

यदि तुम भूलों को रोकने के लिए द्वार बंद कर दोगे तो सत्य भी बाहर रह जाएगा।

रवींद्रनाथ ठाकुर

मामी फेस्टिवल के लिए मुंबई पहुंचीं देसी गर्ल...

SHARE

सेंसेक्स	:	63,782.80
निफ्टी	:	19,047.25

SARAFA

सोना	:	5,840
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड में मिले डेंगू के 13 मरीज, सबसे ज्यादा सिमडेगा में 7

RANCHI : शुक्रवार को राज्य भर में डेंगू के 13 मरीज मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा सिमडेगा जिले में 7 मरीज मिले हैं। जबकि चतरा में 3 और पूर्वी सिंहभूम में 3 मरीज मिले हैं। बता दें कि राज्य भर में 194 संदिग्ध मरीज मिले थे। जांच के बाद 13 में डेंगू की पुष्टि हुई है।

भाजपा तेलंगाना में पिछड़े वर्ग से किसी को बनाएगी मुख्यमंत्री : शाह

NEW DELHI : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करती है तो पार्टी यहां किसी पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को राज्य का मुख्यमंत्री बनाएगी।शाह ने शुक्रवार को तेलंगाना के सूर्यापेट में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह तेलंगाना की जनता से कहना चाहते हैं कि आप भाजपा को अपना आशीर्वाद दीजिए, भाजपा की सरकार बनाइये, भाजपा का तेलंगाना का मुख्यमंत्री पिछड़े वर्ग से ही होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा तेलंगाना के लोगों के लिए काम करने के लिए वचनबद्ध हैं। कांग्रेस और चंद्रशेखर राव के एजेंडे में तेलंगाना का विकास और यहां के लोगों के हितों की चिंता नहीं है। शाह ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य गरीब कल्याण है और टीआरएस व कांग्रेस का लक्ष्य परिवार कल्याण है।

उप्र में बस पलटी, मां-बेटे सहित पांच की मौत

MIRZAPUR : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में संतनगर थाना क्षेत्र के ददरी बांध के पास शुक्रवार को यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में मां-बेटे सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 26 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक शिवराज लिखी बस मीरजापुर से हलिया के कुशियरा तक जाती है। रास्ते में मड़िहान व संतनगर क्षेत्र पड़ता है। शुक्रवार सुबह कम से कम 31 यात्रियों को लेकर निजी बस हलिया जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में संत नगर थाना क्षेत्र के ददरी बांध के पास अनियंत्रित होकर पलट गई, यात्री उसके नीचे दब गए और चींख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला।

हॉकी के रंग में रंगी रांची, मेजबान भारत का जीत से आगाज, थाईलैंड को रौंदा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ में खेले जा रहे झारखंड एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दिन अंतिम मुकाबला मेजबान भारत और थाईलैंड के बीच खेला गया। मेजबान भारत ने जीत से शुरूआत की। थाइलैंड को 7-1 से शिकस्त दी। झारखंड की संगीता कुमारी ने हैट्रिक गोल दागा। मुकाबले की शुरूआत शानदार आतिशबाजी के साथ हुई, जिसका मैदान में मौजूद दर्शकों ने भरपूर लुत्फ उठाया। मुकाबले की शुरूआत के दौरान झारखंड खेल मंत्री हफीजुल हसन, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, वित्त सचिव सुखदेव सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, आरके श्रीवास्तव मौजूद थे। मैच के सातवें मिनट में भारत की मोनिका ने शानदार फील्ड गोल कर 1-0 से बढ़त बनाई। भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर 13वें मिनट पर मिला। जिसे भारत की टीम गोल में बदल नहीं पाई। 15वें मिनट में भारत को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे भारत ने भुनाते हुए गोल में तब्दील किया। भारत की ओर से दूसरा गोल सलीमा टेटे ने मारा। थाइलैंड को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मैच के 22वें मिनट में मिला, जिसे सामांसो सुपांसा ने गोल में तब्दील कर स्कोर 2-1 पर ला दिया। मैच के 29वें मिनट में भारत की संगीता कुमारी ने फील्ड गोल कर भारत की बढ़त को 3-1 कर दिया। मैच के पहले हाफ तक भारत ने 2 गोल की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शानदार खेल जारी रखते हुए 40वें मिनट में एक और गोल मारकर थाईलैंड पर दबाव बनाया। भारत के लिए चौथा गोल दीपिका ने मारा। पहले प्रयास में गोलकीपर के सेफ के बाद बॉल दीपिका की तरफ आया, जिसे दीपिका ने शानदार तरीके से गोल में तब्दील किया।

झारखंड की खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, संगीता ने किया हैट्रिक गोल

भारत और थाईलैंड के बीच खेले गए मुकाबले में होम क्राउड के सामने खेलते हुए झारखंड की सलीमा टेटे, निक्की प्रधान और संगीता कुमारी ने शानदार खेल दिखाया। संगीता ने हैट्रिक गोल किया। वहीं निक्की ने टीम के लिए 1 गोल किया। झारखंड की जनता ने इस पल का भरपूर आनंद लिया और टीम का हौसला बढ़ाते रहे। मैच के दौरान खेल सचिव मनोज कुमार ने मुख्य अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

जापान ने मलेशिया को 3-0 से हराया

डिफेंडिंग चैंपियन जापान और मलेशिया के बीच पहला मैच खेला गया। मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 3-0 से हराकर शानदार शुरूआत की। मैच में शानदार खेल के लिए नगाई हाजुकी को प्लेयर्स आफ द मैच का खिताब मिला। जापान की टीम को 13वें मिनट में ओगावा रिका ने बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट का पहला गोल था। हाफ टाइम तक जापान की टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे हाफ के खेल में भी जापानी टीम ने लगातार हमला जारी रखा। तोरियामा मई ने 43वें मिनट में एक शानदार गोल कर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। खेल के अंतिम 54वें मिनट में शिहो ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोलकर टीम को 3-0 से बड़ी जीत दिला दी।

चाइना को कोरिया ने 1-0 से दी मात

दूसरा मुकाबला चाइना और कोरिया के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट चाइना को 3 बार की एशियाई चैंपियन कोरिया ने 1-0 से मात दी। चाइना और कोरिया के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में चाइना को 10 पेनाल्टी कॉर्नर मिले। जापान की टीम को 13वें मिनट में ओगावा रिका ने बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट का पहला गोल था। हाफ टाइम तक जापान की टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे हाफ के खेल में भी जापानी टीम ने लगातार हमला जारी रखा। तोरियामा मई ने 43वें मिनट में एक शानदार गोल कर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। खेल के अंतिम 54वें मिनट में शिहो ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोलकर टीम को 3-0 से बड़ी जीत दिला दी।

भारत 6G के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा : प्रधानमंत्री

देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में टेक्नोलॉजी का होगा अहम रोल

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि हम न सिर्फ भारत में तेजी से 5जी का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि 6जी के क्षेत्र में भी लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में टेक्नोलॉजी का एक अहम रोल होने वाला है। दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में तेजी से बदलती दुनिया के समय में आयोजित यह कार्यक्रम करोड़ों लोगों का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है। एक समय था जब हम भविष्य की बात करते थे, तो उसका अर्थ अगला दशक, 20-30 साल का समय या फिर अगली शताब्दी होता था। आज हर दिन टेक्नोलॉजी में तेजी से होते परिवर्तन के कारण हम कहते हैं कि भविष्य यहीं और अभी है। कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी में लगे स्टॉल्स का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी में मैंने उसी भविष्य की झलक देखी। टेलीकॉम हो, टेक्नोलॉजी हो, कनेक्टिविटी हो, 6जी हो, एआई हो, साइबर सिक्योरिटी हो, सेमीकंडक्टर हो, ड्रोन या स्पेस सेक्टर हो या फिर दूसरे सेक्टर्स, आने वाला समय बिल्कुल ही अलग होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी देश के भविष्य का नेतृत्व कर रही है, हमारी टेक रेवोल्यूशन को लीड कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

भारत की प्रगति और पहचान की भाषा है संस्कृत : पीएम

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में भाषा को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए शुक्रवार को कहा कि संस्कृत न केवल परंपराओं की भाषा है बल्कि यह हमारी प्रगति और पहचान की भी भाषा है। प्रधानमंत्री ने चित्रकूट में तुलसी पीठ के दर्शन किये। उन्होंने कांच मंदिर में पूजा और दर्शन किये। उन्होंने तुलसी पीठ के जगद्गुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद प्राप्त किया और एक सार्वजनिक समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने 'अष्टाध्यायी भाष्य', 'रामानंदाचार्य चरितम' और 'भगवान श्री कृष्ण की राष्ट्रलीला' नामक तीन पुस्तकों का विमोचन किया। मोदी ने कहा, गुलामी के एक हजार साल के कालखंड में भारत को तरह-तरह से जड़ों से उखाड़ने के कई प्रयास किए गए।

राजस्थान के सीएम के बेटे वैभव को ईडी 30 तक राहत

JAIPUR : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा कानून के उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को 30 अक्टूबर तक का समय दिया है। उन्हें दिल्ली स्थित कार्यालय में शुक्रवार को बुलाया गया था। वैभव ने 15 दिन का और समय मांगा था। हालांकि, जांच एजेंसी ने उन्हें सिर्फ चार दिन का समय दिया है। ईडी ने गुरुवार को विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले में पूछताछ के लिए वैभव गहलोत को समन जारी किया था। समन मिलने के बाद वैभव गहलोत ने ईडी के समक्ष पेश होने के लिए नई तारीख मांगी और तर्क दिया कि ईडी जांचकताओं को दस्तावेज सौंपने के लिए 2011 से अब तक के दस्तावेज इकट्ठा करने होंगे। इस संबंध में हुई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि साल 2011 में होटल के 2500 शेयर खरीदकर मॉरीशस स्थित फर्म से ट्राइटन होटल्स को फंड डायवर्ट किया गया था। उस समय शेयर 39,900 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे गए थे जबकि उस समय शेयर की कीमत 100 रुपये थी। सीएम गहलोत ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में साफ किया था कि वैभव गहलोत की टैक्सी कंपनी थी।

बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय को ईडी ने किया गिरफ्तार

कोर्ट में हुए बेहोश, राशन घोटाले के हैं आरोपी

AGENCY KOLKATA : इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब मलिक के घर पहुंची थी। 20 घंटे तक ईडी ने मलिक के घर और अन्य 7 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। आखिर में शुक्रवार सुबह 4 बजे मलिक को राशन घोटाले के आरोप में अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद मीडिया से बातचीत में मलिक ने कहा- वह एक साजिश का शिकार हैं। बता दें वन मंत्रालय से पहले मलिक के पास खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग का प्रभार था। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां वे बेहोश होकर गिर गए। उन्हें बालकनी में ले जाया गया। कुछ देर बाद उन्हें पीने को पानी दिया गया। ईडी सूत्रों ने बताया कि रहमान की कंपनियों में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया गया था। आरोप लगाया गया है कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में कई अनियमितताएं हुईं और राशन वितरण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ।

53 घंटे से अधिक समय तक चली छापेमारी

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय जांच एजेंसी ने बिजनेसमैन बकीबुर रहमान की गिरफ्तारी के बाद मलिक के घर छापा मारा। रहमान को पिछले हफ्ते कैखाली स्थित उनके फ्लैट पर 53 घंटे से अधिक समय तक चली ईडी की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया था। रहमान के फ्लैट से सरकारी दफ्तरों की मोहरें लगे 100 से ज्यादा दस्तावेज मिले थे। रहमान अपने चावल मिल व्यवसाय के अलावा कई होटल, रिसॉर्ट और बार के भी मालिक हैं।

मुंबई की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंची

दिल्ली-नोएडा-गुरुग्राम की हवा भी खराब, पंजाब-हरियाणा में जलाई जा रही पराली

NEW DELHI/MUMBAI : मुंबई और दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सुबह 10 बजे 300 के पार पहुंच गया। यानी यह बहुत खराब कैटेगरी में है। इसके अलावा राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 10 बजे 249 दर्ज किया गया। यानी राजधानी की हवा भी खराब कैटेगरी में पहुंच गई है। इसके अलावा, दिल्ली से लगे नोएडा में अदक 208 और गुरुग्राम में अदक 252 रिकॉर्ड किया गया। यानी दोनों शहरों में भी हवा खराब कैटेगरी में दर्ज की गई। एक्यूआई के मुताबिक, दिल्ली में शुक्रवार को 4 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, ऐसे में आसमान में धुंध कम रहने की संभावना है।

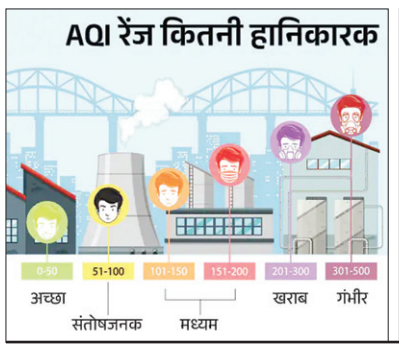

हवा सुधारने के लिए ग्रैप-2 लागू

दिल्ली के पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली और ठउफमें ग्रैप-2 के तहत कोयला और लकड़ी के उपयोग पर बैन, सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों की ज्यादा ट्रिप, सड़कों की नियमित सफाई और पानी का छिड़काव और ट्रैफिक जाम लगने से रोकने से प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में प्रदूषण से निपटने के लिए बनाए गए नियमों और उपायों का एक दस्तावेज है। पंजाब सरकार ने राज्य में पराली जलाने के मामलों में कमी बताई।

सरकार के आदेश पर एडीजी प्रिया दूबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू

कमांडेंट पति के खिलाफ सीबीआई में दर्ज हुआ था मामला

CRIME REPORTER RANCHI : एडीजी प्रिया दूबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रिया दूबे वर्तमान में झारखंड पुलिस में एडीजी ट्रेनिंग के पद पर पदस्थापित हैं। प्रिया दूबे के खिलाफ राज्य सरकार ने विभागीय कार्रवाई का आदेश जारी किया है। प्रिया दूबे के पति आरपीएफ के तत्कालीन कमांडेंट संतोष दूबे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला सीबीआई ने दर्ज किया था। इस मामले की जांच के बाद ही प्रिया दूबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए सीबीआई ने राज्य सरकार को पत्र लिखा था, लेकिन तब राज्य सरकार ने विभागीय कार्रवाई शुरू नहीं की थी। अब यह जानकारी मिल रही है कि बीते दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को इस संबंध में पत्र लिखा था, जिसके बाद प्रिया दूबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

चंद्रमा पर धूल से चमकदार आभामंडल बना, फिर 108 वर्ग मीटर में फैल गया

चांद की सतह पर विक्रम लैंडर ने उड़ाई थी 2 टन धूल

AGENCY BENGALURU : इसरो ने शुक्रवार को बताया कि चंद्रयान से विक्रम लैंडर जब चांद की सतह पर उतरा, तो उसने करीब 2.06 टन लूनर एपिरेगोलिथ यानी चंद्रमा की धूल को उड़ाया था। इससे वहां एक शानदार इजेक्टा हेलो यानी चमकदार आभामंडल बन गया। लैंडिंग पॉइंट (शिव शक्ति बिंदु) पर उठा यह धूल का गुबार करीब 108.4 वर्ग मीटर के हिस्से में फैल गया था। इसरो ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक डॉक्यूमेंट शेयर किया है, जिसमें कहा है कि साइंटिस्ट ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर हाई-रेजॉल्यूशन कैमरे से लैंडिंग के पहले और बाद की हाई-रिजॉल्यूशन पंचक्रोमैटिक इमेजरी की तुलना की।

चांद पर भारत का यह तीसरा मिशन था, पहले पानी की हुई थी खोज

2008 में चंद्रयान-1 को लॉन्च किया गया था। इसमें एक प्रोब की क्रैश लैंडिंग कराई गई थी जिसमें चांद पर पानी के बारे में पता चला। फिर 2019 में चंद्रयान-2 चांद के करीब पहुंचा, लेकिन लैंड नहीं कर पाया। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 चांद पर लैंड कर गया।

चंद्रयान-3 से मिलीं ये जानकारियां

आईएलएसए पेलोड ने चंद्रमा की सतह पर भूकंप रिकॉर्ड किया

31 अगस्त को इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर पर लगे इंस्ट्रूमेंट ऑफ लूनर सीस्मिक एक्टिविटी (आईएलएसए) पेलोड ने चंद्रमा की सतह पर भूकंप की प्राकृतिक घटना को रिकॉर्ड किया है। ये भूकंप 26 अगस्त को आया था। इसरो ने बताया कि भूकंप के सोर्स की जांच जारी है।

एलआईबीएस पेलोड ने चांद पर सल्फर की पुष्टि की

28 अगस्त को भेजे दूसरे ऑब्जर्वेशन में चांद के साउथ पोल पर सल्फर, एल्युमीनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम की मौजूदगी का भी पता चला है। सतह पर मैगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन भी हैं, हाइड्रोजन की खोज जारी है।

प्रज्ञान रोवर ने 4 मीटर का गड्ढा देखकर रास्ता बदला

27 अगस्त को रोवर प्रज्ञान के सामने 4 मीटर व्यास वाला क्रेटर यानी गड्ढा आ गया। ये गड्ढा रोवर की लोकेशन से 3 मीटर आगे था। ऐसे में रोवर को रास्ता बदलने का कमांड दिया गया। इससे पहले भी प्रज्ञान करीब 100 मिमी गहरे एक छोटे क्रेटर से गुजरा था।

सतह पर प्लाज्मा मिला

लैंडर विक्रम पर लगे रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फियर एंड एटमॉस्फियर-लैंगम्यूर प्रोब ने चांद के साउथ पोल पर प्लाज्मा खोजा है, हालांकि ये कम घना (विरल) है। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे वास्टे पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है।

जमशेदपुर पुलिस ने होटल में छापेमारी कर 41 युवक-युवतियों को पकड़ा

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के एक होटल में जिस्मफरोशी की सूचना पर गुरुवार देर रात पुलिस ने छापेमारी की। इसमें कई युवक-युवतियों को पकड़ा गया। साथ ही होटल से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किये गये हैं। बताया जाता है कि साकची के आमबगान स्थित होटल सुविधा में इन दिनों देह व्यापार की सूचनाएं लगातार मिल रही थीं। इसी के आधार पर साकची पुलिस ने गुरुवार देर शाम सुविधा होटल पर औचक छापेमारी की। मजिस्ट्रेट की अगुवाई में हुई इस कार्रवाई से होटल में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके से कई युवक-युवतियों को पकड़े जाने की जानकारी दी है। कौन-कौन लोग इस धंधे में लिप्त हैं, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पायी है।

टीचर ने डंडा मारा, तो छात्र ने मार दी गोली

भाई के साथ दो तमंचे लेकर पहुंचा था स्कूल

AGENCY KANPUR : कानपुर में एक निजी स्कूल के बाहर 10वीं के छात्र ने अपने टीचर पर गोली चला दी। टीचर के गले पर गोली के छर्रे लगे हैं। साथ ही, एक 10वीं क्लास की छात्रा भी घायल हुई है। छात्र अपने चचेरे भाई के साथ टीचर पर हमला करने आया था। चचेरा भाई 11वीं क्लास में पढ़ता है। दोनों नाबालिग हैं। हमला करने के बाद मौके से भाग गए। कॉलेज गेट पर फायरिंग होने के चलते वहां भगदड़ मच गई। स्कूली बच्चों ने भागकर जान बचाई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह पूरा मामला शुक्रवार का कानपुर के चौबेपुर के भजनलाल इंस्टीट्यूट का है। टीचर ने एक दिन पहले यानी गुरुवार को छात्र को क्लास में डंडा मार दिया था। वजह थी कि छात्र ने एक छात्रा पर कमेंट किया था। छात्रा ने इसकी शिकायत टीचर से कर दी थी। इसके बाद टीचर ने उसी के सामने छात्र की पिटाई की थी। लड़की के सामने बेइज्जती होने से छात्र भड़क गया। चौबेपुर स्थित भजनलाल इंस्टीट्यूट में बदनपुर गांव के रहने वाले दो चचेरे भाई पढ़ते हैं। एक 11वीं का छात्र है, जबकि छोटा भाई 10वीं में पढ़ता है।

उन्नत विधि से करें पपीते की खेती

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल है, बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई पाचक इन्जाइम भी पाये जाते है तथा इसके ताजे फलों को सेवन करने से लम्बी कर्बजियत की बिमारी भी दूर की जा सकती है।

जलवायु: पपीते की अच्छी खेती गर्म नमी युक्त जलवायु में की जा सकती है। इसे अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान होने पर उगाया जा सकता है, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस से कम नही होना चाहिए लू तथा पाले से पपीते को बहुत नुकसान होता है। इनसे बचने के लिए खेत के उत्तरी पश्चिम में हवा रोधक वृक्ष लगाना चाहिए पाला पडने की आशंका हो तो खेत में रात्रि के अंतिम पहर में धुंआ करके एवं सिचाई भी करते रहना चाहिए।

भूमि: जमीन उपजाऊ हो तथा जिसमें जल निकास अच्छा हो तो पपीते की खेती उत्तम होती है, जिस खेत में पानी भरा हो उस खेत में पपीता कदापि नही लगाना चाहिए। क्योकि पानी भरे रहने से पोधे में कॉलर रॉट बिमारी लगने की सम्भावना रहती है, अधिक गहरी मिट्टी में भी पपीते की खेती नही करना चाहिए।

भूमि की तैयारी: खेत को अच्छी तरह जोंत कर समतल बनाना चाहिए तथा भूमि का हल्का ढाल उत्तम है, 2 ङ्क 2 मीटर के अन्दर पर लम्बा, चौडा, गहरा गढ्ढा बनाना चाहिए, इन गढ्ढों में 20 किलो गोबर की खाद, 500 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 250 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश को मिट्टी में मिलाकर पौधा लगाने के कम से कम 10 दिन पूर्व भर देना चाहिए।

किस्म: पूसा मेजस्टी एवं पूसा जाइंट, वाशिंगटन, सोलो, कोयम्बटूर, हनीड्यू, कुर्गहनीड्यू, पूसा ड्वार्फ, पूसा डेलीसियस, सिलोन, पूसा नन्हा आदि प्रमुख किस्में है।

बीज: एक हेक्टेयर के लिए 500 ग्राम से एक किलो बीज की आवश्यकता होती है, पपीते के पौधे बीज द्वारा तैयार किये जाते है, एक हेक्टेयर खेती में प्रति गढ्ढे 2 पौधे लगाने पर 5000 हजार पौध संख्या लगेगी।

लगाने का समय एवं तरीका: पपीते के पौधे पहले रोपणी में तैयार किये जाते है, पौधे पहले से तैयार किये गढ्ढे में जून, जुलाई में लगाना चाहिए, जंहा सिंचाई का समूचित प्रबंध हो वंहा सितम्बर से अक्टूबर तथा फरवरी से मार्च तक पपीते के पौधे लगाये जा सकते है।

नर्सरी में रोपा तैयार करना: इस विधि द्वारा बीज पहले भूमि की सतह से 15 से 20 सेमी. उंची क्यारियों में कतार से कतार की दूरी 10 सेमी, तथा बीज की दूरी 3 से 4 सेमी. रखते हुए लगाते है, बीज को 1 से 3 सेमी. से अधिक गहराई पर नही बोना चाहिए, जब पौधे करीब 20 से 25 सेमी. उंचे हो जावें तब प्रति गढ्ढा 2 पौधे लगाना चाहिए।

पौधे पालीथिन की थैली में तैयार करने की विधि

20 सेमी. चौडे मुंह वाली, 25 सेमी. लम्बी तथा 150 सेमी. छेद वाले पालीथिन थैलियां लेवें इन थैलियों में गोबर की खाद, मिट्टी एवं रेत का समिश्रण करना चाहिए, थैली का उपरी 1 सेमी. भाग नही भरना चाहिए, प्रति थैली 2 से 3 बीज होना चाहिए, मिट्टी में हमेशा पर्याप्त नमी रखना चाहिए, जब पौधे 15 से 20 सेमी. उंचे हो जावें तब थैलियों के नीचे से धारदार ब्लेड द्वारा सावधानी पूर्वक काट कर पहले तैयार किये गये गढ्ढों में लगाना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक: एक पौधे को वर्षभर में 250 ग्राम नत्रजन, 250 ग्राम स्फुर एवं 500 ग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है, इसे छ- बराबर भाग में बांट कर प्रति 2 माह के अंतर से खाद तथा उर्वरक देना चाहिए खाद तथा उर्वरक को मिट्टी में मिलाकर थैली) में देकर सिंचाई करना चाहिए। इस मिश्रण को नर पौधों को और ऐसे पौधो को नही देना चाहिए, जिसे 4 से 6 माह बाद निकालकर फेकना है।

नर पौधों को अलग करना: पपीते के पौधे 90 से 100 दिन के अन्दर फूलने लगते है तथा नर फूल छोटे-छोटे गुच्छों में लम्बे डंढल युक्त होते है। नर पौधों पर पुष्प 1 से 1.3 मी. के लम्बे तने पर झूलते हुए तथा छोटे होते है। प्रति 100 मादा पौधों के लिए 5 से 10 नर पौधे छोड कर शेष नर पौधों को उखाड देना चाहिए। मादा पुष्प पीले रंग के 2.5 से.मी. लम्बे तथा तने के नजदीक होते है।

निंदाई, गुडाई तथा सिंचाई : गर्मी में 4 से 7 दिन तथा ठण्ड में 10 से 15 दिन के अंतर पर सिंचाई करना चाहिए, पाले की चेतावनी पर तुरंत सिंचाई करें, तीसरी सिंचाई के बाद निंदाई गुडाई करें। जडों तथा तने को नुकसान न हो।

फलो को तोडना: पौधे लगाने के 9 से 10 माह बाद फल तोडने लायक हो जाते है। फलों का रंग गहरा हरे रंग से बदलकर हल्का पीला होने लगता है तथा फलों पर नाखुन लगने से दूध की जगह पानी तथा तरल निकलता हो तो समझना चाहिए कि फल पक गया होगा। फलो को सावधानी से तोडना चाहिए। छोटी अवस्था में फलों की छटाई अवश्य करना चाहिए।

पौध संरक्षण:

माइट, एफीड्स तथा फल मक्खी जैसे कीटों का प्रकोप इन पर देखा गया है। इसके नियंत्रण को मेटासिस्टाक्स 1 लीटर दवा प्रति हेक्टर के दर से तथ दूसरा छिडकाव 15 दिन के अंतर से करना चाहिए। फूट एण्ड स्टेम राट बीमारी से पौधों को बचाने के लिए तने के पास पानी न जमने दें। जिस भाग में रोग लगा हो वहां चाकू से खुरच कर बोडो पेस्ट भर देना चाहिए। पावडरी मिलड्यू के नियंत्रण के लिए सल्फर डस्ट 30 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी के हिसाब से 15 दिन के अंतराल में छिडकाव करें

उपज तथा आर्थिक लाभ:

प्रति हेक्टर पपीते का उत्पादन 35-40 टन होता है। यदि 1500 रू./ टन भी कीमत आंकी जावें तो किसानों को प्रति हेक्टर 34000.00 रू. का शुद्ध लाभ प्राप्त होगा।

कृषि आधारित कुटीर उद्योग है रेशम उत्पादन

रेशम भारत के जीवन में रच बस गया है। हजारों वर्षों से यह भारतीय संस्कृति और परम्परा का अभिन्न अंग बन गया है। कोई भी अनुष्ठान किसी न किसी में रेशम के उपयोग के बिना पूरा नहीं होता है। रेशम उत्पादन और सिल्क रेशमी कपड़ा एक मुख्य उप क्षेत्र है जिसमें कपड़ा क्षेत्र आता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित कुटीर उद्योग है। रेशम उत्पादन का आशय बड़ी मात्रा में रेशम प्राप्त करने के लिए रेशम उत्पादक जीवों को पालन होता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित श्रम ग ह न उद्योग है। रेशम उत्पादन उद्योग में शामिल मुख्य क्रियाकलाप हैं -

रेशम कीट खाद्य पौधों की खेती करना, कच्चा रेशम के उत्पादन के लिए रेशम कीट पालना, रेशम फिलोमेंट निकालने के लिए कोकून का रीलिंग और अन्य कोकून पश्च प्रसंस्करण जैसे कि, मरोड़ना, डाइ करना, बुनना, प्रिंटिंग और तैयार करना रेशम उत्पादन एक अन्यन्त गहन श्रम क्षेत्र है, जिसमें कृषि (रेशम उत्पादन) और उद्योगों क्रियाकलाप शामिल होते हैं। भारत का रेशम कच्चा उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान है। इस स्थान के साथ-साथ इसकी अपार रोजगार क्षमता, जो रेशम पालम और सिल्क को भारतीय कपड़े के नक्शे में अपरिहार्य बनाता है।

रेशम का मूल्य बहुत अधिक है परन्तु इसकी उत्पादन की मात्रा कम है जो विश्व के कुल कपड़ा उत्पादन का केवल 0.2 प्रतिशत है। यह आर्थिक महत्व का मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदान करता है।

मूंगा रेशम के उत्पादन में भारत का एकाधिकार है। यह कृषि क्षेत्र में एकमात्र नकदी फसल है जो 30 दिनों के भीतर प्रतिफल प्रदान करता है। रेशम उत्पादन महत्वपूर्ण आर्थिक क्रियाकलाप के रूप में उभरा है यह देश के अनेकानेक भागों में लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसकी परिपक्वन अवधि छोटी होती है, संसाधनों का तुरंत पुन- चक्रन होता है। यह सभी प्रकार के किसानों के लिए उपयुक्त होता है विशेषतया सीमांत और छोटे जमीन धारकों के लिए चूंकि यह आप बढ़ाने के लिए समृद्ध अवसर प्रदान करता है और साल भर के लिए स्वयं परिवार के लिए रोजगार का सृजन करता है।

भारत सरकार की देश में रेशम उद्योग के विकास के लिए समवर्ती जिम्मेदारी है। केन्द्रीय स्तर पर, कपड़ा मंत्रालय नोडल संगठन है जिसमें रेशम उत्पादन और रेशमी कपड़ा उद्योग एक मुख्य कार्यात्मक क्षेत्र के रूप में हैं।

रेशम उत्पादन के संवर्धन और विकास के लिए अनेक केन्द्रीय रूप से प्रायोजित योजनाएं हैं, जिनके द्वारा भारत सरकार विभिन्न क्रियाकलाप कर रही है जैसे रेशम उत्पादन संबंधी मूल संरचना का सृजन नर्सरी और फार्मों का विकास, बागान क्षेत्र का विस्तार आदि।

किसानों के लिए फायदेमंद है आधुनिक कृषि यंत्र

जैसे–जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है वैसे वैसे हर क्षेत्र में तकनीक भी आगे बढ़ रही है। आज अगर देखा जाए तो हर क्षेत्र में रोज नई नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। फिर चाहे वो वस्त्र बनाने वाली कम्पनियां हों, मेटल, प्रिंटिंग, मसाले, बड़ी–बड़ी कारें एवं मोटरसाइकिल बनाने वाली कम्पनियां नई तकनीक का ही इस्तेमाल कर आगे बढ़ रही हैं। इस आपाधापी के युग में कृषि क्षेत्र कैसे पीछे रह सकता है। कृषि के क्षेत्र में तरह तरह के यंत्र आ रहे हैं जिनका उपयोग कर किसान अपना समय बचा सकते हैं और आर्थिक लाभ भी कर सकते हैं।

छोटा हार्वेस्टर

आजकल मजदूरों की कमी है,इसलिए फसलों की कटाई के लिए मशीन ईजाद की गई है, यह ऐसी मशीन है जिससे फसल कटाई, गहाई सब एक साथ जल्दी-जल्दी हो जाती है। और हमें घर में सीधा दाना मिलता है। लेकिन बड़े हार्वेस्टर 15 से 20 लाख रुपए के आते हैं एक मध्यमवर्गीय किसान के लिए उसे लेना संभव नहीं होता, इसलिए हमारे वैज्ञानिको ने छोटा हार्वेस्टर ईजाद कर दिया। इसे हर किसान खरीद सकता है। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक है। इसे रखने के लिए एक बाईक बराबर जगह की जरूरत होगी।

छोटा ट्रेक्टर- बड़े-बड़े ट्रेक्टर तो आपने बहुत देखे होंगे पर यह छोटा ट्रेक्टर मस्त चीज है। अपनी स्वयं की खेती करने के लिए यह अच्छा यंत्र है। आप इससे अपनी खेती आराम से कर सकते हैं। पर आप इसका व्यवसायिक उपयोग नहीं कर सकते। इसके टायर भी छोटे-छोटे हैं जो गीली मिट्टी में फंस सकते हैं और ज्यादा लोड नहीं लेगा। टायर भी जल्द खराब हो सकते हैं।यह तो बागो व् सब्जियों के लिए बहुत लाभदायक है! हां लेकिन इतनी सस्ती कीमत में और क य ा मिलेगा। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक बताई गई है।

रोटावेटर

इस यंत्र का काम है मिट्टी को पलटना यानी जब किसान हार्वेस्टर या मजदूरों द्वारा फसल को कटवाया जाता है तो नीचे की फसल का भाग बच जाता है, इसे साफ के लिए किसान खेतों में आग लगाता है जिससे कई नुकसान होते हैं जैसे- पर्यावरण प्रदूषण, दूसरे की फसलों में आग लग जाना, जंगलों में आग लगना, किसी का घर जल जाना, और सबसे बड़ी हानि स्वयं किसान को ही होती है। इससे मिट्टी का उपजाऊपन कम होता है। हां रोटीवेटर से यह सब नहीं होता इसे ट्रेक्टर में फंसाकर चलाने से खेत का कचरा मिट्टी के नीचे चला जाता है और एक साल बाद दबे-दबे खाद में बदल जाता है इससे खेत की उर्वरा क्षमता भी बढती है।

टपक सिंचाई

वर्तमान समय में पानी का कम होना, जलस्तर गिरना बड़ी समस्याएं हैं। ऐसे में खेतों की सिंचाई करना एक बड़ी समस्या बनेगी इसलिए अभी सचेत होना जरूरी है। इस समस्या से बचाने के लिए हमारे वैज्ञानिकों ने तैयार किया 'टपक सिंचाई सिस्टम' इसके द्वारा पानी टपक-टपक के खेतों में गिरता है। खास बात यह है कि इससे पानी की बचत होती है और फसल की जड़ तक पानी जाता है। इस सिस्टम का उपयोग सब्जी, संतरे व अन्य फल वाले बड़े पेड़ों के लिए उपयुक्त होता है। गेहूं, सोयाबीन के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकता।

बालू के अवैध कारोबार में शामिल सिल्ली थाना प्रभारी SUSPEND

सिल्ली थाना प्रभारी आकाशदीप।

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के सिल्ली थाना प्रभारी आकाशदीप को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सस्पेंड कर दिया है। इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि अवैध बालू के कारोबार पर रोक के आदेश के बाद भी पाया गया कि सिल्ली के थाना प्रभारी आकाशदीप इसमें संलिप्त हैं। इस संबंध में सिल्ली डीएसपी से जांच कराने के बाद मामला सही पाया गया। इसके बाद उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें जीवन यापन भत्ता मिलेगा। इस अवधि में उन्हें पुलिस केंद्र रांची में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

पूर्व डीएसपी के दो वेतन वृद्धि पर रोक

RANCHI : फेसबुक अकाउंट पर ट्रांसफर संबंधी सरकार के निर्णय के खिलाफ अवांछनीय टिप्पणी करना राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी व तत्कालीन डीएसपी एसआईआरबी-02 खूंटी किशोर कुमार रजक पर लगे आरोपों को प्रमाणित मानते हुए राज्य सरकार ने उनकी दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है। साथ ही 27 सितंबर, 2019 को शुरू किए गये विभागीय कार्रवाई का निस्तारण भी कर दिया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। वर्ष 2019 में गृह विभाग के द्वारा उनका तबादला किया गया था, जिसके खिलाफ उन्होंने सोशल मीडिया में सरकार के खिलाफ टिप्पणी की। पूरे मामले पर विभागीय कार्रवाई भी हुई। उनसे स्पष्टीकरण लिया गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह खाता किसी दूसरे लोगों द्वारा संचालित हो रहा है। सरकार ने इसकी समीक्षा में यह भी पाया कि इतने गंभीर मामले पर पुलिस मुख्यालय की ओर से भी कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई और न ही कोई प्राथमिकी दर्ज हुई।

दिल्ली जाने के लिए आज से स्पेशल ट्रेन

RANCHI : दुर्गा पूजा के खत्म होने के बाद दिल्ली लौटने वाले यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए हटिया से दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा। रांची रेल मंडल के मुताबिक, ट्रेन संख्या 08857 हटिया नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन की यात्रा 28 अक्टूबर और ट्रेन संख्या 08858 नई दिल्ली-रांची स्पेशल ट्रेन की यात्रा एक नवंबर को होगी। इन ट्रेनों में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 10 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर क्लास के 11 कोच, एवं रसोई यान का 01 कोच , कुल 24 कोच होंगे। 28 अक्टूबर को ट्रेन हटिया से रात 8:15 मिनट पर प्रस्थान करेगी। रांची से प्रस्थान 8:50 बजे, मुरी से प्रस्थान 10 बजे, बोकारो स्टील सिटी से प्रस्थान 11 बजे, गोमो से प्रस्थान रात बारह बजे, कोडरमा आगमन से प्रस्थान रात एक बजकर 20 मिनट पर होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रस्थान सुबह 07:55 बजे, प्रयागराज से प्रस्थान 11:55 बजे, कानपुर से प्रस्थान 2:20 मिनट पर, नयी दिल्ली आगमन रात के 11 बजे होगा। ट्रेन संख्या 08858 नई दिल्ली रांची स्पेशल ट्रेन की यात्रा एक नवंबर को होगी।

पिस्टल-गोली के साथ दो अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

वर्चस्व जमाने के लिए हटिया इलाके में करते थे हवाई फायरिंग

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते सिटी एसपी व इनसेट में गिरफ्तार अपराधी।

CRIME REPORTER RANCHI : रांची की जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने लोअर हटिया से हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में अभिषेक कुमार सिंह और सोनू सिंह उर्फ सोनू सरदार शामिल हैं। इनके पास से दो पिस्टल, दो गोलियां और दो स्मार्टफोन बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधी हटिया इलाके में हवाई फायरिंग कर लोगों को डराने-धमकाने का काम करते थे। फायरिंग कर वर्चस्व जमाने और दहशत फैलाने में जुटे थे। इसकी जानकारी पुलिस को मिली। इसके बाद जगरनाथपुर थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई कर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार के बाद एक बार फिर दोनों अपराधियो को पैदल ही जेल की यात्रा कारवाई गई। शुक्रवार को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। डन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में छापेमारी कर हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया। दोनों ने 26 अक्टूबर की रात जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया में दो अपराधियों की ओर से अवैध रूप से हवाई फायरिंग करने की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसमें दोनों अपराधियों की पुलिस तलाश कर रही थी। इस संबंध में जगरनाथपुर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिक की दर्ज की गई थी। इस घटना में भी दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एसपी ने बताया कि अभिषेक कुमार सिंह के खिलाफ जिले के गोंदा, तुपुदाना और बिहार के मुंगेर में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

श्रीवास्तव गिरोह के कुख्यात अपराधी नेपाली को एटीएस ने किया गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : अमन श्रीवास्तव गिरोह का कुख्यात अपराधी मोहम्मद उर्फ नेपाली को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। नेपाली के खिलाफ एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। एटीएस की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मोहम्मद उर्फ नेपाली रांची के अरगोड़ा रेलवे स्टेशन के पास देखा गया है। जानकारी मिलने पर एटीएस ने अरगोड़ा इलाके में नजर रखनी शुरू की। इस दौरान वहां मोहम्मद के कुछ रिश्तेदार देखे गये। तब एटीएस को यह विश्वास हो गया कि जरूर मोहम्मद भी अरगोड़ा इलाके में ही है। तलाशी के दौरान एटीएस की टीम ने मोहम्मद उर्फ नेपाली अरगोड़ा स्टेशन के पास देखा। इसके बाद एटीएस ने उसे घेर कर पकड़ लिया। गिरफ्तार मोहम्मद उर्फ नेपाली श्रीवास्तव गिरोह के पास से बरामद 50 लाख रुपये मामले में भी नामजद है। इसके अलावा रांची सहित राज्य के दूसरे जिलों के थानों में भी मोहम्मद उर्फ नेपाली के खिलाफ दर्जन भर से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

अपराधी मोहम्मद उर्फ नेपाली।

खलारी थाना क्षेत्र के राय का रहने वाला है नेपाली

मोहम्मद उर्फ नेपाली रांची के खलारी थाना क्षेत्र के राय का रहने वाला है। 17 जनवरी 2022 को एटीएस की टीम ने राज्य भर में अमन श्रीवास्तव गिरोह के अपराधियों के खिलाफ बड़ी छापेमारी की थी। उस दिन मोहम्मद उर्फ नेपाली को गिरफ्तार करने के लिए एटीएस की टीम सादे लिबास में उसके ठिकाने तक पहुंची थी। यहां तक कि एटीएस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया था। लेकिन जैसे ही एटीएस की टीम मोहम्मद और नेपाली को साथ लेकर जाने लगी, तो उसने शोर मचा दिया कि उसका अपहरण हो रहा है। इसके बाद ग्रामीणों ने एटीएस की टीम पर हमला कर टीम में शामिल जवानों का हथियार तक छीन लिया था।

NEWS OF ROURKELA

प्याज ने राउरकेला के लोगों को रुलाया, खुदरा बाजारों में कीमत हुई 60 रुपये प्रति किलो

ROURKELA : प्याज की कीमतें लगातार बढ़ रही है। कुछ दिन राउरकेला बाजार में प्याज की कीमत 20 से 30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि शुक्रवार को खुले बाजार में यह 55 से 60 रुपये प्रति किलो बिक रही है। नवरात्रि के बाद प्याज की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी से लोग परेशान है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में प्याज की मांग बढ़ने के कारण अन्य राज्यों में प्याज की ज्यादा आपूर्ति नहीं हो पा रही है। परिणामस्वरूप, कीमतों में वृद्धि जारी है। प्याज की कीमत में अचानक हुई बढ़ोतरी से दुकानदारों और खरीदारों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। राउरकेला में प्रतिदिन 60 से 70 टन प्याज आता है। जिसमें से हर दिन 50 टन प्याज की खपत होती है। नासिक में आज प्याज की कीमत 50 रुपये होने के कारण आने वाले दिनों में प्याज की कीमत और बढ़ने की संभावना है।

गौरी नायक ने बीरमित्रपुर तहसीलदार का संभाला पदभार

BIRMITRAPUR : गौरी नायक ने बीरमित्रपुर तहसीलदार के रूप में शुक्रवार को पदभार संभाला। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। सभी को पूरी उम्मीद है कि वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करेंगे और स्थानीय निवासियों की सभी गतिविधियों को बेहतर बनाएंगे।

शहर के चौराहों पर स्थापित होंगे पुस्कालय

ROURKELA : राउरकेला के लोगों को पुस्तकों के प्रति आकर्षित करने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर पुस्तकालयों की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। उभरते शहर के शांत वातावरण में महानगरीय पुस्तकालय पाठकों को आकर्षित करता है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। पुस्तकालय में हजारों पुस्तकें हैं।

बोनस की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

ROURKELA : राउरकेला 40,500 रुपये बोनस समेत अन्य मांगों को लेकर इस्पात कर्मचारी संघ की ओर से शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। सीटू की ओर से राउरकेला कोयला गेट के पास आयोजित विरोध प्रदर्शन में यूनियन के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। बोनस क्लेम के साथ 39 महीने का एरियर की भी मांगा किया गया।

फिटिज की बैठक में व्यापारिक समस्याओं पर हुई चर्चा

ROURKELA : फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड इन्वेस्टर गुणोदय एसोसिएशन(फिटिज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य खन्ना ने दिल्ली और हरियाणा के नेतृत्व को अमिताभ सामल से मिलने के लिए आमंत्रित किया। एसोसिएशन के ओडिशा राज्य के अध्यक्ष अमिताभ सामल जिन्होंने संगठनात्मक भविष्य की संभावनाओं को साझा किया। बैठक का उद्देश्य एसोसिएशन को मजबूत करने के साथ-साथ व्यापार और निवेश की दिशा में भारत को सशक्त बनाने के तरीकों पर चर्चा करना था। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य खन्ना, ओड़िशा अध्यक्ष अमिताभ सामल, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह, दिल्ली के महासचिव हरिओम गुप्ता , महेंद्र सिंह लूथरा, देवेश खन्ना, गगन बरेजा ने एसोसिएशन के अन्य सदस्य बैठक उपयोगी रही और भारत (भारत) के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश के भविष्य पर आशाजनक चर्चा हुई।

हजारीबाग में वकीलों के बीच मारपीट का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, क्रिमिनल रिट दायर

SPECIAL REPORTER RANCHI : हजारीबाग बार एसोसिएशन के चुनाव की मतगणना के दौरान वकीलों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। ये मामला अब अदालत की दहलीज तक जा पहुंचा है। हजारीबाग सिविल कोर्ट के वकील और निवर्तमान कमिटी के सदस्य मनोज कुमार यादव ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट दाखिल की है। जिसमें उन्होंने बार चुनाव करवा रहे रिटर्निंग ऑफिसर और हजारीबाग बार एसोसिएशन समेत अन्य को प्रार्थी बनाया है। याचिका में कहा गया है कि चुनाव को रद्द किया जाए और मतों की गिनती पर रोक लगाई जाए। अपनी याचिका में मनोज कुमार ने मतगणना के दौरान हुई मारपीट की घटना का वीडियो और अन्य साक्ष्य भी संलग्न किए हैं।

राजकुमार को विजयी घोषित करते ही हुई थी मारपीट

बता दें कि हजारीबाग बार एसोसिएशन के चुनाव के बाद वकीलों में जमकर मारपीट हुई है। वोटों की गिनती के दौरान जैसे ही बार काउंसिल के सदस्य और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू को 12 मतों से विजयी घोषित किया गया। वैसे ही कई अधिवक्ता उत्तेजित हो गए और आपस में मारपीट शुरू कर दी। मारपीट की घटना में कई वकीलों को चोट भी लगी है। 12 वोटों से मामूली अंतर से जीत दर्ज करने वाले अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू के निकटतम प्रतिद्वंदी जवाहर प्रसाद थे। घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। वकीलों के बीच हुई मारपीट के बाद काउंटिंग रोक दी गई है। अब शनिवार को दोबारा काउंटिंग शुरू की जाएगी। फिलहाल इलेक्शन ऑब्जर्वर बालेश्वर सिंह की मौजूदगी में सभी मतपेटियों को सील कर सुरक्षित रख दिया गया है। वहीं इलेक्शन ऑब्जर्वर ने इस पूरे मामले की जानकारी झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष को भी दे दी है।

कुख्यात अमन साहू के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में एटीएस, जुटा रही सबूत

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड एटीएस जेल में बंद कुख्यात अपराधी अमन साहू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। एटीएस अमन साहू की संपत्ति और अलग-अलग जगहों पर किए गए निवेश का ब्योरा जुटा रही है। इसके लिए एटीएस ने पांच जिलों के निबंधन कार्यालय से जानकारी मांगी है। अमन साहू के साथ-साथ अमन की मां किरण देवी, पिता निरंजन प्रसाद साहू, भाई आकाश कुमार और दूसरे भाई अंकित कुमार के नाम पर खरीदी गई जमीन और अन्य अचल संपत्ति की जानकारी भी एटीएस जुटा रही है। जिन जिलों में अमन साहू की संपत्ति का डाटा खंगाला जा रहा है, उसमें रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार शामिल है। दरअसल अमन साहू ने रंगदारी और लेवी से मिली बड़ी राशि की जमीन और अन्य अचल संपत्ति में निवेश किया है। उम्मीद की जा रही है कि उसकी संपत्ति की जानकारी मिलने के बाद एटीएस सभी संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई कर सकती है। चाईबासा जेल में बंद अपराधी अमन साहू को फिलहाल पलामू जेल शिफ्ट किया गया है। दरअसल पुलिस संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अभियान चला रही है। जिसके तहत हर तीन से चार महीने में अमन साहू को दूसरे जेल में शिफ्ट किया जाना है। इससे पहले 20 अगस्त को अमन साहू को दुमका जेल से चाईबासा जेल शिफ्ट किया गया था। बता दें कि कोयला कारोबारी संगठित आपराधिक गिरोहों के निशाने पर है। राज्य के रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार सहित अन्य जिलों के कोयला कारोबारियों को लगातार धमकियां मिल रही है। इससे सभी दहशत में हैं। अगर कोयला कारोबारी धमकी को नजरअंदाज कर रहे हैं तो उनपर गोलियां चल रही है। डीजीपी के आदेश के बाद एटीएस और सीआईडी संयुक्त रूप से अमन साहू गिरोह पर नकेल कसने की कोशिश कर रही है।

धुर्वा थाने के दारोगा और आरक्षी पर होगी अनुशासनिक कार्रवाई

सीआईडी ने रांची के एसएसपी को लिखा पत्र

CRIME REPORTER RANCHI : धुर्वा थाना के दारोगा तीर्थराज तिवारी और आरक्षी अमित कुमार के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। इस संबंध में अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के एसपी ने रांची एसएसपी को पत्र लिखा है। जिसमें बताया गया है कि धुर्वा थाना के दारोगा तीर्थराज तिवारी और आरक्षी अमित कुमार के विरुद्ध सीआईडी को थाना आए व्यक्ति से दुर्व्यव्हार की शिकायत मिली थी। जांच में आरोप सही पाए गए। इन पर आरोप था कि धुर्वा निवासी बद्रीनाथ शाहदेव अपने गोतिया से विवाद को लेकर 17 सितंबर को धुर्वा थाना गए थे। उन्होंने जब यह जानकारी थाने में दी तो उनका बेल्ट व अन्य सामान खुलवा कर अपमानित करते हुए सिरिस्ता में बैठा दिया गया। सीआईडी को बद्रीनाथ ने बताया था कि जब वे शिकायत लेकर धुर्वा थाना गए तो दारोगा तीर्थराज तिवारी और आरक्षी ने उन्हें काफी जलील किया। कहा कि सुधांशु के रास्ते से हट जाओ नहीं तो अंदर सड़ा देंगे।

कांके में लोकहित अधिकार पार्टी ने सामाजिक न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर की बैठक

PHOTON NEWS KANKE : भामाशाह नगर कांके होचर पंचायत सचिवालय परिसर पर जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में लोकहित अधिकार पार्टी का सामाजिक न्याय यात्रा की तैयारी बैठक हुई । मौके पर मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा लोकहित अधिकार पार्टी देशव्यापी निःशुल्क शिक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था लागू कराने के साथ झारखंड सहित पूरे देश में

सामाजिक न्याय एवं असंख्य दबे कुचले वंचित शोषित उपेक्षित वर्ग जिन्हें आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी राजनीतिक भागीदारी से दूर रखा गया, झारखंड के साथ पूरे देश में जाति जनगणना कराकर आबादी के अनुसार हिस्सेदारी दिलाना पार्टी की प्राथमिकता होगी। इसकी शुरूआत रांची जिला से एक नवंबर 2023 से लेकर 22 दिसंबर 2023 तक निरंतर सामाजिक न्याय यात्रा के माध्यम से गांव-गांव में व्यापक रूप से जन संपर्क जागरूकता अभियान पार्टी के नेतृत्व में चलाया जाएगा। बैठक को जिला के मुख्य सलाहकार जनक प्रजापति, जिला संयोजक अजीत कुमार साहू, लालू महतो, कुंज बिहारी, जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर दानेश्वर साहू, कांके विधानसभा प्रभारी मुकुल नायक, प्रखंड अध्यक्ष देव पूजन ठाकुर, पार्वती देवी, सुग्गी देवी, कशीला देवी,सत्यानंद उरांव, बालमुकुंद मुंडा, अघनू मुंडा, उप मुखिया जितेंद्र कुमार साहू, मंत्री संजय लोहरा, संजीब घोष, विक्रम सिंह, रामसूरत साहू, देवा नायक, राजकुमार मुंडा, सुबोध कुमार, दीपक कुमार एवं राजकुमार लोहरा ने भी संबोधित किया।

प्रथम चरण में अति कमजोर आदिवासी समुदाय का किया जाएगा बेसलाइन सर्वे, तैयारी में जुटा कल्याण विभाग

झारखंड में ट्राइबल डिजिटल एटलस बनाने की कवायद शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य में निवास करने वाले आदिवासी समूह के लिए ट्राइबल डेवलपमेंट डिजिटल एटलस तैयार किया जा रहा है। इस कार्य के प्रथम चरण में अति कमजोर आदिवासी समुदाय (पीवीटीजी) का बेसलाइन सर्वे किया जाएगा। इसकी तैयारी कल्याण विभाग अंतर्गत आदिवासी कल्याण आयुक्त के मार्गदर्शन में शुरू कर दी गई है। इसके लिए आदिवासी गांवों की बुनियादी सुविधाओं की वर्तमान स्थिति और विकास के मानक लक्ष्य से क्रिटिकल गैप सर्वे के साथ प्रत्येक गांव और टोला में शिक्षा, कौशल क्षमता, रोजगार, आय, जीवनस्तर आदि के सम्बन्ध में भी ब्यौरा तैयार होगा। जेटीडीएस चने की खेती और एसएचजी और क्लस्टर आधारित एफपीसी और महिला समूहों के माध्यम से जेएसएलपीएस इसके लिए कार्य करेगा । सिदो कान्हू वनोपज फेडरेशन के माध्यम से इनके उत्पादों का बाजारों तक पहुंच बनाकर आय में वृद्धि की जाएगी। समूह में पाए जाने वाले एनीमिया, विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया और कुपोषण की व्यापकता में कमी सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा (डाकिया योजना) लाभ और स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने को प्रमुखता दिया जायेगा।

सुविधा देने पर विशेष ध्यान

इसके लिए राज्य सरकार उनके सामाजिक बुनियादी ढांचा, आजीविका और स्वास्थ्य पर ध्यान केन्द्रित कर कार्य योजना को अमली जामा पहनाएगी ताकि ऐसे जनजातीय समूह के लोगों को पक्के आवास, स्वच्छता, पाइपलाइन के जरिये शुद्ध पेयजल, बिजली,सौर विद्युतीकरण, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, पीडीएस और ई-श्रम का लाभ, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी तक पहुंच, शिक्षा, सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता, हर मौसम में सड़क कनेक्टिविटी, मोटर बाइक एम्बुलेंस,मोबाइल स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा, मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी, वनोत्पाद आधारित आजीविका, राज्य आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों और संघों को संगठित करके आजीविका में सुधार समेत अन्य सुविधाओं से आच्छादित किया जा सके ।

विकास की लकीर खींचने का प्रयास

ट्राइबल डिजिटल एटलस कल्याण विभाग द्वारा तैयार किया जाएगा, जिसके तहत प्रथम चरण में सभी पीवीटीजी बस्तियों का मूल्यांकन और मैप कर डेटाबेस तैयार किया होगा। इसके आधार पर प्रमुख सामाजिक आर्थिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आजीविका केंद्रित पहलों के कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक कार्य योजना को मिशन मोड में लागू किया जाएगा ताकि अगस्त तक राज्य में चिन्हित कुल 67,501 पीवीटीजी परिवार और 3,705 गांवों में की करीब 2,92,359 जनसंख्या के विकास के लिए लकीर खिंची जा सके। अति कमजोर जनजातीय समूह को एक ओर जहां सामाजिक-बुनियादी ढांचे में समाहित किया जाएगा। इनके पारंपरिक आजीविका की गतिविधियों को मजबूत करने का कार्य होगा ।

पीवीटीजी युवाओं के लिए देश का पहला निः शुल्क आवासीय कोचिंग

मुख्यमंत्री की पहल पर असुर, कोरबा, माल पहाड़िया, बिरहोर, सबर, बिरजिया, सौर पहाड़िया जैसे आठ अति संवेदनशील जनजातीय समुदाय (पीवीटीजी) के युवक-युवतियों के नियोजन के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग की शुरूआत कुछ माह पूर्व किया गया है। प्रथम चरण में 150 युवाओं को विभिन्न परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। इसमें 60 से अधिक युवतियां हैं।

झारखंड में सुबह-शाम की ठंड शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के कई जिलों में अब ठंड का एहसास होने लगा है। सुबह और शाम को चलने वाली ठंडी हवाओं ने गर्म कपड़ों की जरूरत को महसूस कराना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में ठंड की रफ्तार और तेज होगी। तापमान में और गिरावट दर्ज की जायेगी। राज्य में हिमालय और उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के कारण ठंड महसूस होने लगी है। मौसम शुष्क और धूप के कारण अभी ठंड का ज्यादा एहसास होगा। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव की वजह से मौसम अपना मिजाज बदल रहा है। साईक्लोन सकुर्लेशन का असर राज्य में कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से बादल नजर आयेंगे। संभावना व्यक्त की है कि राजधानी रांची, देवघर, सिमडेगा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, सरायकेला, गोड्डा, साहेबगंज और पाकुड में बादल नजर आयेंगे और हल्की बारिश हो सकती है।

मजदूरों का पैसा काट रहीं एजेंसियां

एक दिन हाजिरी काटने पर एजेंसी को करीब दो लाख रुपए की होती है बचत, विरोध पर काम से हटा रही

पटना। नगर निगम से हुए करार के मुताबिक सफाई एजेंसियां काम नहीं कर रही हैं। मजदूरों से 30 दिन काम करवाने के बाद भी उनका पैसा काट रही हैं। इसको लेकर स्थायी समिति के सदस्य नगर निगम में नए घोटाले की आशंका जता रहे हैं। एक दिन की हाजिरी काटने पर भी एजेंसी को करीब दो लाख रुपए की बचत होती है। मजदूरों के पक्ष में बात रखनेवाले कई सुपरवाइजरों को एजेंसी ने हटा दिया है। अब शुक्रवार को निगम में स्थायी समिति की बैठक होनी है। मेयर समेत पांच सदस्यों ने साफ तौर पर सफाई एजेंसियों को हटाने का प्रस्ताव दिया है। बैठक में इस पर चर्चा होगी।

दुर्गा पूजा में किसी तरह निगम के पुराने कर्मचारियों ने पार्षदों के साथ सफाई की कमान संभाली तो कुछ सुधार हुआ। लेकिन काली पूजा और छठ जैसे बड़े पर्व अभी बाकी हैं, जिसमें स्वच्छता पर ही फोकस रहता है। ऐसे में शहर की सफाई को लेकर नगर सरकार पूरी तरह सख्ती ने के मूड में है। सफाई का कार्य नोएडा की शाईन कंपनी और पटना की सीबीएस एजेंसी करा रही है। शाईन को हर माह 67 लाख 49 हजार रुपए और सीबीएस को 67 लाख 77 हजार रुपए नगर निगम दे रहा है। इन दोनों के जिम्मे डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव के साथ ही महापुरुषों की प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई से लेकर वॉशिंग तक का कार्य है। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई भी रोज की जानी है। लेकिन, महापुरुषों की प्रतिमा स्थल पर किसी खास मौके पर ही सफाई होती है। प्रमुख स्थलों पर बने शौचालयों को एक बार ही साफ किया जाता है। मायागंज अस्पताल रोड, जिला स्कूल रोड समेत कई ऐसे शौचालय हैं जहां टीम जाती ही नहीं। मेयर ने एजेंसियों को हटाने के लिए दूसरी बार नगर आयुक्त को भेजा पत्र मेयर डॉ. बसुंधरा लाल ने गुरुवार को नगर आयुक्त को दूसरी बार पत्र भेजकर निर्देश दिया है कि दोनों एजेंसियों को हटाएं। दोनों एजेंसियां करार के अनुसार काम नहीं कर रही हैं। पूर्व में भी दो बार पत्र देकर एजेंसियों को सफाई व्यवस्था में सुधार की चेतावनी दी गई थी। लेकिन सुधार नहीं किया तो दुर्गा पूजा में सफाई की कमान खुद निगम ने अपने हाथों में लिया। वहीं महादलित परिसंघ के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार हरि ने भी नगर आयुक्त को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि मजदूरों से 30 दिन काम करवाने के बाद एक से चार दिन की हाजिरी काटी जा रही है। वेतन कटौती के नाम पर घोटाले हो रहा है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव तो दूर शहर के मुख्य मार्गों से भी सही से कूड़ा का उठाव नहीं हो रहा है। कई इलाकों में चार-पांच दिन में कूड़ा का उठाव हो रहा है। इसलिए एजेंसियों का करार रद्द कर काली सूची में डाली जाए। सफाई व्यवस्था में सुधार हो रहा है ^सफाई व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव के लिए एजेंसी की टीम सीटी बजाकर लोगों से कचरा मांगती है। महापुरुषों की प्रतिमा की सफाई हर दिन नहीं होती है, लेकिन खास मौके पर सफाई की जाती है। - विनय कुमार यादव, पीआरओ, निगम

संक्षिप्त डायरी

लोकसभा चुनाव की तैयारी, इलेक्शन कमीशन की टीम पहुंची पटना

पटना। लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू है। आयोग की चार सदस्यीय टीम पटना दौरे पर है। बिहार के 23 जिलों के डीएम के साथ होटल लेमन ट्री होटल में बैठक शुरू हुई है। इस मीटिंग में बिहार निर्वाचन विभाग के सीईओ एचआर श्रीनिवास के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की 4 सदस्यीय टीम गुरुवार देर शाम पटना पहुंची थी। टीम में सचिव सुजित कुमार मिश्रा, अवर सचिव नरेश कुमार, देवेश कुमार और सीनियर डीईसी डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा शामिल हैं। गुरुवार की शाम आयोग की पटना एयर पोर्ट पहुंची। पटना प्रोटोकॉल ऑफिसर ने स्वागत किया। मीटिंग में पटना, नालंदा, रोहतास, बक्सर, कैमूर, गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद, अरवल, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, शिवहर, पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चंपारण, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, सारण, सीवान और गोपालगंज जिला निर्वाचन पदाधिकारी शामिल हैं। बिहार चुनाव विभाग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एच.आर. श्रीनिवास समेत अन्य अफसर मौजूद है। बैठक में वोटर लिस्ट रिवीजन पर विशेष चर्चा की जा रही है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में कराए जा रहे मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त रिवाइज्ड किया जा रहा है। आयोग की टीम के समक्ष प्रेजेंटेशन दिया जा रहा है। इधर, निर्वाचन विभाग ने सभी जिला अधिकारियों से तैयारी को लेकर कहा है कि वे अपना पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन मंगवाया था। पहले चरण के दौरे में टीम तीन दिन तक यहां रुकी थी। निर्वाचन आयोग की टीम राज्य निर्वाचन विभाग के साथ समीक्षा बैठक की थी। आयोग की टीम ने 16 अक्टूबर को भागलपुर, मुंगेर, कोसी और पूर्णियां प्रमंडल के अधिकारी के साथ बैठक की थी। जिसमें भागलपुर, बांका, मुंगेर, बेगूसराय, जमुई, खगड़िया, लखीसराय, शेखपुरा, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णियां, कटिहार,अररिया और किशनगंज डीएम थे।

नशा शराब में होता नाचती है बोतल, मुखिया ने लगाए ठुमके

बांका । बभनगामा पंचायत के मुखिया दिगंबर मंडल का बार-बाला के साथ ठुमके लगाते एक वीडियो सामने आया है। मुखिया की फेसबुक आईडी से गुरुवार को ये वीडियो अपलोड किया गया है। अमिताभ बच्चन के फेमस सॉन्ग नशा शराब में होता है तो नाचती है बोतल गाने पर खूब ठुमके लगाए हैं। बताया गया कि दशमी के दिन दुर्गा पूजा के अवसर पर बाराहाट थाना क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। बभनगामा पंचायत के मुखिया दिगंबर मंडल दुर्गा पूजा के अवसर पर हो रहे कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो मुखिया सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि मुखिया बार-बालाओं के साथ जमकर ठुमके लगा रहे हैं। हाथ में पानी की बोतल लेकर डांस पोज दे रहे हैं। हालांकि बिहार में शराबबंदी है। उसके बाद भी मुखिया नशा शराब में होती है तो नाचती है बोतल के गाने पर जमकर ठुमके लगाते हुए दिख रहे हैं। बता दें कि बिहार के नंबर वन आदर्श मुखिया के रूप में दिगंबर मंडल को पुरस्कृत किया गया था। मुखिया दिगंबर मंडल ने बताया कि पूर्व से मेरी पहचान रंगमंच से ही है। पहले भी कई दफा नाटक में महिला कलाकार के रूप में अभिनय कर चुका हूं। आज लोग रंगमंच से दूर भाग रहे हैं। कहा कि दुर्गा पूजा के अवसर पर संस्कृत कार्यक्रम में दर्शकों के विशेष अनुरोध पर शालीनता पूर्वक का कलाकार होने के नाते अपने अभिनय का प्रदर्शन किया है। इसमें कहीं से भी कोई फूहड़ता नहीं है। भले ही गाने का बोल कुछ भी रहा हो मैं एक कलाकार के नाते कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचा था।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

भोजपुर। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बिहिया - बेलवानियां सड़क के तेघरा मोड़ के समीप से लगभग 12 किलो गांजा तथा मोबाइल फोन के साथ एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर बिहिया थाना क्षेत्र संडौर गांव निवासी स्व काशीनाथ ओझा का पुत्र कृष्णकांत ओझा उर्फ कृष्ण कुमार ओझा है।पुलिस के पूछताछ में तस्कर ने कई तस्करी से जुड़े कई जानकारी दी है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।तस्कर की गिरफ्तारी और उसके द्वारा दिए गए क्लू के आधार पर पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का पदार्फाश होने की उम्मीद है। एसडीपीओ जगदीशपुर राजीव चंद्र सिंह ने बताया की सूचना मिली कि तेघरा मोड़ के समीप बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी हो रही है।

सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में बिहिया थाना के पुलिस बल के साथ एक विशेष टीम गठित कर तस्करों की गिरफ्तारी हेतु जाल बिछाया गया। इस दौरान पुलिस को बैग लिए एक व्यक्ति आते दिखा जिसे टीम धरझदबोचा। तलाशी लेने पर बैग में तीन पैकेट में रखा हुआ गांजा बरामद किया गया।पुलिस ने तस्कर के पास से एक मोबाइल भी जब्त किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में तस्कर कई क्लू दिए है जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।बताया कि तस्कर कहां से गांजा ला रहा था और कहां डिलीवरी देना था ।इसकी जानकारी दी है । कहा कि तस्करी के मुख्य सरगना के रूप में बिहिया थाना क्षेत्र के मखदुमपुर गांव निवासी गुड्डू सिंह का नाम आ रहा है जिसे एक दिन पहले गांजा तस्करी के मामले में दिल्ली के फरीदाबाद की पुलिस गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है।गुड्डू सिंह के खिलाफ 2015 में बिहिया थाना में भी मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में केश दर्ज हुआ था।पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क को खंगालने में लगी हुई है।

लूट के दौरान एक बदमाश ने दूसरे को मारी गोली, मौत

नवादा । सीएसपी कर्मचारी से लूट की कोशिश की गई। इसमें एक बदमाश ने दूसरे बदमाश को ही गोली मार दी। लूट के दौरान एक बदमाश पिस्टल ताने था। दूसरा बैग छीनने की कोशिश करने लगा। तभी पहले वाले ने सीएसपी कर्मचारी पर गोली चला दी। गोली उसके कंधे को छूती हुई पीछे खड़े बदमाश को जा लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। मृतक युवक की पहचान जमुई जिला के खड़कपुर गांव के चंदू यादव के बेटे आशीष कुमार(29) यादव के रूप में हुई है। मामला कौआकोल थाना क्षेत्र के कदहर-चन्द्रदीप पास का है। मृतक के चचेरे भाई अजय कुमार ने बताया कि आशीष कुमार की शादी 3 महीने पहले ही हुई थी। शादी के एक महीने बाद वह अहमदाबाद में ट्रक चलाने गया था। जिसके एक महीने बाद ही वो अपने गांव लौट गया था। गुरुवार को उसने घर में कहा कि बुआ के घर जा रहे हैं। घर से वह 12 से 1 बजे के करीब निकला था। देर शाम सूचना मिली की उसकी गोली मारकर हत्या की गई है। जब हम थाना पहुंचे तो पुलिस ने बताया कि लूट की घटना को अंजाम दे रहे थे। इस दौरान उसे गोली लगी है। वो इस तरह का लड़का नहीं है। हमारे पूरे परिवार में किसी का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। घटनास्थल से (खड़कपुर) से उसके बुआ की घर लगभग 20 किलोमीटर है। घायल सीएसपी संचालक नंदलाल रविदास ने बताया कि वो कलेक्शन का पैसा लेकर घर लौट रहा था। बीच सड़क पर दो लोगों ने गाड़ी रोकी। पहले मोबाइल छीना और फिर कैश वाला बैग छीनने की कोशिश करने लगे। मैंने जब इसका विरोध किया तो गोली चला दी। मेरे कंधे पर एक गोली लगी है और मेरे पीछे खड़े एक अपराधी को भी गोली लगी थी, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डीएसपी महेश कुमार चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से दो देसी कट्टे बरामद किए गए हैं। वहीं लूटपाट के दौरान सीएसपी संचालक के भी कंधे में गोली लगी है। जिसका इलाज जारी है। मृतक का आपराधिक इतिहास का कंगाल जा रहा है।

भीषण अगलगी में 10 घर जले

पूर्णिया । के.नगर थाना क्षेत्र के वार्ड 3 में बीती रात भीषण आग लग गई। इस भीषण अगलगी में 10 घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए। इस हादसे में एक मवेशी की झुलस कर मौत हो गई है, जबकि 8 लाख से अधिक का नुकसान है। अगलगी में लोगों के घर में रखा सारा सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया है। समूचे घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आग की भयावह लपटों को साफ देखा जा सकता है। घटना की सूचना पाकर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। अगलगी में ग्रामीणों के माल और मवेशी तक

झुलस गए। पवन मेहता, प्रदीप मेहता, संतोष मेहता, दयानंद पंडित, अनिल पंडित, सुशील कुमार, अखिलेश मेहता, अवधेश मेहता शामिल हैं। इस भीषण आगलगी में केनगर प्रखण्ड के पोठिया रामपुर पंचायत के वार्ड 3 के करीब 10 घर जलकर खाक हो गए। पीड़ित अनिल पंडित और सुशील कुमार ने बताया कि रोजाना की तरह रात का खाना खाकर गांव के आधे से अधिक लोग अपने -अपने घरों में सो चुके थे। कि तभी घर के बाहर से कुछ लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जिसके बाद वे घर से बाहर निकले तो पड़ोस के घर से आग की तेज लपटें उठ रही थी। आपसी सहयोग से ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की हर संभव कोशिश की। मगर आग की लपटें इतनी तेज थी, कि आग और भड़कती चली गई। इस भीषण अगलगी में 10 घरों को मिलाकर 5 लाख का नुकसान हो गया। साथ ही एक मवेशी के भी झुलसकर मरने की सूचना है। हालांकि आग कैसे और क्यों लगी इसका स्पष्ट तौर पर अब तक कुछ भी पता नहीं चल पाया है।

दीपावली से पहले गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

पटना। बिहार के सभी जिलों का मौसम अगले कुछ दिनों तक शुष्क बना रहेगा। प्रदेश के सभी हिस्सों से 17 अक्टूबर को मानसून की विदाई हो चुकी है। उसके बाद 18 अक्टूबर से हवा का रुख बदला और सुबह और शाम में हल्की ठंड महसूस होने लगी। साथ ही सुबह में धुंध भी देखी जा रही है। इस बार दीपावली से पहले ही हल्की ठंड ने दस्तक दे दी है। मानसून के वक्त हवा बंगाल की खाड़ी से नमी साथ लेकर आ रही थी। इसके प्रभाव से बारिश हुई। लेकिन, मानसून की पूरी तरह विदाई के बाद हवा का रुख बदला और उत्तरी पश्चिमी हवा बहने लगी। अभी उत्तरी पश्चिमी हवा चल रही है, जो राजस्थान से आ

रही है। ये हवा हल्की ठंडी और ड्राई होती है। इसलिए लोगों को सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार जब तक न्यूनतम तापमान दो अंको में रहता है तब तक ठंड नहीं माना जाता है। इस बार दिसंबर के बीच शीतकालीन संक्रांति से ही पूरी तरह ठंड पड़ने की संभावना है। अभी अगले चार दिन तक प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस अवधि में उसे ठंड नहीं माना जाता। मौसम विभाग के मुताबिक 20 दिसंबर के बाद से ठंड पूरी तरह से दस्तक देगा। प्रदेश के अधिकांश भागों में सुबह और शाम के समय धुंध छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में पछुआ एवं उत्तर पछुआ हवा का प्रवाह सतह से 5.1 किमी ऊपर तक बना हुआ है। इसके प्रभाव से राज्य में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क बने रहने का पूवार्नुमान है।

जेल से फोन कर नेताओं की पैरवी करते थे लालू प्रसाद यादव

बोले-अखिलेश के लिए सोनिया से मैंने बात की, बीजेपी ने कहा-जेल नियम तोड़े

पटना । कांग्रेस कार्यालय मुख्यालय आश्रम में श्रीकृष्ण सिंह की जयंती समारोह में चीफ गेस्ट बने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने जेल के राज खोले। उन्होंने कहा बताया कि कैसे जेल में रहते हुए अखिलेश सिंह (कांग्रेस बिहार अध्यक्ष) को एमपी बनवाने के लिए रांची की जेल से सोनिया गांधी और अहमद पटेल से पैरवी की थी। फोन पर इन नेताओं से संपर्क किया था। लालू के बयान आने के बाद बीजेपी हमलावर है। बीजेपी ने कहा कि लालू ने जेल नियम तोड़े। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की संज्ञान ले। कार्यक्रम गुरुवार को था। खुद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अखिलेश सिंह ने लालू यादव की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़ें। उन्हें राहुल गांधी और सोनिया गांधी का लाडला भी बताया। इतना ही नहीं, लालू प्रसाद को सोने की मुकुट पहनाकर भी खुश किया गया। यहां तक कि कांग्रेस के एक सह प्रभारी ने लालू प्रसाद को तो बिहार का ही पिता घोषित कर दिया। अब बारी थी लालू के संबोधन की। अपने संबोधन में लालू ने ये बताने की कोशिश की वे किस तरह से राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे अखिलेश सिंह के लिए जेल से सोनिया गांधी सहित अन्य नेताओं से पैरवी करते थे। लालू यादव ने माना कि जेल से ही वे फोन के जरिए सोनिया गांधी और अहमद पटेल जैसे नेताओं के संपर्क में रहते थे। लालू प्रसाद

यादव की नजदीकी अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ वर्षों पुरानी है। अखिलेश सिंह को जब बिहार कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, तभी यह कहा गया था कि कांग्रेस एक बार फिर से लालू प्रसाद के इशारे पर चलेगी। अखिलेश प्रसाद सिंह ने श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के कार्यक्रम में लालू प्रसाद को उद्घाटनकर्ता बनाया। अपने संबोधन के दौरान लालू प्रसाद ने अखिलेश सिंह पर किए राजनीतिक एहसान की कहानी मंच से सुना दी। बताया कि भूमिहार-प्रेम से किस तरह से भरे-पूरे हैं। उन्होंने बताया कि जब वे रांची में चारा घोटाले मामले की सजा काट रहे थे, तब उन्होंने सोनिया गांधी और अन्य नेताओं से फोन पर बात की और अखिलेश सिंह को जबरदस्ती राज्यसभा सदस्य बनाया। बीजेपी ने इस मामले को लेकर घेराबंदी शुरू कर दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह ने कहा है कि राजद सुप्रीमो के बयान से साबित होता है कि कांग्रेस उनकी जेब की पार्टी है। उन्होंने खुद जेल नियम को तोड़ने की बात कबूल की है। इस मामले में कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। लालू प्रसाद ने मंच से कहा- जब हम रांची जेल में थे तब अखिलेश किसी दूसरे के लिए मेरे पास आए थे। तब मैंने उनसे कहा- तुम ही बन जाओ। लालू ने बताया कि उन्होंने जेल से ही सोनिया गांधी को फोन किया। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को फोन किया। अहमद भाई को फोन किया कि अखिलेश सिंह को डिक्लेयर कीजिए। अखिलेश अभी वही राज्यसभा सांसद के रूप में हैं। बता दें लालू प्रसाद मंच से जिस जमाने की कहानी सुना रहे थे, वह दौर अप्रैल 2018 का है, जब अखिलेश प्रसाद सिंह राज्यसभा के लिए चुने गए थे। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा के बोलने की बारी आई तो उन्होंने लालू प्रसाद के मिशन तेजस्वी के खिलाफ ही बोलना शुरू कर दिया। अनिल शर्मा कांग्रेस के उन नेताओं में रहे हैं, जो गठबंधन के खिलाफ रहे हैं। कांग्रेस को बैसाखी की जरूरत न पड़े, इसके पैरोकार रहे हैं। अनिल शर्मा ने कहा कि आज जो माहौल है, उसमें कांग्रेस से कैसे कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सकता है? वह भी उस जाति से आने वाला जिसकी संख्या नगण्य है, लेकिन मुझे याद आता है। 1996 में लालू प्रसाद दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने मुझे बुलाकर खिड़की के पास बैठा लिया। बीच में लखनऊ उतरे। किसी से मिलने के बाद कहा- मैं खिड़की की तरफ बैठूं? मैंने उनसे कहा- आप मुख्यमंत्री की कुर्सी मुझे दे रहे हैं..लालू प्रसाद ने कहा- मुख्यमंत्री कोई व्यक्ति थोड़े बनाता है ये तो भगवान बनाते हैं। मैंने कभी सोचा था कि राज्य का मुख्यमंत्री बनूंगा? उसी तरह जाति बिरादरी की संख्या जैसी भी हो, पार्टी की स्थिति जैसी भी हो, हो सकता है श्री बाबू का आशीर्वाद मिलेगा और अखिलेश प्रसाद सिंह राजनीति की आधी दूरी भी पूरी करेंगे और मुख्यमंत्री बनेंगे। ऐसी मैं कामना करता हूं। अजय कपूर बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी हैं। उन्होंने कार्यक्रम में लालू प्रसाद की जमकर तारीफ की। यहां तक कह दिया कि लालू प्रसाद देश के नेता हैं। उन्हें मैं बिहार के नेता के रूप में नहीं बल्कि पूजनीय लालू जी को पिता के रूप में मानता हूं।

सुपौल के छातापुर में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम समाप्त

सुपौल । छातापुर में भाजपा द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के समापन पर समारोह का आयोजन किया गया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान छातापुर दक्षिणी एवं उत्तरी मंडल अंतर्गत सभी 23 पंचायत से संग्रहित कर लाई गई मिट्टी को एकत्रित कर विधायक द्वारा तमघैल में रखा गया।

विधायक नीरज बबलू द्वारा उपस्थित लोगों को पीएम नरेंद्र मोदी के संदेश की जानकारी देते हुए पंच शपथ दिलाई गई। मौके पर विधायक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा शहीदों के सम्मान में यह अभियान चलाया गया है। प्रत्येक पंचायत के घर-घर से मिट्टी संग्रहित करने की जिम्मेदारी खास कर युवा मोर्चा को दी गई थी। विधानसभा क्षेत्र से संग्रहित मिट्टी को एक तमघैल में भर दिया गया है। इस मिट्टी को पहले पटना स्थित स्मारक पर जमा कर फिर उसे दिल्ली स्थित राजपथ ले जाया जाएगा। कहा कि आजादी का अमृत काल में शहीदों के सम्मान में पीएम मोदी द्वारा यह कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किया गया है। केंद्र सरकार देश के शहीदों को उचित सम्मान दे रही है। मौके पर भाजपा के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर बुलाकर दोस्त को मारी गोली

घर वाले बोले- घर से बुलाकर ले गया था, शराब पार्टी के बाद मार दी गोली

बेगूसराय । दोस्त ने दोस्त को घर बुलाकर गोली मार दी। घायल को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भर्रा स्थित दियारा की है। घायल युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भर्रा गांव के रहने वाले गुलशन कुमार पासवान के रूप में की गई है।

परिजनों ने बताया कि गुरुवार की रात दोस्त पिंकेश कुमार घर पर आया और गुलशन कुमार को बुलाकर ले गया। उन्होंने बताया कि पिंकेश और गुलशन दोनों दोस्त मिलकर पहले शराब पार्टी की। उसके बाद पिंकेश ने अपने ही

दोस्त गुलशन कुमार को जान मारने की नीयत से गोली मार दी। गुलशन काफी देर तक तक जब घर नहीं लौटा तो खोजबीन की गई। पता चला कि पिंकेश कुमार के द्वारा गुलशन कुमार को जान मारने की नीयत से गोली मारकर घायल अवस्था में दियारा में छोड़ दिया है। आनन फानन में परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर घायल अवस्था में उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस पूरे मामले की जांच चल रही है। थाना अध्यक्ष सुदीन राम ने बताया है कि परिजनों के द्वारा बताया गया है कि दोस्त ही घर से बुलाकर ले गया और उसे गोली मारकर घायल कर दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

वैदिक काल से श्री अन्न का महत्व: सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ । श्री अन्न का महत्व वैदिक काल से रहा है। भविष्य में भी जब दुनिया खाद्यान संकट का सामना करेगी तो श्री अन्न की उपयोगिता बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश श्री अन्न के उत्पादन का केंद्र बन सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्यस्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के शुभारंभ समारोह के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने इससे पहले तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए श्री अन्न उत्पादकों की ओर से लगाये ये प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल ने हमें बड़ा सबक दिया है, हम जितना कृत्रिम जीवन जीने का प्रयास करेंगे महामारियां हमें उतना ही परेशान करेंगी। हमें प्राकृतिक वास और जीवनशैली को अपनाना होगा और उसमें श्री अन्न बहुत ही सहायक होगा। इसकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान के लिए कार्य कर रही उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् के 34वां स्थापना दिवस पर अगले तीन दिन तक श्रीअन्न महोत्सव का आयोजन हो रहा है। ये महोत्सव यूपी के किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का माध्यम बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सदी के छठे और सातवें दशक तक बड़ी मात्रा में मोटे अनाज का उत्पादन होता था। ये हमारे दैनिक जीवन का अंग था। मगर बढ़ती आबादी की आवश्यक्ता और इस दिशा में शोध और अनुसंधान की गति थमने के कारण इसका उत्पादन कम होता गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारा देश खाद्यान आत्मनिर्भरता में बहुत आगे बढ़ चुका है, मगर इसके साइड इफेक्ट भी पड़े हैं। केमिकल फटीर्लाइजर के अत्यधिक उपयोग से तमाम रोग बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न का उत्पादन कम पानी वाले क्षेत्रों में भी होता है। हमें इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए इस दिशा में व्यापक पैमाने पर शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है। ये खुशी की बात है कि आज हर परिवार में श्री अन्न का किसी ना किसी रूप में प्रयोग होना शुरू हो गया है। अब इस दिशा में व्यापक रूप से प्रयास प्रारंभ हुआ है। आज मिलेट्स से नये-नये उत्पाद बनाना शुरू हो गये हैं। ये पौष्टिक होने के साथ ही खाने में भी स्वादिष्ट होते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 तक कृषि विज्ञान केंद्रों की हालत खराब थी। आज इनमें नई प्रतिस्पर्धा शुरू हुई है। इसमें कृषि विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका है। प्रदेश के तीन करोड़ किसानों के लिए बेहतरीन शोध संस्थानों से अच्छी क्वालिटी के बीज उपलब्ध कराने के लिए तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने ऑर्गेनिक प्रोडकट के सर्टिफिकेशन के लिए हर कृषि विज्ञान केंद्र और कषि विश्वविद्यालय में लैब की स्थापना करने के लिए भी कहा। सीएम योगी ने बताया कि सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है और इसमें गोवंश बहुत बड़ी भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान श्रीअन्न के क्षेत्र में कार्य करने वाले 35 कृषक उत्पादक संगठनों को सम्मानित किया। इसके अलावा प्रदेश के पांच कृषि विज्ञान केंद्रों (झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर और गाजीपुर) को मिलेट्स प्रसंस्करण संयंत्र के लिए 95-95 लाख की सहायता प्रदान की गई। साथ ही जिन कृषक उत्पादक संगठनों ने अधिक से अधिक किसानों को मिलेट्स फार्मिंग के लिए प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया।

संक्षिप्त डायरी

दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

संवाददाता

धामपुर। महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के सहयोग से दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर नहटौर रोड सुमंगलम फार्म हाउस में लगाया गया शिविर का उद्घाटन प्रदीप अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री माता राम जी के द्वारा किया गया । शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर आदित्य अग्रवाल सर्जन व अनिल दास फिजिशियन ने लगभग 180 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाइयां वितरण की व सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई। शिविर में "पॉलिथीन मुक्त नगर अपना "अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी ₹10 सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में साहिल ,अखिलेश शर्मा, नन्हे कुमार, मोहित कुमार ,रजनीश शर्मा, आदित्य पांडे ,संकेत अग्रवाल , दिनेश चंद्र नवीन, अशोक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अमित गुप्ता,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

उप जिलाधिकारी प्रतिभा सिंह के निर्देश पर नायाब तहसीलदार ने अवैध प्लाटिंग पर चलाया बुलडोजर

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा सदर तहसील की उप जिलाधिकारी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह द्वारा खनन माफिया और अवैध फ्लोटिंग करने वाले भू माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। आपको बता दे कि उससे पहले 5 दिन पूर्व उप जिलाधिकारी प्रतिभा सिंह के निर्देश पर नायाब तहसीलदार योगेश कुमार और दीपक कुमार द्वारा अवैध खनन करते हुए खनन माफिया की मिट्टी से भरी ट्राली वह अन्य उपकरण बरामद कर कड़ी कार्रवाई की गई थी। जिसके बाद उप जिलाधिकारी की इस बड़े कार्यवाही से खनन माफिया में हड़कंप तो मचा ही है वही आज भू माफियाओं द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग पर भी बुलडोजर चला है। आज उप जिलाधिकारी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह के निर्देश पर तहसील अमरोहा क्षेत्र के गांव अकबरपुर पट्टी रोड स्थित बागों में बड़े पैमाने पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को नायाब तहसीलदार योगेश कुमार ने जेसीबी चलाकर ध्वस्त कराया है। हालांकि उप जिलाधिकारी की बड़ी कार्यवाही द्वारा भू माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। इसी के साथ उप जिलाधिकारी का कहना है कि अवैध लोडिंग कर रहे भूमिया के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

बैठक में वोटर चेतना अभियान, पीएम के मन की बात, अजा सम्मेलन पर चर्चा

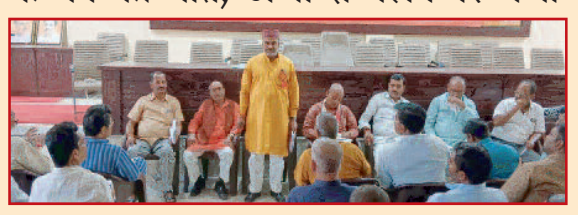

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष दूर्गेश राय की अध्यक्षता में सांगठनिक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें वोटर चेतना अभियान, प्रधानमंत्री के मन की बात और अनुसूचित जाति सम्मेलन की पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दूर्गेश राय ने कहा कि रविवार 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सभी बूथों पर सुना जाएगा और इसी दिन सभी बूथों पर मतदाता सूची का अध्ययन करना है और मतदाता सूची में शामिल अवैध नाम और ऐसे पात्र मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है उनकी सूची बनाकर सम्बन्धित फार्म (फार्म 7 या 6) भरकर निर्वाचन आयोग के बीएलओ से अथवा आई टी विभाग के कार्यकताओं से आनलाइन आवेदन पत्र जमा कर मतदाता सूची को दुरुस्त करना है। उन्होंने कहा कि आगामी 3 नवम्बर को गोरखपुर के चम्पा देवी पार्क में क्षेत्रीय अनुसूचित सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें कुशीनगर जिला से 15 हजार लोगों को लेकर जाना है। जिसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि अभी से लोगों को लेकर जाने वाले स्थान और वाहनों की सूची तैयार कर लें सुव्यवस्थित तरीके से लोगों को रैली स्थल तक ले जाने और और वापस उनके घर पहुंचाने में कोई असुविधा न हो।इस अवसर पर जिला महामंत्री सन्तोष दत्त राय सुदर्शन पाल राणा प्रताप राव जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल मनोज जायसवाल रमेश सिंह विनोद भारती, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल रामगोपाल गुप्ता अतुल श्रीवास्तव बाबूनन्दन सिंह बलिराम यादव रामसागर कुशवाहा डॉ सीमा गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य सोशल मीडिया जिला संयोजक शुभम दीक्षित, वोटर चेतना अभियान जिला सह संयोजक मार्कण्डेय शाही , धन्नजय तिवारी द्वितीय, मार्कण्डेय दूबे,अमित पाण्डेय, डॉ टी एन राव,विवेक शुक्ला, दीपक सिंह आदि मौजूद थे।

स्व. सूबेदार मुसाफिर अली प्रदेश स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2 अक्टूबर से

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आगामी 2 अक्टूबर को बुद्ध इंटर कालेज कुशीनगर के प्रांगण मे आयोजित होने वाले स्व. सूबेदार मुसाफिर अली प्रदेश स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के अवसर पर सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकलेगी। उक्त जानकारी स्व. सूबेदार मुसाफिर अली संस्थान कुशीनगर के संरक्षक अजहर अली ने एक विज्ञप्ति में दी है। प्रतियोगिता में लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, गाजियाबाद की टीमें भाग लेगी। विजयी टीम को सेना कप से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत दो नवम्बर को प्रातः 8: 00 बजे से तिरंगा यात्रा कुड़वा दिलीप नगर से कसया नगर होते हुए बुद्ध इंटर कालेज कुशीनगर के क्रीडांगन में पहुंचेगी जहां शहिद सैनिकों को श्रद्धांजलि व पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा।

विधायक जी का जूते पहन कर दीप प्रज्वलित करते फोटो वायरल

संवाददाता

हापुड़ । 26अक्टूबर को गढ़ रोड मनोहर रिजेंसी मैं मेरी माटी मेरे देश के कार्यक्रम का आयोजन किया गया !जहाँ मुख्य अथिति के रूप मैं पहुँचे जनरल वी के सिंह के साथ समस्त जिला अधिकारी थे !वहीं आपको बतादें की अतिथियों मैं हापुड़ सदर विधायक विजय पाल आढ़ती भी उपस्थित थे जिनका एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें विधायक विजयपाल आढ़ती सरस्वती देवी की मूर्ति का जूता पहन कर दीप प्रजवलित करते नजर आ रहे हैं !मिली जानकारी के अनुसार स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रोग्राम भी किया !जिसमें जिले के सभी अधिकारीगण मौजूद रहे।

अल्पसंख्यकों व अनुसूचित जातियों तक औद्योगिक प्रशिक्षण का लाभ पहुंचाने पर योगी सरकार का फोकस

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार प्रदेश में अल्पसंख्यक व अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश के अल्पसंख्यक व अनुसूचित जातीय बाहुल्य विकास खंडों में भी विकास को गति देने और इन क्षेत्रों मं औद्योगिक व कौशल विकास पर भी लक्ष्य केंद्रित कर रही है। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर्स को अपडेट कर उन्हें मॉडर्न फैसिलिटीज से लैस करने की कार्ययोजना को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, उत्तर प्रदेश सरकार ने नानपारा (बहराइच), सिकंद्राबाद (बुलंदशहर), छानबे (मिजार्पुर) व जेवर (गौतमबुद्ध नगर) में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नई कक्षाएं, थ्योरी कक्षों व मीटिंग हाल समेत कई महत्वपूर्ण निर्माण व मरम्मत कार्यों को पूर्ण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छानबे (मिजार्पुर) व जेवर (गौतमबुद्ध नगर) के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातीय उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत कुल 2.65 करोड़ रुपए की धनावंटन की प्रथम किस्त को स्वीकृति दी है। वहीं, नानपारा (बहराइच), सिकंद्राबाद (बुलंदशहर) के अल्पसंख्यक बाहुल्य विकास खंडों व अन्य क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में कुल 3.37 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटन को प्रथम किस्त के तौर पर स्वीकृति दे दी है। इस प्रकार, कुल 6.02 करोड़ रुपए की धनराशि योगी सरकार द्वारा चारों क्षेत्रों के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में निर्माण व सुधार कार्यों के लिए प्रथम किस्त के तौर पर जारी कर दी गई है। चारों ही क्षेत्रों में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में निर्माण कार्यों को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ (यूपीआरएनएसएस) व ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा फंड्स उपलब्ध कराए गए हैं। इन कार्यों को मुख्यतः दो चरणों में पूर्ण किया जाना है। इन कार्यों के लिए कुल मिलाकर 11.9 करोड़ रुपए की लागत राशि निर्धारित की गई है। इसी क्रम में पहली किस्त के तौर पर 6.02 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इन संस्थानों के जरिए प्रशिक्षुओं तक उन्नत सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कई प्रकार के निर्माण व शैक्षणिक कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य तौर पर पहली किस्त के तौर पर प्राप्त धनराशि के जरिए कैंपसों में विभिन्न कक्षों का निर्माण, स्मार्ट क्लासेस की स्थापना, कार्यशाला व सैद्धांतिक कक्ष का निर्माण, आईटी लैब, मीटिंग हॉल, चाहरदीवारी, मुख्य गेट, गार्ड रूम, इंटरलॉकिंग रोड, सी.सी रोड व प्रशासनिक भवन में मरम्मत समेत कई प्रकार के निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा, बची हुई धनराशि का इस्तेमाल कार्यशालाओं के आयोजन समेत अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में होगा। सभी निर्माण कार्यों को वित्तीय वर्ष 2023-24 के मध्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश प्रशिक्षण व सेवायोजन विभाग के निदेशक के मार्गदर्शन में सभी कार्यों को उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार पूर्ण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण भी उत्तर प्रदेश प्रशिक्षण व सेवायोजन विभाग के निदेशक की अध्यक्षता में किया जाएगा।

सास ने 8 महीने की गर्भवती बहू को मार डाला: सिर पर सिलबट्टा मारा

सहारनपुर । एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 55 साल की सास ने 8 महीने की गर्भवती बहू की सिल बट्टा मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद सास ने बहू के मायके वालों को फोन किया। कहा कि सीढ़ी से गिरकर घायल हो गई है। अस्पताल ले जा रही हूं। हालांकि, पुलिस ने मौके पर जांच की तो मामला संदिग्ध निकला। इसके बाद सास को गिरफ्तार कर लिया। सास ने गुनाह कबूल कर लिया। कहा कि गुस्सा आ गया था। इसलिए, सिर पर सिल बट्टा फेंककर मार दिया। पूरी घटना बुधवार शाम बड़गांव की है। वारदात के वक्त घर में सास रेखा और बहू स्वाति (35) थी। जबकि बेटा हरिओम बाहर था। इसी दौरान सास-बहू के बीच में विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो सास ने बहू के सिर पर सिल बट्टा मार दिया। बहू अचेत होकर गिर गई तो सास घबरा गई। उसने तुरंत मोहल्ले के लोगों को बुलाया। कहा कि बहू सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गई है। आस-पास के लोगों ने बेटे को यह जानकारी दी। पत्नी के घायल होने की सूचना मिलते ही बेटा भागता-दौड़ता मौके पर पहुंचा। वह पत्नी को पहले मुजफ्फरनगर ले गया। वहां डॉक्टरों ने उसको मेरठ के लिए रेफर कर दिया। मेरठ में ही इलाज के दौरान बहू स्वाति की मौत हो गई। इस दौरान स्वाति के परिजन भी मेरठ पहुंच गए। मुजफ्फरनगर के थाना छपार के गांव महरायपुर के रहने वाले सुशील ने डेढ़ साल पहले बेटी स्वाति (32) की शादी जड़ौदापांडा गांव में हरिओम के साथ की थी। हरिओम की मां रेखा का स्वाति से अक्सर किसी न किसी बात पर झगड़ा होता रहता था। पिता सुशील का आरोप है कि हरिओम मां रेखा जादू-टोना करने में विश्वास रखती है।

महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन

संवाददाता

धामपुर। धर्म नगरी धामपुर की अग्रणी समाज सेवी संस्था अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से गुरुवार की देर शाम महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन किया गया। सुमगंलम फार्म हाउस नहटौर रोड धामपुर में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन मे जनपद बिजनौर सहित मुरादाबाद बरेली अमरोहा आदि जनपदों के वैश्य परिवारों ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में पहुंचे अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री गिरीश बंसल, भारत भूषण गुप्ता, प्रदेश महामंत्री महिला प्रकोष्ठ पारुल गुप्ता, महेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष , महेश अग्रवाल जिला प्रभारी मुरादाबाद,एस के बबली एडवोकेट अध्यक्ष बार एसोसिएशन बिजनौर आदि। मुख्य अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन एवं कुलदेवी महालक्ष्मी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथियों एवं मुख्य वक्ताओं के रूप में समूची वैश्य समाज का आवाहन किया कि बह प्रत्येक स्तर पर संगठनात्मक शक्ति एवं एकजुटता को बनाए रखने का संकल्प ले। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन के प्रमुख सिद्धांत एक रूपए एक ईंट की मॉडल प्रतियोगिता भी की गई तथा अन्य प्रतियोगिता भी की गई तथा डांडिया कार्यक्रम भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालो को अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन संस्था की ओर से उपहार देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री डॉक्टर आदित्य अग्रवाल , जिला अध्यक्ष अंकुर गोयल,दिनेश चंद्र नवीन, सचिन अग्रवाल, डॉक्टर मोनिका अग्रवाल, प्रदेश मंत्री युवा मोदी गुप्ता, धामपुर नगर अध्यक्ष डॉ अमित गुप्ता, अंकुर गोयल, अतुल गुप्ता, पंकज अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ,संतोष अग्रवाल, महेंद्र धनौरिया पिंटू अग्रवाल ,संजय अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, कृष्णकांत गुप्ता ,डॉक्टर सलाह अग्रवाल ,आलोक जैन ,पंकज जैन, सुगम जैन ,बृजमोहन गुप्ता, वीरेश गुप्ता ,वीरेश अग्रवाल ,आदेश अग्रवाल, डॉक्टर रंजन अग्रवाल ,कृष्णकांत गुप्ता, कुलभूषण माहेश्वरी ,गोपाल महेश्वरी ,संजीव अग्रवाल, सुभाष मोदी, संजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल,नरेंद्र अग्रवाल, बृजमोहन गुप्ता डॉ अमित गुप्ता ,अशोक अग्रवाल ,पारस अग्रवाल,आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय पैसे महासम्मेलन के प्रदेश मंत्री एवं समाजसेवी एवं डॉ, आदित्य अग्रवाल ने किया

एडीओ पंचायत नितिन जैन संभाला चार्ज

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के विकासखंड जोया के तेज तर्रार एडीओ पंचायत नितिन जैन ने 12 अक्टूबर सन 2023 को चार्ज ग्रहण कर लिया है। उससे पहले वह जिला गाजियाबाद के ब्लॉक लोनी में कार्यरत थे। साथ ही उससे पहले ब्लॉक भोजपुर में रहकर अपनी सेवाएं प्रदान की थी। वहीं शासन के निर्देश पर 12 अक्टूबर सन 2023 को एडीओ पंचायत नितिन जैन का तबादला ब्लॉक लोनी जिला गाजियाबाद से जिला अमरोहा के विकासखंड जोया में किया गया। जो कि विकासखंड जोया में एडीओ पंचायत के पद पर कार्यरत हैं। हालांकि उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिरते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता ही हमारी प्राथमिकता है। हालांकि उन्होंने कहा है की उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जो भी योजनाएं गरीब लोगों के लिए चलाई जा रही हैं। सरकार की उन छोटी बड़ी योजना का लाभ गरीब लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने बताया है कि पंचायत सहायकों को कड़े निर्देश दिए हैं कि सभी पंचायत सहायक सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अपने कार्यालय में रहकर लोगों की जन समस्याओं का निवारण करें। जिससे कि गरीब लोगों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेने के लिए ब्लॉक व सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि यदि कोई भी पंचायत सहायक अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने डेंगू बुखार के कहर को देखते हुए सभी ग्राम पंचायत के सफाई कर्मचारियों से ग्राम पंचायत की साफ सफाई करने के कड़े दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लगातार डेंगू और बुखार का कहर बढ़ता चला जा रहा है। हालांकि बीमारी से बचने के लिए सभी सफाई कर्मचारी समय से ग्राम पंचायत में पहुंचकर मच्छरों की दवाइयां का छिड़काव और साथ ही साफ सफाई का कार्य करें। जिससे कि डेंगू बुखार जैसी बीमारियों पर रोकथाम किया जा सके। इसी के साथ उन्होंने सभी ग्राम सचिवों को अपने ग्राम पंचायत में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य करने के दिशा निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति प्रदेश सरकार की योजना से वंचित न रह जाए।

मजदूरी के पैसे मांगने पर गोली मारकर हत्या

संवाददाता

हापुड़। मामला 26 अक्टूबर का है जनपद हापुड़ के राष्ट्रीय कवि सचिन कुमार निगम ने सामाजिक सुरक्षा फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार गौतम के साथ जाकर मेरठ के परीक्षितगढ़ में राज मिस्त्री के ठेकेदार चंद्रशेखर पुत्र तिरखा उम्र 55 वर्ष की मजदूरी के पैसे मांगने पर गोली मार हत्या कर शव को पेड़ पर लटका दिया !जहाँ SSFI के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार गौतम व राष्ट्रीय कवि सचिन निगम ने पीड़ित परिवार से जाकर घटना के बारे मैं जानकारी लेते हुए अपराधी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर उसे सजा दिलाने की बात कही! वहीं आपको बतादे की चंद्रशेखर पुत्र तिरखा ग्राम साधारणपुर का रहने वाला था जो ग्राम धनपुरा में विजयपाल के मकान पर अन्य तीन राज मिस्त्रीयों के साथ करीब 1 साल से चिनाई का काम कर रहा था जिसका विजयपाल पर लेवर का करीब ढाई लाख रुपया बकाया हो गया था जिसका चंद्रशेखर ने उस पर तगादा किया तो बुधवार की शाम को विजयपाल चंद्रशेखर को लेकर अपने खेतों पर चला गया बोला कि मेरी ट्यूबवेल पर भी थोड़ा सा काम करना है वहां पहले से प्लान कर बैठे विजयपाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर चंद्रशेखर को एक गोली एक पैर में और एक छाती में मारकर उसके गले में रस्सी डालकर पेड़ पर लटका दिया ताकि लोग फांसी समझ कर आत्म हत्या समझ सकें! चंद्रशेखर की हत्या कर विजयपाल मोके से फरार हो गया सूचना मिलने पर परीक्षितगढ़ थाने की पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर सीएचसी पहुंचाया जहां उसके शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया!

सामाजिक सुरक्षा फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार गौतम ने अपने साथियों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पर जाकर भी चंद्रशेखर की पत्नी व बेटियों से मुलाकात कर सांत्वना दी की सारा समाज आपके साथ खड़ा है यह घटना चंद्रशेखर के साथ ही नहीं पूरे मजदूर समाज के साथ हुई है आरोपी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई तुरंत गिरफ्तारी मजदूरी का भुगतान परिवार की आर्थिक मदद के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी महोदय से मिलकर सरकार से मांग की जाएगी।

ऐप, पोर्टल और सोशल मीडिया से सेफ सिटी को मिलेगी और रफ्तार

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार सेफ सिटी परियोजना के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार विभिन्न कदम उठा रही है। इसी के तहत महिलाओं के साथ बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजन के लिए सेफ सिटी ऐप विकसित किया गया है। इसके साथ ही सेफ सिटी पोर्टल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेज, लोगो और स्लोगन तैयार किया गया है। जल्द ही इन सभी को लांच किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सेफ सिटी ऐप में सरकारी योजनाओं का विवरण और विभिन्न विभाग के लिंक को फीड किया जा रहा है। इसके अलावा ऐप में निकटतम पुलिस बूथ और टॉयलेट की जानकारी भी फीड की जा रही है ताकि किसी आपात स्थिति में पुलिस सहायता के लिए उन्हें भटकना न पड़े। सेफ सिटी ऐप नगर विकास विभाग की ओर से विकसित किया गया है जबकि फीडिंग का काम चल रहा है। वहीं, यूपी सेफ सिटी लोगो को भी तैयार कर लिया गया है। यूपी सेफ सिटी का लोगो सुरक्षित शहर व सेफ सिटी है, जिसे 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर के प्रसिद्ध स्मारकों एवं स्थानों पर लगाया जा रहा है। इसी तरह, नगर विकास विभाग ने क्राऊड सोर्सिंग के माध्यम से यूपी सेफ सिटी के स्लोगन के सैकड़ों सुझाव प्राप्त किए हैं। इनमें से पांच विकल्पों को सम्पन्न समीक्षा गोष्ठी में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें प्रस्तुत विकल्पों में से "सुरक्षित शहर हर प्रहर स्लोगन" का चयन किया गया है। इसे अनुमोदन के लिए शासन को भेजा गया है। सेफ सिटी परियोजना के तहत महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी स्कीम की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सेफ सिटी पोर्टल को विकसित किया गया है। इसे विभिन्न सरकारी विभागों से जोड़ने का काम चल रहा है। पोर्टल को यूपीडेस्को के माध्यम से विकसित किया गया है। इसमें विभिन्न विभागों समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को लिंक किए जाने की कार्यवाही चल रही है। इसके अलावा, आमजन में जागरूकता के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सेफ सिटी यूपी पेज को क्रिएट किया गया है।

अमेरिका पर दाग

अमेरिका में घृणा-जनित संस्कृति का फिर दुखद और शर्मनाक इजहार हुआ है। अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 20 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया। बताते हैं कि तीन जगहों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से निकल भागा। पुलिस उसे खोजने में लग गई और लोगों को घर के अंदर ही रहने की हिदायत जारी करनी पड़ी। अमेरिकी पुलिस इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। दरअसल, बंदूक की संस्कृति अमेरिका की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कोई भी सामान्य सा दिखने वाला आदमी हथियार लेकर आता है और अनेक लोगों की जान ले लेता है। अमेरिका के मेन राज्य के लेविस्टन में हुए हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोगों को भगदड़ की वजह से चोट लगी है। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात खतरनाक हुआ है? सूचना के अनुसार, हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। उसके खिलाफ पहले भी कुछ शिकायतें मिली थीं। उसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी थी। क्या उसे गंभीरता से न लेते हुए नरसंहार का मौका दिया गया है? इस नरसंहार ने अमेरिका को फिर झकझोर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मेन राज्य के राज्यपाल को हरसंभव संघीय मदद का आश्वासन दिया है। वाकई, अब समय आ गया है, जब अपने राज्यों के साथ मिलकर बाइडन सरकार को देश में बढ़ती घृणा का उपाय खोजना होगा। कुछ ही दिनों पहले अमेरिका में अपराध के आंकडे.जारी हुए थे और हल्की खुशी महसूस की गई थी, मगर ताजा घटना ने उस खुशी को छीन लिया। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, अमेरिका में हत्या के मामलों में 2021 की तुलना में 2022 में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी। यह भी उम्मीद जताई गई थी कि चालू वर्ष में हिंसा में और कमी होगी, पर अमेरिका आज समीक्षा के लिए मजबूर है। कोरोना के पहले वर्ष 2020 में अमेरिका में हिंसा कम हुई थी, मगर उसके मुकाबले साल 2022 में हिंसा में 25 प्रतिशत की बढ़त ने एजेंसियों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, अमेरिका अपने यहां नफरत रोकने के अभियान में नाकाम हो रहा है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट रेखांकित करती है कि बंदूक हिंसा बहुत व्यापक हो गई है। पिछले साल अमेरिका में लगभग पांच लाख हिंसक अपराधों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। वर्ष 2020 में बंदूक हिंसा अमेरिकी बच्चों की मौत का मुख्य कारण बन गई और 2022 में हालात और बदतर हो गए। जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 12 प्रतिशत बढ़ गई। अमेरिका घृणा और बंदूक हिंसा के गढ़ के रूप में पहचान बना रहा है। किसी सिख या किसी मुस्लिम बच्चे की हत्या हो या किसी अश्वेत पर बर्बरता, अमेरिका की स्थिति निंदनीय होती जा रही है। वहां समाज के साथ ही, सरकारों को भी हिंसा की संस्कृति के अंत के लिए गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे।

टिकट बंटवारे का सवाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों में असंतुष्टों के विरोध प्रदर्शन की खबरें नेतृत्व के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। लेकिन यह किसी खास राज्य या चुनाव तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस की ही एक बैठक के दौरान दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच हुई एक मजाकिया नोकझोंक का विडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों इस बात पर बहस कर रहे थे कि टिकट बंटवारे से नाराज कार्यकताओं को किसके कपड़े फाड़ने चाहिए। इस विडियो को कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी सद्भाव के सबूत के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वह इस बात का भी प्रमाण था कि भारतीय राजनीति में टिकट बंटवारे से पार्टी में उपजने वाले असंतोष को कितना सहज और सामान्य मान लिया गया है। वैसे देखा जाए तो एक स्तर पर यह तमाम दलों में बढ़ते अति केंद्रीकरण का भी सबूत है। राष्ट्रीय ही नहीं, तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह प्रवृत्ति दिखती है, जिसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। हालांकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक दलों में नेताओं और कार्यकताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं और नेतृत्व की ओर से किए जाने वाले रिस्क घटाने के प्रयासों का हिस्सा मानते हैं। पार्टी की ओर से आर्थिक और अन्य फायदों का केंद्रीकृत बंटवारा भी इसमें शामिल है। आखिरकार इन सबका मकसद पार्टी पर किसी खास नेता या गुट या परिवार का नियंत्रण बनाए रखना ही होता है। इसीलिए यह प्रवृत्ति न केवल पार्टी के दूरगामी हितों के खिलाफ है बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए भी नुकसानदेह साबित होती है। इसके बचाव में दलीलें चाहे जो भी दी जाएं इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह पार्टी नेतृत्व और स्थानीय पार्टी काडर के बीच बढ़ती खाई का संकेत है। ध्यान रहे, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यपालिका और आम नागरिकों के बीच पुल का काम यह स्थानीय पार्टी काडर ही करता है। जाहिर है, इसका पार्टी नेतृत्व से जुड़ाव कम होना या टूटना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है। यही वजह है कि अन्य देशों में लोकल पार्टी कार्यकताओं की भूमिका बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं।

प्रदूषण से मुक्ति के लिए गंभीरता की दरकार

ANALYSIS

डॉ. अनिल कुमार निगम

हर वर्ष प्रदूषण का कारण दिवाली में आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण, पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलाई जाने वाली पराली को मानकर कुछ चंद उपाय कर लोगों को प्रदूषण के दंश को झेलने के लिए छोड़ दिया जाता है। पिछले लगभग एक दशक में अक्टूबर से जनवरी के बीच हर साल यह समस्या गहरा जाती है। दिल्ली सरकार भी जब आग लगे तो खोदो कुआं वाली कहावत चरितार्थ करते हुए प्रदूषण कम करने के चंद उपाय करती है जिससे कुछ तात्कालिक राहत भी मिल जाती है, लेकिन इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले जाने के बारे में गंभीर प्रयास देखने को नहीं मिलते। प्रदूषण की गंभीरता को यहां से समझना चाहिए कि अक्टूबर आते ही सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसीलिए उच्चतम न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली-एनसीआर में हर साल अक्टूबर से नवंबर में प्रदूषण स्तर बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण सर्दियों में हवा का घनत्व बढ़ना और तापमान का गिरना है। इसके चलते प्रदूषण नीचे ही रह जाता है और स्मॉग के तौर पर दिखता है। यही स्मॉग कोहरे के साथ मिलकर प्रदूषण और तरह-तरह की गैस एक घातक मिश्रण को जन्म देती है। सर्दियों में हवा भी काफी कम चलती है, ऐसे में प्रदूषण लगातार बढ़ता रहता है। गर्मियों में तापमान अधिक होने से हवा में घनत्व काफी कम हो जाता है और प्रदूषण आसानी से छंट जाता है। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के अन्य कारण भी हैं। दिल्ली की आबादी पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बढ़ी है। यहां की आबादी 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है। इसी तरह एनसीआर की आबादी लगभग साढ़े 4 करोड़ से अधिक है। आबादी का ग्रोथ रेट काफी अधिक है। आबादी बढ़ने के साथ ही दिल्ली एवं एनसीआर में वाहनों का दबाव भी तेजी से बढ़ा रहा है। दिल्ली का विश्व में सबसे अधिक वाहनों वाला शहर माना जाता है। यहां के निवासी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल करने की जगह निजी वाहनों का प्रयोग अधिक करते हैं। विकास के नाम पर दिल्ली एवं एनसीआर में निर्माण कार्य भी बेतरतीब तरीके से होता रहता है। इससे धूल के कण हवा में जहर घोलने का काम करते हैं। इसके अलावा खेतों में पराली जलना भी प्रदूषण का बड़ा कारण है। हरियाणा और पंजाब समेत कई राज्यों में किसान इन महीनों में पराली जलाते हैं, जिससे स्मॉग की समस्या बढ़ जाती है। प्रदेश सरकारें आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाल सकी हैं। सरकारें किसानों को यह चेतावनी देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती हैं कि अगर किसानों ने पराली जलाई तो उनको जुमार्ना देना होगा, लेकिन सरकारें भी यह बात अच्छी तरीके से जानती हैं कि किसान के पास पराली को डिस्पोज करने का कोई विकल्प नहीं है। पराली का डिस्पोजल इतना महंगा है कि किसान सरकार के सहयोग के बिना उसे कर ही नहीं सकते है। दिल्ली में हवा अत्यधिक खराब होने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अधिकारियों को ग्रेडेड रिस्पांस के चरण दो को लागू करने का निर्देश दिया है। ग्रेप-2 के नियमों के तहत केंद्र सरकार दिल्ली और एनसीआर में पार्किंग शुल्क बढ़ा देगी, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाए। सरकार मेट्रो और इलेक्ट्रिक बसों के फेरे भी बढ़ाएगी। इसके अलावा सड़कों पर रेस्ट्रोरेंट में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध, धूल के कणों को कम करने के लिए पानी के छिड़काव करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय ने भी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने प्रदूषण के मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह की सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण की समस्या और फसल अवशेष जलाने के बारे में दी गई दलीलों का संज्ञान लिया। अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होनी है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह सभी प्रयास अक्टूबर और नवंबर महीने में ही क्यों किए जाते हैं? क्या इस जहरीली हवा से लोगों को निजात दिलाने के लिए स्थायी प्रयास नहीं किए जा सकते? सवाल यह भी है कि क्या सभी प्रयास सरकारों को ही करने होंगे? वास्तविकता यह है कि सुरसा की मुंह की तरह बड़ी होती इस समस्या के स्थायी निवारण के लिए दिल्ली-एनसीआर बोर्ड को स्वायत्त बना कर उसे निर्णय लेने की शक्तियों से संपन्न बनाना होगा। बोर्ड को दीर्घकालीन योजना बनाकर लोगों को इस संकट से मुक्ति दिलानी होगी। लेकिन यह कार्य अकेले एनसीआर बोर्ड नहीं कर सकता। इसके लिए दिल्ली एनसीआर में रहने वाले नागरिकों को अपने कर्तव्य को समझना होगा। उन्हें वह हर काम करना होगा अथवा उसमें सहयोग करना होगा जिससे वायु प्रदूषण को कम किया जा सके और लोग खुली हवा में सांस ले सकें।

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

आजम खान ने अखिलेश की लाज रख ली

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला के साथ जेल में हैं। बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी प्रमाण पत्र के मामले में आजम फैमिली को सजा सुनाई गई है। कभी यूपी के सबसे ताकतवर मंत्री रहे आजम खान को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीति शुरू हो गई है। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय सीतापुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात करना चाहते थे, जो हो नहीं सका। सपा नेता आजम खान ने अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया। आजम खान की तरफ से कहा गया कि वह किसी राजनेता से नहीं मिलना चाहते हैं। जेल प्रशासन ने भी नियमों का हवाला देते हुए आजम खान से मुलाकात पर रोक लगा दी।

कांग्रेस नेता अजय राय ने यूपी में अखिलेश यादव को घेरने की जो प्लानिंग की थी, उसे आजम खान ने चौपट कर दिया। सीतापुर जेल में बंद आजम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से नहीं मिले। अगर यह मुलाकात हो जाती तो यूपी की राजनीति में कानाफूसी होती तो नुकसान अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को होता। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला के साथ जेल में हैं। बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी प्रमाण पत्र के मामले में आजम फैमिली को सजा सुनाई गई है। कभी यूपी के सबसे ताकतवर मंत्री रहे आजम खान को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीति शुरू हो गई है। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय सीतापुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात करना चाहते थे, जो हो नहीं सका। सपा नेता आजम खान ने अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया। आजम खान की तरफ से कहा गया कि वह किसी राजनेता से नहीं मिलना चाहते हैं। जेल प्रशासन ने भी नियमों का हवाला देते हुए आजम खान से मुलाकात पर रोक लगा दी। जेल मैन्युअल के मुताबिक, आजम खान सप्ताह में सिर्फ एक व्यक्ति से मुलाकात कर सकते हैं। इस सप्ताह वह अपने बेटे अदीब से मिल चुके हैं। खैर आजम और अजय राय की मुलाकात टल गई, मगर यूपी की राजनीति में बवाल खड़ा हो गया। मुस्लिम समुदाय की राजनीति करने वाले आजम खान अचानक उसी राजनीति के शिकार बन गए। समाजवादी पार्टी के सबसे सशक्त, चर्चित और रसूखदार मुस्लिम नेता की हैसियत से उन्होंने जो साख बनाई, वह अखिलेश यादव और अजय राय की राजनीति के कारण दांव पर लग गई। अजय राय ने दलील थी कि आजम खान का परिवार बदले की राजनीति से परेशान हैं, इसलिए वह मिलना चाहते हैं। मगर उनकी मुलाकात की मंशा मुस्लिम राजनीति के इर्द-गिर्द की घूमती नजर आ रही है। अजय राय ने इस मेल-मिलाप से दोहरा दांव खेला था। आजम से मुलाकात में मुस्लिम नेता वाला एंगल है, जिसके जरिये कांग्रेस अल्पसंख्यकों को करीब लाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कद्दावर नेता को विक्टिम के नजरिये से पेश करने की कोशिश की। दूसरा, वह खुद को अखिलेश यादव से बड़ा शुभचिंतक भी बनने लगे। शायद आजम ने उनका यह इरादा भांप लिया और मिलने से इनकार कर दिया। मध्यप्रदेश में सीटों को लेकर विवाद के बाद अखिलेश यादव और अजय राय के बीच तनातनी शुरू हुई। दोनों की कहासुनी चिरकुट, छुटभैय्या नेता और हैसियत तक पहुंच गई। इस विवाद में अजय राय ने मुलायम सिंह के सम्मान का भी जिक्र कर दिया। उन्होंने कहा कि जो अपने पिता मुलायम सिंह का सम्मान नहीं किया, वह हमारी इज्जत क्या करेगा? बातों से शुरू हुई लड़ाई यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए नाक की लड़ाई बन गई। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इसे राजनीतिक बदले को आजम खान से सहानुभूति जताकर भुनाने की कोशिश की। उन्होंने इसके जरिये वही चाल चली, जो शिवपाल यादव ने अखिलेश के विरोध के दौरान 2022 में चली थी। पिछली बार जब आजम सीतापुर के जेल में थे तब प्रगतिशील समाजवादी के मुखिया रहे शिवपाल यादव ने उनसे मुलाकात की थी। इस मुलाकात के जरिये शिवपाल ने अखिलेश को आजम की अनदेखी के लिए घेरा था। तब शिवपाल ने आरोप लगाया था कि समाजवादी पार्टी ने मुश्किल में फंसे आजम के लिए कुछ नहीं किया। अब अजय राय उसी एपिसोड को दोहराने की कोशिश की है। इस एक चाल से उन्होंने अखिलेश को चुनौती भी दे डाली। संदेश साफ है, मौका मिला तो यूपी में कांग्रेस समाजवादी पार्टी को निशाना बनाने से नहीं चूकेगी। फिलहाल अखिलेश यादव के लिए यह राहत है कि आजम खान ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष से मिलने से इनकार कर दिया। अगर यह मुलाकात होती तो सपा को नुकसान होना तय था। राजनीतिक हलकों में गुपचुप मुलाकातों पर अक्सर बड़ी अफवाह उड़ जाया करती है। मगर अभी कई सवाल बाकी है। क्या अजय राय अपनी खुद की रणनीति के तहत आजम से मिलने का प्लान बनाया था या कांग्रेस के केंद्रीय आलाकमान ने उन्हें मुलाकात की इजाजत दी थी? मुस्लिम वोट बैंक के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच छिड़ी रार कहां तक जाएगी? अखिलेश इस हरकत का माकूल जवाब जरूर देंगे। जाहिर है कि अजय राय ने जिस तरह अखिलेश यादव को घेरने की कोशिश की है, वह इंडिया गठबंधन के लिए पॉजिटिव संदेश नहीं है। अभी इसमें दो राय नहीं है कि सपा उत्तरप्रदेश में कांग्रेस के मुकाबले मजबूत है। लोकसभा में एक और विधानसभा में एक सीट पाने वाली कांग्रेस को अभी भी जनाधार की तलाश है। 2017 में दोनों दलों के गठबंधन का कोई बड़ा असर नहीं रहा है। जहां तक बीजेपी से 2024 के लोकसभा चुनाव में मुकाबले की बात है तो विपक्षी दलों की एकता में कुछ उम्मीद की किरण ढूंढी जा सकती है। बसपा पहले से ही इंडिया गठबंधन से दूर है। हालात ऐसे ही रहे तो वोट बैंक की लड़ाई में चुनाव में दोनों दलों को निराशा ही मिलेगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

इन्फैंट्री दिवस पर भारतीय सेना के सभी कर्मियों को शुभकामनाएं। यह हमारी पैदल सेना के अथक साहस और दृढ़ता का सम्मान करने का दिन है। उनका हर प्रयास हमारे देश की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उनकी अथक सतर्कता और बेजोड़ वीरता समय की कसौटी पर खरी उतरी है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

भारत और भारतीय न केवल शिपिंग कंपनियों, वैश्विक बंदरगाहों और केंद्रों का प्रबंधन और जहाजों का संचालन कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का संचालन भी कर रहे हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद, अब हम 'समुद्रयान' मिशन की तैयारी कर रहे हैं, जो 6,000 मीटर गहरे समुद्र के पानी का पता लगाने और गहरे समुद्र के संसाधनों और जैव विविधता मूल्यांकन का अध्ययन करने के लिए एक अभूतपूर्व यात्रा है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

भारत किसे चुनेगा- नेपाल या बांग्लादेश

इस बार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक का चुनाव दिलचस्प होने जा रहा है। चुनाव में भारतीय उम्मीदवार नहीं होने के बावजूद भारत की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। भारत के सामने धर्मसंकट यह है कि इस पद के दोनों उम्मीदवार भारत के करीबी मित्र देश क्रमशः बांग्लादेश और नेपाल से हैं। ऐसे में भारत के लिए कोई फैसला करना आसान नहीं होगा। भारतीय मूल की पूनम खेत्रपाल सिंह इस समय डब्लूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया (एसईएआरओ) की क्षेत्रीय निदेशक हैं, जो 2014 से इस पद पर हैं। वे इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। 2018 में उन्हें सर्वसम्मति से दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया था। पांच साल के कार्यकाल वाले इस पद के चुनाव के लिए दिल्ली में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर को बंद कमरे में सदस्य देशों की बैठक होगी। इसमें भारत सहित 11 देश बांग्लादेश, भूटान, उत्तर कोरिया, इंडोनेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, थाइलैंड और ईस्ट तिमोर के स्वास्थ्य मंत्री मतदान करेंगे। यह मतदान गोपनीय होगा। इस पद के लिए दो उम्मीदवार हैं- बांग्लादेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ साइमा वाजेद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ अधिकारी रहे नेपाल के शंभु प्रसाद आचार्य। दोनों ही उम्मीदवारों की तरफ से चुनाव में बहुमत जुटाने की पुरजोर कोशिशें लगातार जारी हैं। मतदान में हिस्सा लेने वाले देशों से संपर्क साधा जा रहा है। साइमा वाजेद सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के साथ बांग्लादेश की मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी हैं। साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री हासिल करने वाली साइमा का ऑटिज्म में स्पेशलाइजेशन भी है। हालांकि उनकी दावेदारी पर वंशवाद के आरोप लगाए गए। दुनिया भर के 60 से अधिक सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डब्लूएचओ को पत्र लिख कर क्षेत्रीय निदेशक के चयन में पूरी पारदर्शिता बरतने की अपील की है। साथ ही उम्मीदवारों की शिक्षा एवं योग्यता की पूरी कठोरता से जांच की मांग की गई है। हालांकि पत्र में किसी उम्मीदवार का नाम नहीं लिया गया है। साइमा अगर जीतती हैं तो वे बांग्लादेश की तरफ से दूसरी क्षेत्रीय निदेशक होंगी। उनसे पहले बांग्लादेश के सैयद मुदस्सर अली इस पद पर रह चुके हैं। नेपाल की तरफ से इस पद के उम्मीदवार डॉ. शंभु प्रसाद आचार्य सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएचडी धारक हैं। उन्होंने डब्लूएचओ के साथ करीब 30 वर्षों तक काम किया है। डॉ. आचार्य डब्लूएचओ के जेनेवा मुख्यालय में महासचिव कार्यालय में कंट्री स्ट्रैटिजी एंड सपोर्ट के डायरेक्टर हैं। उन्होंने अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए पिछले दिनों काठमांडू में एसईएआरओ के सदस्य देशों के राजदूतों की बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी के लिए रूप में अपनी सेवाओं एवं अनुभव पर प्रजेंटेशन देते हुए चुनाव के लिए सहयोग व समर्थन मांगा। वे डब्लूएचओ अधिकारी के रूप में 1992-1997 तक ढाका एवं 1997-1999 तक दिल्ली में सेवाएं दे चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं और यह संगठन छह क्षेत्रों अफ्रीका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी भूमध्यसागर, वेस्टर्न पैसिफिक और अमेरिका में बंटा हुआ है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में आने वाले भारत का इस संगठन में विशेष महत्व रहा है। खासतौर पर वैक्सीन डिप्लोमेसी के नजरिये से। इस पद पर भारत अपने उम्मीदवार को लेकर पिछली बार सर्वसम्मति बनाने में सफल रहा था लेकिन इस बार भारत के सामने बांग्लादेश और नेपाल में किसी एक को चुनने की मुश्किल पहेली है। अभी तक अपना उम्मीदवार होने के नाते भारत के सामने ऐसी दुविधा नहीं थी लेकिन अब बदली हुई परिस्थिति है। हालांकि ऐसी उम्मीद की जा रही है कि भारत इस मामले में बांग्लादेश के साथ जा सकता है।

विकसित देश का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले कुछ समय से लगातार भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष भी और इस वर्ष भी लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में कहा था कि 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरा होने तक भारत का तिरंगा विकसित भारत का तिरंगा होना चाहिए। पिछले कुछ समय में भारत ने अपनी आर्थिक शक्ति का परिचय दिया है और आर्थिक महाशक्तियों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके बाद से ऐसा कहा जाने लगा है कि वह दिन दूर नहीं जब भारत जापान, चीन और अमेरिका के और करीब पहुंच जायेगा। रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने अपने ताजा अनुमान में कहा है कि भारत 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पीछे छोड़ एशिया की दूसरी सबसे बड़ी और दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इन परिस्थितियों में ऐसा लगता है कि आर्थिक तरक्की के पैमाने पर भारत का अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा। लेकिन, भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने भर से क्या भारत विकसित राष्ट्र बन जायेगा? यह सवाल लगातार लोगों के मन में घुमड़ रहा है। इसमें लेशमात्र भी संदेह नहीं है कि भारत ने अच्छी खासी प्रगति की है। पर यह भी कटु सत्य है कि अभी भी देश की बड़ी आबादी तक न तो विकास के लाभ पहुंच सके हैं, न ही वह विकास में योगदान कर पा रही है। इस चुनौती की चर्चा होती रही है और शायद सरकार को भी इसका अहसास है कि विकसित देश का लक्ष्य सबकी भागीदारी के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी की विजयादशमी पर दिल्ली में रामलीला के दौरान कही गयी बातें विशेष महत्व रखती हैं। उन्होंने कहा है कि भारत को एक ऐसा विकसित देश होना चाहिए, जो आत्मनिर्भर होने के साथ सभी को उनके सपने साकार करने का समान अधिकार देता हो।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सैमसंग लगातार पांचवें साल भारतीय टीवी बाजार में अग्रणी : ओमडिया डेटा

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार अनुसंधान फर्म ओमडिया के अनुसार सैमसंग ने भारत के टेलीविजन बाजार में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है और वह लगातार पांचवें वर्ष शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच गया है। आईएएनएस द्वारा देखे गए ओमडिया डेटा के अनुसार सैमसंग ने भारत में 21 प्रतिशत वॉल्यूम मार्केट शेयर के साथ 2022 को समाप्त किया। आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज ने भी इस साल की पहली छमाही में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23 प्रतिशत कर ली है।ओमडिया के अनुसार, सैमसंग 55 इंच और उससे ऊपर के प्रीमियम टीवी सेगमेंट में भी अग्रणी है, इसकी बिक्री उद्योग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपनी अल्ट्रा-प्रीमियम 2023 नियो क्यूएलईडी टीवी रेंज लॉन्च की है, जिसमें सहज कनेक्टिविटी, उन्नत वैयक्तिकरण और बेहतरीन गेमिंग अनुभव पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कंपनी प्रीमियम सेगमेंट में क्यूएलईडी और ओएलईडी मॉडल भी बेचती है। सैमसंग नियो क्यूएलईडी 4के टीवी, कंपनी के हाई-एंड टेलीविजन के लाइनअप में नवीनतम जोड़ है, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से भरपूर है, जो इसे उपभोक्ताओं के लिए गेमिंग, मूवी देखने और टीवी शो स्ट्रीमिंग के लिए बेहतर बनाता है। 144हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ यह टीवी गेमिंग के लिए भी परफेक्ट है। 1,41,990 रुपये की कीमत से शुरू होने

वाले, नियो क्यूएलईडी 4के टीवी 85, 75, 65, 55 और 50 इंच आकार में आते हैं। सैमसंग की चेन्नई में एक टेलीविजन विनिर्माण इकाई है, जहां कंपनी अपनी मेक इन इंडिया रणनीति के तहत भारतीय बाजार के लिए टेलीविजन का उत्पादन करती है।

बाइक टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो कैब मार्केट में करेगा विस्तार, पायलट प्रोजेक्ट पर कर रहा काम

नई दिल्ली।

उबर और ओला को टक्कर देने के लिए बाइक टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो कैब मार्केट में विस्तार कर रहा है। स्टार्टअप ने हैदराबाद में अपनी कैब सर्विस का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस सर्विस को दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और चंडीगढ़ सहित अन्य शहरों में विस्तारित करने की योजना है। सूत्रों के हवाले से टेकक्रंच के मुताबिक, कंपनी अगले हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर में रैपिडो कैब लॉन्च करने की योजना बना रही है। रैपिडो के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम यह बताते रोमांचित हैं कि रैपिडो कैब्स के लिए हैदराबाद में हमारा परीक्षण शानदार शुरुआत के साथ शुरू हुआ है। शहर के वाइब्रेंट मार्केट ने हमें गर्मजोशी से अपनाया है, और पॉजिटिव रिस्पांस वास्तव में उत्साहजनक है। जैसे-जैसे हम अपना रास्ता आगे बढ़ा रहे हैं, हम आपको हमारी प्रगति के बारे में बारीकी से सूचित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्सुकता से इनोवेटिव सर्विस को अन्य शहरों में लाने का इंतजार कर रहे हैं। हाल तक, रैपिडो कस्टमर्स मोटरबाइक या थ्री-व्हीलर ऑटो रिक्शा पर सवारी करने में सक्षम

रहे हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि रैपिडो अपने ऐप में इंटरसिटी बस टिकट बुकिंग को शामिल करने के लिए गुरुग्राम स्थित ज़िगबस के साथ सहयोग करना चाहता है। रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, अब 100 से अधिक शहरों में काम करता है और इसके 25 मिलियन से अधिक ऐप डाउनलोड हैं। इसकी वेबसाइट के अनुसार, बिजनेस के 10 मिलियन से ज्यादा कस्टमर्स हैं और इसने 100 मिलियन से अधिक राइड पूरी की हैं। ट्रैक्सन पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रैपिडो ने कुल 324 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। पिछले साल अप्रैल में कंपनी ने ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विस स्विगी के नेतृत्व में 180 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि में भारत का आम निर्यात मूल्य 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत ने चालू वित्त वर्ष (2023-24) के पहले पांच महीनों में आम के निर्यात के मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, इसमें 47.98 मिलियन डॉलर यानी 19 फीसदी अधिक मूल्ये का आम निर्यात किया गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 40.33 मिलियन डॉलर के मूल्य से अधिक। कृषि मंत्रालय और एपीडा के सहयोग से, भारत ने 2022-23 में 48.53 मिलियन डॉलर मूल्य के 22,963.78 मिलियन टन आमों का निर्यात किया, जबकि चालू वर्ष 2023-24 (अप्रैल-अगस्त) में, भारत ने 47.98 मिलियन डॉलर मूल्य के 27,330.02 मिलियन टन आमों का निर्यात किया है।

सीजन 2023 में आम के निर्यात को बढ़ावा देने की अपनी पहल के एक हिस्से के रूप में, कृषि मंत्रालय और एपीडा ने विकिरण सुविधाओं पर आम की पूर्व-निकासी के लिए वाशी, नासिक, बेंगलुरु और अहमदाबाद में संयुक्त राज्य कृषि विभाग (यूएसडीए) के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा (एपीएचआईएस) निरीक्षक को आमंत्रित किया था। अमेरिका के अलावा, संबंधित अधिकारियों के निरंतर प्रयासों से, भारत ने जापान को 43.08 मिलियन टन आम, न्यूजीलैंड को 110.99 मिलियन टन आम, ऑस्ट्रेलिया को 58.42 मिलियन टन आम और दक्षिण अफ्रीका को 4.44 मिलियन टन आम निर्यात किया है। इसके अलावा, भारत ने वहां निर्यात के लिए आमों की पूर्व-निकासी के लिए दक्षिण कोरिया से निरीक्षकों को आमंत्रित किया है।

इसने भारत को पादप संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय भारत और पशु और पादप संगरोध एजेंसी दक्षिण कोरिया की संयुक्त देखरेख में अधिकृत वाष्प ताप उपचार सुविधा में उपचारित होने के बाद 18.43 मिलियन टन आम निर्यात करने की अनुमति दी है।,

5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगी वोडाफोन आइडिया: कुमार मंगलम बिड़ला

नई दिल्ली।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में वोडाफोन आइडिया के अतिरिक्त निदेशक कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि वोडाफोन आइडिया 5जी नेटवर्क शुरू करने और भारत में 4जी कवरेज का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगा।रिपोर्ट्स के मुताबिक, वोडाफोन आइडिया ने अभी तक 5जी नेटवर्क को व्यावसायिक रूप से लॉन्च नहीं किया है, जबकि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे प्रतिद्वंद्वियों के पास अब देश के अधिकांश हिस्सों में 5जी कवरेज है। बिड़ला ने कहा कि वोडाफोन आइडिया टीम ने पिछले साल 5जी के लिए कोर नेटवर्क तैयार करने के लिए लगन से काम किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक शोध में कहा कि वोडाफोन आइडिया का शुद्ध कर्ज 2.1 लाख करोड़ रुपये के ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। इसमें से, स्पेक्ट्रम और एजीआर ऋण दो लाख करोड़ रुपये (कुल ऋण का 95 प्रतिशत) और बाजार ऋण 7,900 करोड़ रुपये (चार प्रतिशत) है। उसका पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के 450 करोड़ रुपये से बढ़कर 520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में एयरटेल का वार्षिक नेटवर्क पूंजीगत व्यय 28,000 करोड़ रुपये और रिलायंस जियो का 40,000 करोड़ रुपये रहा है, जो वीआई से काफी अधिक है। शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर 2024 तक कंपनी का देय ऋण 7,170 करोड़ रुपये है और कुल शुद्ध ऋण 2.1 लाख करोड़ रुपये है। 30 सितंबर 2023 तक, विशिष्ट अनुबंध खंडों की पूर्ति न होने के कारण 31.9 अरब रुपये को एलटी देनदारियों की वर्तमान परिपक्वता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में प्याज 50-80 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर के मार्केट में प्याज की कीमत में तेजी देखी गई है। प्याज महंगा होने से लोग परेशान होते दिखाई दे रहे हैं। पिछले सप्ताह प्याज की कीमत 35 से 40 रुपये प्रति किलो पहुंच गई थी। वहीं अब दिल्ली-एनसीआर में इसकी कीमतें 50-80 रुपये किलो हो गई हैं। नवरात्रि सप्ताह के आखिर तक दिल्ली और नोएडा में ग्राहकों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि को दाम बढ़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। नोएडा के एक व्यापारी ने बताया कि मैंने पिछले हफ्ते 40 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा था। लेकिन अब मैंने इसे 80 रुपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदा है। पूर्वी दिल्ली के योजना विहार के एक निवासी ने कहा कि उनके इलाके में प्याज 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि शकरपुर निवासी ने कहा कि उन्होंने 80 रुपये किलो प्याज खरीदा है। गगन विहार के एक निवासी ने बताया कि उन्होंने रिलायंस स्टोर से 56 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा। उन्होंने बतायाकि हालांकि स्थानीय विक्रेता उनके इलाके में लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से प्याज बेच रहे हैं। गाजियाबाद के एक

निवासी ने बताया कि उन्होंने अपने घर के पास मदर डेयरी से 65 रुपये प्रति किलो के हिसाब से प्याज खरीदा।

दिल्ली भर में सफल स्टोर्स में प्याज गुणवत्ता के आधार पर 56 रुपये से बढ़कर 520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में एयरटेल का वार्षिक नेटवर्क पूंजीगत व्यय 28,000 करोड़ रुपये और रिलायंस जियो का 40,000 करोड़ रुपये रहा है, जो वीआई से काफी अधिक है। शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर 2024 तक कंपनी का देय ऋण 7,170 करोड़ रुपये है और कुल शुद्ध ऋण 2.1 लाख करोड़ रुपये है। 30 सितंबर 2023 तक, विशिष्ट अनुबंध खंडों की पूर्ति न होने के कारण 31.9 अरब रुपये को एलटी देनदारियों की वर्तमान परिपक्वता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया दो पैसे नीचे आकर 83.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपये में तीन दिन से जारी गिरावट अंत में शुक्रवार को थम गई और शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.23 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी कोषों की निकासी का भारतीय मुद्रा पर असर जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.24 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 83.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की बढ़त है। वहीं गत दिवस गुरुवार को रुपया 83.23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 106.57 पर रहा।

पीटीसी इंडिया पीटीसी एनर्जी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। बिजली कारोबार के लिए समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी पीटीसी इंडिया ने कहा कि वह अपनी सहायक इकाई पीटीसी एनर्जी में अपनी 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी 2,021 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर सरकारी उपक्रम ओएनजीसी को बेच सकती है। पीटीसी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि ओएनजीसी ने पीटीसी एनर्जी लिमिटेड में पीटीसी की 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए 925 करोड़ रुपये की नकद बोली लगाई। कंपनी ने कहा कि यह रकम 2,021 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य (बकाया ऋण और इक्विटी मूल्य का योग) से मेल खाती है। कंपनी ने पीटीसी एनर्जी में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी बेचने के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। ओएनजीसी 925 करोड़ रुपये की नकद बोली के साथ सफल बोलीदाता के रूप में उभरी।

माइक्रोसॉफ्ट की पूर्व कार्यकारी पैगी जॉनसन ने मैजिक लीप के सीईओ का छोड़ा पद

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट की पूर्व कार्यकारी पैगी जॉनसन ने ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) हार्डवेयर कंपनी मैजिक लीप के सीईओ का पद छोड़ दिया है। वह इस पद पर तीन साल रहीं। मैजिक लीप ने उनकी जगह रॉस रोसेनबर्ग की नियुक्ति की घोषणा की है, जो 1 नवंबर से प्रभावी होगी। रोसेनबर्ग ने कहा, मैं मैजिक लीप में वर्ल्ड क्लास टीम के साथ काम शुरू करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं और कंपनी के विकास के महत्वपूर्ण चरण के माध्यम से मार्गदर्शन करने में उनके नेतृत्व के लिए पैगी को धन्यवाद देना चाहता हूं। जॉनसन जुलाई 2020 में माइक्रोसॉफ्ट से मैजिक लीप में शामिल हुईं, जहां वह बिजनेस डेवलपमेंट की कार्यकारी उपाध्यक्ष थीं।उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट और चिप दिग्गज क्वालकॉम में प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के उच्चतम स्तर पर 30 साल के करियर के बाद अगस्त में सीईओ के रूप में पद संभाला। मैजिक लीप में अपने समय में, जॉनसन ने कंपनी को सफलता के अगले चरण के लिए तैयार किया, जिसमें कंपनी को स्थिर करना, मैजिक लीप 2 लॉन्च करना और मैजिक लीप को एंटरप्राइज एआर में टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में स्थापित करना शामिल था। मैजिक लीप ने एनवीडिया, एएमडी और सिस्को सहित प्रौद्योगिकी के कुछ सबसे बड़े प्लेयर्स के साथ सहयोग किया, साथ ही बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग एग्रीमेंट भी हासिल किए। जॉनसन ने कहा, मैजिक लीप में मैंने जो करने का लक्ष्य रखा था, उसमें से बहुत कुछ पूरा करने के बाद, मुझे लगा कि एक नए सीईओ को नेतृत्व सौंपने का समय आ गया है, जो कंपनी को विकास के अगले चरण में मार्गदर्शन कर सके। मुझे मैजिक लीप में बनाई गई नेतृत्व टीम पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है और कंपनी को उद्यम बाजार में सफलतापूर्वक पुनः स्थापित करने में मदद करने के लिए सभी कर्मचारियों को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 635 , निफ्टी 202 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले छह दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी एक फीसदी की तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 634.65 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर आकर 63,782.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,913.13 तक ऊपर जाने के बाद 63,393.37 तक गिरा।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 202.45 अंक तकरीबन 1.07 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी अंत में 19,059.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,076.15 तक ऊपर जाने के बाद 18,926.65 तक फिसला। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 26 शेयर लाभ के साथ ही

ऊपर आये। एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, एसबीआई, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी के शेयर लाभ के साथ ही उछले। सबसे ज्यादा लाभ एक्सिस बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.07 फीसदी बढ़े हैं। इसके अलावा अदाणी एंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, आयशर मोटर्स, बजाज ऑटो, ओएनजीसी, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एलएंडटी के शेयरों में 1.5 फीसदी से 3 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और टाटा स्टील ही नुकसान के साथ नीचे आये। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में सुधार के बीच ही बाजारों ने शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 411.17 अंक उछलकर 63,559.32 पर पहुंच गया। निफ्टी 115.9 अंक चढ़कर 18,973.15 पर रहा। वहीं घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बिकवाली के दबाव में बेहाल दिखा। वहीं गत दिवस कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण लगातार छठे दिन बाजार लाल निशान पर बंद हुआ।

घरेलू खपत बढ़ने से नायरा एनर्जी का निर्यात 22 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने कहा कि घरेलू खपत बढ़ने के कारण 2023 के पहले नौ महीनों में उसके पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार नायरा ने जनवरी-सितंबर 2023 के बीच विमान ईंधन, डीजल और पेट्रोल सहित 45.7 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया, जबकि जनवरी-सितंबर 2022 में 58.8 लाख टन का निर्यात किया था। गिरावट का प्रमुख कारण घरेलू खपत का अधिक होना है। वहीं जनवरी-सितंबर 2023 के बीच नायरा ने यूरोप को पेट्रोल और डीजल की कोई आपूर्ति नहीं की। नायरा एनर्जी गुजरात के वाडिनार में प्रति वर्ष दो करोड़ टन का उत्पादन करने वाली तेल रिफाइनरी और 6,450 से अधिक पेट्रोल पंप का नेटवर्क संचालित करती है। कंपनी संस्थागत व्यवसाय अन्य तेल कंपनियों को बिक्री और अपनी खुदरा श्रृंखला के जरिए घरेलू बाजार में सेवाएं दे रही है।

भारत में 2019-2022 तक साइबर सुरक्षा नौकरी पोस्टिंग में 81 प्रतिशत की वृद्धि : रिपोर्ट

बेंगलुरु।

भारत में 2019 से 2022 तक साइबर सिक्योरिटी के लिए जॉब पोस्टिंग में 81 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दरअसल, कोविड-19 महामारी के मद्देनजर कई खतरे सामने आए। जॉब पोर्टल इनडीड की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन सालों में, साइबर सिक्योरिटी जॉब्स ने अपने ग्रोथ ट्रेजेक्टरी में स्थिरता दिखाई है। हालांकि, सितंबर 2022 से इस साल सितंबर तक जॉब पोस्टिंग में 25.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो सख्त नियमों, फ्रेमवर्क और नियंत्रणों का संकेत है। यह बदलाव नौकरी चाहने वालों की रुचि में प्रतिबिंबित नहीं हुआ, क्योंकि इसी अवधि के दौरान नौकरी क्लिक में 6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो साइबर सिक्योरिटीमें निरंतर रुचि को उजागर करती है। इनडीड इंडिया के सेल्स हेड शशि कुमार ने कहा, नौकरी पोस्टिंग में मौजूदा गिरावट एक क्षणिक चरण है, और यह उद्योग की अनुकूलन और विकास की क्षमता को उजागर करता है। साइबर सुरक्षा क्षेत्र तकनीकी प्रगति की आधारशिला बना हुआ है। हमारा डेटा इस बात को भी पुष्ट करता है कि भविष्य में जबरदस्त संभावनाएं हैं। सितंबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच, 29.9 प्रतिशत टैलेंट मिसमैच देखा गया है, जो साइबर सिक्योरिटी सेक्टर में नियोक्ताओं द्वारा मांगे गए स्किल सेट में बदलाव का संकेत देता है। टर्म टैलेंट मिसमैच नियोक्ताओं द्वारा वर्तमान में जरूरी स्किल्स और उपलब्ध वर्कफोर्स के स्किल सेट के बीच अंतर को दर्शाता है। बेंगलुरु 23.11 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत के साइबर सिक्योरिटी जॉब मार्केट में अग्रणी है, जो देश के प्राइमरी आईटी हब के रूप में इसकी स्थिति से प्रेरित है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, इस प्रभुत्व को शहर के घने टेक लैंडस्केप के लिए भी जिम्मेदार

ठहराया जा सकता है, जिसमें कई आईटी फर्म और स्टार्टअप हैं, जिससे साइबर खतरों और हमलों की संभावना बढ़ रही है। आईटी इंडस्ट्री की नैसकॉम के अनुसार, भारतीय साइबर सिक्योरिटी मार्केट 2025 तक बढ़कर 35 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे 1 मिलियन से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मैकलियोड रसेल अपनी वियतनामी चाय इकाई बेचेगी

कोलकाता ।

थोक चाय का उत्पादन करने वाली मैकलियोड रसेल इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कंपनी अपनी वियतनाम इकाई फुबेन टी कंपनी लिमिटेड (पीबीटीसीएल) को 21.5 लाख डॉलर में बेचने की योजना बना रही है। कंपनी इस विदेशी

इकाई को टीएलके एग्रीकल्चर ज्वाइंट स्टॉक कंपनी (टीएलके) को विक्रय करेगी। मैकलियोड रसेल ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि यह सौदा 24 दिसंबर, 2023 तक पूरा हो सकता है। कंपनी ने कहा कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बोरेली टी होल्डिंग्स लिमिटेड पीबीटीसीएल में अपने पूंजी योगदान का 100 प्रतिशत हिस्सा टीएलके को बेचेगी। कोलकाता मुख्यालय वाली इस कंपनी के मौजूदा समय में भारत में 33 चाय बागान हैं, जिनमें से 31 असम और दो पश्चिम बंगाल के दुआर इलाके में स्थित हैं।

मैं एक्स को लोगों के लिए फाइनेंशियल लाइफ का सेंटर बनाऊंगा : मस्क

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि उन्हें लगभग एक साल तक बैंक अकाउंट की जरुरत नहीं होगी, क्योंकि एक्स लोगों के फाइनेंशियल लाइफ का सेंटर बन जाएगा, जो पैसे से संबंधित हर चीज को संभालेगा। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार देर रात सीईओ लिंडा याकारिनो के साथ कर्मचारियों के साथ मीटिंग में उन्होंने कहा कि लोग आश्चर्यचकित होंगे कि यह कितना पावरफुल है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, जब मैं पेमेंट्स की बात करता हूं, तो वास्तव में मेरा मतलब किसी के पूरे फाइनेंशियल लाइफ से है। इसमें पैसा शामिल है। यह हमारे प्लेटफॉर्म पर होगा। मनी या सिक्योरिटीज या कुछ भी, यह सिर्फ माय फ्रेंड को 20 डॉलर भेजने जैसा नहीं है। मैं बात कर रहा हूं कि आपको बैंक अकाउंट की जरुरत नहीं होगी। लिंडा ने कहा कि 2024 में यह एक पूर्ण अवसर बन सकता है। मस्क ने कहा, अगर हमने इसे अगले साल के अंत तक लागू नहीं किया तो यह मेरे दिमाग को चकरा देगा।एक्स डॉट कॉम का ओरिजनल प्लान स्पष्ट रूप से मस्क के दिमाग में था। मस्क ने आंतरिक एक्स कॉल पर कहा, एक्स/पेपैल प्रोडक्ट रोडमैप वास्तव में मेरे और डेविड सैक्स द्वारा जुलाई 2000 में लिखा गया था।

ऑफिस में कैसे रहें फिट

स्वस्थ एवं फिट रहने के लिए व्यस्त रहना बहुत ही जरूरी हैं अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर आप आसानी से व्यस्त भी रह सकेंगे और काम भी समय से पूरा कर सकेंगे। कैसे, आइए जानें। ऑफिस में बैठने का काम हो तो बीच-बीच में टहलें। अपनी फाइलें, रजिस्टर आदि स्वयं ही उठाकर कर रखें या फिर लंच टाइम में अपने केबिन में ही टहल लें। किसी भी तरीके से 15-20 मिनट तो अवश्य ही चलें ताकि शरीर की कसरत हो जाए।घर पर ही ऐसा नाश्ता तैयार करके रख लें, जो सेहतमंद होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हो। उसे पैक करके ऑफिस लेआएं। आटे की नमकीन-मीठी मठरियां, काले भुने चने आदि पदार्थ ज्यादा लेने की कोशिश करें।आप ऑफिस मीटिंग के लिए बाहर जाते हैं तो जब भी रेस्टोरेंट में लंच करना पड़ जाए तो सलाद, सूप आदि अधिक लें।तले-भुने व गरिष्ठ भोजन की बजाए ऐसे भोजन का ऑर्डर दें,जो आपके लिए नुकसानदेह न हो।गर्मी के मौसम में ठंड पेय लेते समय ध्यान रखें कि ये कैमिकल युक्त न हों। आप जूस, शरबत, शिकंजी अधिक माता में ले सकते हैं।

निंदा से न घबराएं

रमा पिछले चालीस साल से आदर्श पत्नी की तरह घर और पति को पूर्णतया समर्पित होकर अपना जीवन बिता रही थीं। कहीं कोई शिकायत नहीं, लेकिन अब पति के रिटायर होने के बाद उनका व्यवहार अजीब हो गया है। पति तो अभी भी अपने हिसाब से चल रहे हैं। सुबह की वॉक, फिर गप गोष्ठी, स्नान–ध्यान के बाद नाश्ता, पेपर, टीवी और फोन।

आप कॉलेज के एक्स फ्रेंड से मिलकर उत्साहित हैं, लेकिन आपके पति को आपकी बातों में कोई रुचि नहीं। साफ दिख रहा है कि उन्हें जलन हो रही है। आपका ऑफिस का सहकर्मी देर शाम को फोन पर गपियाता है तो भी उन्हें अच्छा नहीं लगता। जब देखो उनकी (पति की) सहकर्मी फोन करके परेशान करती रहती है। किसी पार्टी में जाओ तो आकर चिपक जाती है। रमा पिछले चालीस साल से आदर्श पत्नी की तरह घर और पति को पूर्णतया समर्पित होकर अपना जीवन बिता रही थीं। कहीं कोई शिकायत नहीं, लेकिन अब पति के रिटायर होने के बाद उनका व्यवहार अजीब हो गया है। पति तो अभी भी अपने हिसाब से चल रहे हैं। सुबह की वॉक, फिर गप गोष्ठी, स्नान-ध्यान के बाद नाश्ता, पेपर, टीवी और फोन। दोपहर का भोजन, इसके बाद आराम, फिर शाम की चाय के साथ घूमना और सोशल वेलफेयर के कामों में हिस्सा लेना। मैं कहां हूं? मैं तो कभी रिटायर होऊंगी ही नहीं? लगा था कि जब यह खाली होंगे तब समय देंगे। वह तो आज भी उतने ही व्यस्त हैं। यह तकलीफ इतनी बढ गई कि उन्हें सलाह के लिए काउंसलर की मदद लेनी पडी।

दूसरी तरफ, अलका और आलोक हैं। पति आयु में बडा होने के नाते पत्नी से पांच साल पहले रिटायर हो गए। अब रोज पत्नी को तैयार होकर ऑफिस जाते देख उन्हें जलन होती। वह सहज नहीं हो पा रहे थे। आए दिन कोई न कोई ऐसा बखेडा खडा कर देते कि अलका ऑफिस न जा पाएं। हैरान थी अलका। इतना लंबा साथ गुजारने पर कभी कहीं कोई परेशानी नहीं आई। हर काम हर स्थिति में आलोक का पूरा सहयोग मिला। फिर अब ये कैसा व्यवहार, कैसी अपेक्षाएं व कुंठाएं थीं?

ये उदाहरण नहीं, आपके आसपास बिखरे अनेक अनुभव हैं। इस ईर्ष्या से जितनी पीडित पत्नियां है, उतने ही प्रताडित पति भी हैं। यह स्वाभाविक ईर्ष्या ही है जो प्रेम और रिश्तों में विश्वास की द्योतक है। लेकिन इसे स्वस्थ तरीके से लिया जाए तभी तक यह फायदेमंद है, अन्यथा बॉडिंग को कमजोर करने और रिश्तों को तोडने में भी यह सर्वोपरि है।

रिसर्च बताती हैं कि पुरुष हो या स्त्री, दोनों समान रूप से इस भावना से ग्रसित होते हैं। वास्तव में दोनों के भीतर भावनाओं को महसूस करने और जाहिर करने के तरीके फर्क होते हैं। जो कपल इस भावना और लिंग भेद के स्वाभाविक अंतर के पहलू को समझने लगते हैं वे इसे स्वस्थ तरीके से लेते हैं और उनके रिश्ते मधुर रहते हैं। यदि इस भावना को शांत रख अपने रिश्तों को बेहतर करना चाहते हैं तो कुछ उपाय अपनाने का प्रयास करें।

दूसरे की तरक्की से खुश हों

पति और पत्नी दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, प्रतियोगी नहीं। घर प्रतियोगिता का मैदान नहीं है जहां एक-दूसरे से आगे निकलने की होड मची हो। यह वह जगह है जहां आप दोनों के साझा प्रयासों से इस रिश्ते को निभाना ही नहीं, यादगार भी बनाना है। यदि एक भी आगे जा रहा है तो भी फायदा दोनों का है। एक की तरक्की में पूरे परिवार की भलाई है, यह याद रखें तो कभी जलन होगी ही नहीं। इसलिए इस तरक्की को मिल कर एंजॉय करें, दुखी हो माहौल को बोझिल न करें।

फैसला आपका था

जो जिंदगी आप जी रहे हैं वह किसी की थोपी हुई नहीं, आपका स्वयं का फैसला था। फिर उसके लिए दूसरे से जलना या दोष देना बेमानी है। हां, यह जरूर है कि कल्पना और वास्तविकता में अंतर होता है। सब कुछ वैसा ही नहीं मिलता जैसा आपने सोचा होता है।

कल्पना और हकीकत के फर्क को झेलने के लिए पहले से ही तैयार रहें तो कठिनाइयां हैरान नहीं करेंगी। याद रखें कि साथी आपका है चाहे जैसा भी है इसलिए उसी के अनुसार अपने को ढालें और समझौते के लिए तैयार रहें।

बॉन्डिंग मजबूत बनाएं

रिश्तों के बीच मजबूती इतनी होनी चाहिए कि कोई दूसरी भावना उसमें जबर्दस्ती प्रवेश न कर सके। करे तो भी घर न बना सके। एक-दूसरे से कम्युनिकेशन कर, प्रतिदिन क्वालिटी टाइम दें, दूसरे को सुन कर या कह कर आप अपने रिश्तों को बेहतर बना सकती हैं। रिश्ता यदि मजबूत हो तो कभी जलन होने का प्रश्न ही नहीं उठता। मुखर संवाद आपकी परेशानियों को आपके दिल और दिमाग पर हावी नहीं होने देते फिर जलन का तो सवाल ही नहीं उठता।

अहं को दूर रखें

रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यर्थ के भावों को उत्पन्न करने में ईगो का रोल महत्वपूर्ण है। वह मेरी बराबरी नहीं कर सकती या सकता। यह भावना ही व्यक्ति को परिवार व समाज से अलग कर देती है। सबसे पहले इसे दूर कर दें। एक बात और ध्यान रखें कि स्त्री और पुरुष एक जैसे कभी नहीं हो सकते। दोनों की शारीरिक संरचना के साथ भावनात्मक अंतर भी बहुत अधिक है। दोनों की आवश्यकताएं व क्षमताएं भी अलग हैं। इसलिए बराबरी का प्रश्न ही उचित नहीं है। स्त्री की दुनिया जहां कितनी भी बाहरी हो परिवार से भीतर तक जुडी रहती है वहीं पुरुष घर में रह कर भी बाहर का होता है। कामकाजी होने पर भी स्त्री अपने को घर से अलग नहीं कर पाती वहीं पुरुष यह काम आसानी से कर लेता है। इस अंतर को समझ लेंगे तो अहं नहीं टकराएंगे न ही जलन होगी।

पर्सनल लाइफ अलग रखें

सबसे यादा परेशानी तभी आती है जब घर और बाहर की दुनिया एक हो जाए। ईर्ष्या व द्वेष भी तभी उत्पन्न होता है। जहां तक संभव हो इन दोनों को एक-दूसरे पर हावी न होने दें। ऑफिस के काम व जिम्मेदारियां वहीं छोड कर आएं तथा घर की घर पर। व्यक्तिगत रिश्तों में समस्याएं तभी आती हैं जब सामने वाला अपने को उपेक्षित समझने लगे।

स्पेस दें

जब तक अपने को पर्याप्त समय नहीं देंगे तब तक नहीं जान पाएंगे कि समस्या है कहां। इसके लिए जरूरी है कि अपने को समय दें, मनन करें तथा अगली-पिछली सभी बातों पर गौर फरमाएं। इन सब उपायों के साथ अपने को धर्म और समाज से जोड कर रखें। ये भी गाहे-बेगाहे आपको संबल देते हैं। आस्था आपको गलत रास्ते पर चलने से बचाती है। ईश्वर में विश्वास आपका सबसे बडा संबल है। इससे आपको भीतर की शांति और ऊर्जा मिलती है।

क्या करें

1. अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से पहले दूसरे के मूड को समझ लें।
2. यदि कहीं समस्या नजर आ भी रही है तो चिल्लाने व चीखने से कुछ हासिल नहीं होगा। शांति से बैठ कर बात करें व समस्या दूर करने की कोशिश करें।
3. शादी का अर्थ एक-दूसरे के पर्सनल स्पेस को खत्म कर देना नहीं है। उन्हें अपनी मर्जी के काम भी करने दें।
4. नाराज होने के बजाय मजबूती से अपना पक्ष रखने की कोशिश करें।
5. अपने को सामने वाले की जगह रख कर देखने से कई बार स्थिति स्पष्ट हो जाती है।
6. आपकी इजत कोई नहीं करेगा जब तक कि आप अपनी इजत नहीं करेंगे।
7. असुरक्षा ईर्ष्या का आधार है। इसे पास न आने दें।
8. जो माफकरने और भूल जाने में यकीन रखते हैं वे खुश रहते हैं। खुशी कभी जलन को जन्म ही नहीं लेने देती।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2987

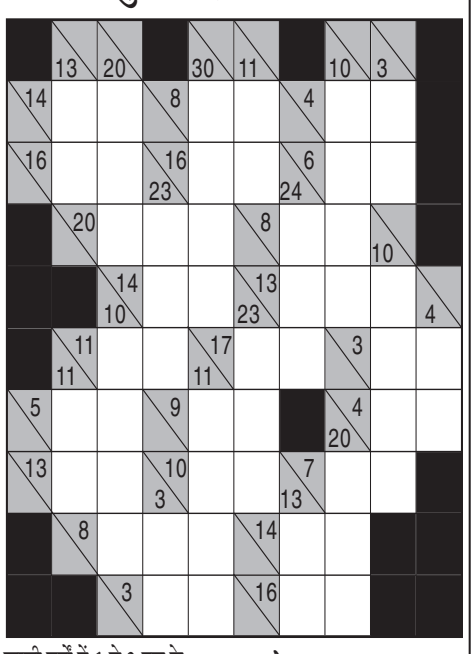

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2986 का हल

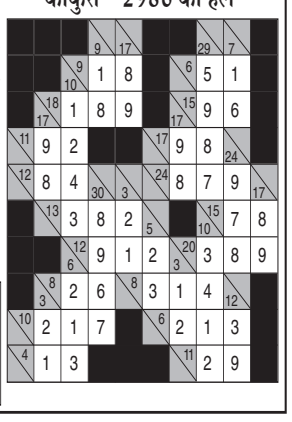

हंसी के फव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा-'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था,एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.'दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला-'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला-'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक-'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर-'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2987

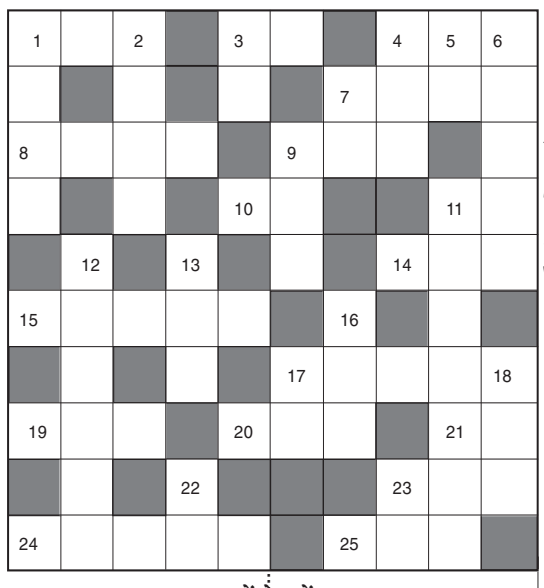

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2986

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	रा	ना		श	बा	ब		सं
	मी	ना		ना	रा	ज		दा	ता
आ	न		का		बी		ना	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

सूडोकु -2987

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2986 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 2987

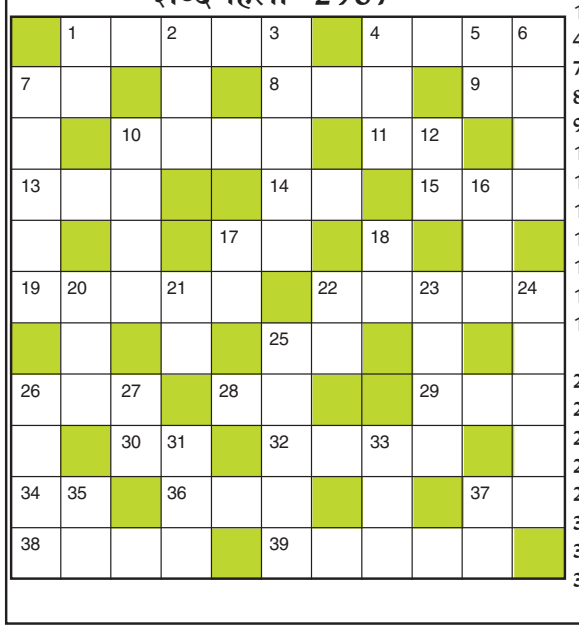

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -2986 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		ब
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

विश्वकप में आज होगा बांग्लादेश और नीदरलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्वकप में शनिवार को यहां के ईडन गार्डन मैदान पर नीदरलैंड और बांग्लादेश का मुकाबला होगा। ये दोनो ही टीम सेमीफाइनल में अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिये इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। ईडन गार्डन में ये इस बार विश्वकप में पहला मुकाबला है। बांग्लादेश और नीदरलैंड ने अब तक चार में से एक-एक मैच ही जीते हैं। ऐसे में दोनो के ही टूर्नामेंट में आगे जाने की बेहद कम संभावनाएं हैं। बांग्लादेश ने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हराया था पर इसके बाद वह हर मैच हारी है।

इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और मेजबान भारत के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भी उसे हराया है। बांग्लादेश के परेशानी ये है कि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। कप्तान शाकिब अल हसन का प्रदर्शन भी अबतक बेहद खराब रहा है। विश्व कप की चार पारियों में वह 56 रन ही बना सके हैं जबकि उन्होंने केवल छह विकेट ही लिए हैं। इसके अलावा बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांटो भी असफल रहे है। वहीं तौहीद हृर्दय ने तीन पारियों में सिर्फ 68 रन बनाए हैं। अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह ने 111 रन एक मैच में बनाये थे। लिटन दास ने दो अर्धशतक जमाए हैं। वहीं गेंदबाजी में तसकीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, हसन महमूद और मुस्ताफिजूर रहमान को मिलकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड की टीम ने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को हराकर

उलटफेर किया था पर इसके बाद उसे श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। अब देखना है कि वह बांग्लादेश के गेंदबाजों का किस प्रकार से सामना करती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

नीदरलैंड - स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओडोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोलोफ वान डेर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रेयान क्लेन, वेस्ली बारेसी, साकिब जुल्फिकार , शारिज अहमद और साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट।

बांग्लादेश - शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हसन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन : भारत के सात्विक-चिराग हारे, सिंधु मैच से हटीं

रेनेस (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। सात्विक और चिराग की तीसरी वरीय जोड़ी को पुरुष युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में मोहम्मद अहसान और हेंद्रा सेतियावान की इंडोनेशिया की जोड़ी के हाथों 23-25 21-19 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं भारत की ही बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु महिला एकल मुकाबले से हट गयीं। इससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। सिंधू को थाईलैंड की सुपानिदा केटथोंग के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद घुटने की चोट के कारण दूसरे दौर के मुकाबले के बीच में ही हटना पड़ा।

सिंधु ने पहला गेम 21-18 से जीता। वहीं दूसरे गेम में जब स्कोर 1-1 था तब उन्हें बाएं घुटने में दर्द हुआ। सिंधु ने चोट पर लगाने के साथ ही डॉक्टरी सलाह भी ली पर आराम नहीं मिलने पर उन्हें मैच से हटना पड़ा। सिंधु ने यहां पहले दौर में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को 12-21 21-18 21-15 से हराया था।

स्मिथ ने बताया अपनी सफलता का रहस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने विश्वकप में अपनी लय हासिल करने के तरीके के बारे में बताया है। स्मिथ शुरुआती चार मैचों में असफल रहे थे पर इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर लय हासिल की। स्मिथ को वर्तमान दौर के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह ऑस्ट्रेलिया के उन विशेष खिलाड़ियों में से एक हैं जो गति के साथ-साथ स्पिन खेलने में भी समान रूप से माहिर हैं। इसलिए दाएं हाथ के बल्लेबाज से मौजूदा विश्व कप 2023 के दौरान बड़ा प्रभाव डालने की उम्मीद थी जो पहली बार विशेष रूप से भारत में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि उनके अभियान की शुरुआत आशाजनक नहीं रही और पहली चार पारियों में केवल 72 रन बनाने के बाद उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ अपनी लय हासिल की। स्मिथ ने कहा कि पारंपरिक लेग-स्टंप गार्ड का उपयोग करने और अपनी पकड़ को नीचे से ऊपर की ओर बदलने से उनकी फॉर्म में वापसी में सहायता मिली।

स्मिथ ने कहा, मैं लेग स्टंप की ओर थोड़ा पीछे चला गया। मेरे हाथ

पिछले सप्ताह की तुलना में थोड़े ऊंचे हो गए हैं। किसी कारण से वे थोड़ा नीचे गिर गए हैं। मैंने इसे कल नेट्स में महसूस किया था और सबकुछ फिर से अपनी जगह पर आ गया। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुझे लगा कि मैं वास्तव में काफी कठिन सतह पर गेंद को अच्छी तरह से खेलकर वापसी कर रहा हूं और अच्छा खेल रहा हूं और फिर एक हफ्ते के लिए मैं थोड़ा खो गया। इस खिलाड़ी ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले मंगलवार को नेट्स पर बल्लेबाजी करने के बाद उन्हें अच्छा महसूस हुआ। स्मिथ ने कहा कि डच टीम के खिलाफ अपने अर्धशतक के दौरान वह अच्छी स्थिति में आ रहे थे और उम्मीद है कि वह विश्व कप 2023 में आने वाले खेलों में इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे।

एशियाई चैम्पियनशिप : राइफल निशानेबाज अर्जुन-तिलोत्तमा को रजत, हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता और तिलोत्तमा सेन ने कोरिया के चांगवोन में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप में पुरूषों और महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शुक्रवार को रजत पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। 24 वर्ष के बाबुता, दिव्यांश सिंह पंवार और हृदय हजारिका ने 1892.4 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। बाबुता ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले भारत के नौवें निशानेबाज बन गए।

महिला और पुरूष वर्ग में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाले वह छठे राइफल निशानेबाज बन गए। 15 वर्ष की तिलोत्तमा ने महिलाओं के फाइनल में 252.3 अंक बनाकर भारत के लिए दसवां कोटा हासिल किया। वह स्वर्ण पदक से मामूली अंतर से चूक गई। कोरिया की युंजी क्वोन ने 252.4 अंक के साथ स्वर्ण जीता। भारत की ही रमिता को कांस्य पदक मिला।

भारतीय निशानेबाजों ने राइफल में सात कोटा स्थान, शॉटगन में दो और पिस्टल में एक कोटा

हासिल किया है। दस मीटर एयर राइफल में इससे पहले रूद्रांक्ष पाटिल ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। एक स्पर्धा में एक देश को अधिकतम दो कोटा स्थान मिल सकते हैं। बाबुता ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 251.2 अंक बनाए। वह क्वालीफिकेशन में 633.4 स्कोर करके शीर्ष रहे थे। भारत के दिव्यांश पंवार 209.6 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 632.3 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था। रविशंकर कार्तिक और रूद्रांक्ष फाइनल में जगह नहीं बना सके। टीम स्पर्धा में भारत ने स्वर्ण, चीन ने रजत और जापान ने कांस्य जीता।

एशियन पैरा गेम्स : भारत की शीतल ने जीता स्वर्ण

हांगझू । यहां जारी एशियन पैरा गेम्स 2023 में भारत की महिला तीरंदाज शीतल देवी ने स्वर्ण पदक जीता है। शीतल ने सरिता के साथ जोड़ी बनाते हुए महिला टीम की ओर से रजत जबकि राकेश कुमार के साथ मिश्रित वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा एक स्वर्ण एकल मुकाबले में जीता। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के लोइधर गांव की 16 वर्ष की शीतल देवी ने इस सप्ताह देश के लिए तीरंदाजी में दो पदक जीते हैं। शीतल ने मुंह और पैरों की सहायता से ये कमाल किया है। वो अपने दाहिने पैर से धनुष को पकड़ती हैं और संतुलित करती है। वहीं अपने दाहिए कंधे से जुड़े एक मैनुअल रिलीजर का इस्तेमाल करके स्ट्रिंग को पीछे खींचती हैं और 50 मीटर दूर लक्ष्य को भेदने के लिए मुंह में रखे ट्रिगर का इस्तेमाल करती हैं। इस दौरान वह पूरे समय अपने बाएं पैर के बल सीट पर खुद को सीधा रखती हैं।

टीम एक इकाई के तौर पर खेले तो ही बेहतर होता है प्रदर्शन : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम के एक इकाई के तौर पर खेलने से प्रदर्शन का बेहतर होना तय है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में अब तक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम अब रविवार को लखनऊ में गत चैंपियन इंग्लैंड का सामना करेगी। रोहित ने ये भी कहा कि जीत के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी होती है। इस दौरान कप्तान के तौर पर उनका प्रयास होता है कि सभी की आवश्यकता को समझते हुए काम करें। इस दौरान वह सभी की पसंद और नापसंद को जानने का भी प्रयास करते हैं। इसका कारण है कि क्रिकेट एक टीम गेम है और इसमें सभी को मिलकर प्रयास करना होता है। उन्होंने कहाहम यह भी समझते हैं कि जब आप चैंपियनशिप, बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं, तो हर किसी को पार्टी में आना होगा और अपनी भूमिका निभानी होगी। इसलिए, यह अहम है कि आप सभी को अच्छी मानसिक स्थिति में रखें। इसलिए, हर किसी की बात सुनना, या समझना बहुत जरुरी होता है कि वे क्या चाहते हैं और कैसे काम करना चाहते हैं।

धोनी ने संन्यास लेने के कारणों को बताया

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने तीन साल के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के कारणों का खुलासा किया है। धोनी ने कहा कि साल 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से टीम के हार के बाद ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि वह अब खेल को अलविदा कर देंगे। साल 2019 विश्व कप में भारत की हार के बाद एक साल से अधिक समय तक मैदान से दूर रहे ओर फिर 15 अगस्त 2020 को उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी।

यहां एक कार्यक्रम में धोनी ने कहा कि सेमीफाइनल के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह भारत के लिए उनका आखिरी मैच था। उन्होंने कहा, जब आप एक करीबी मैच हार जाते हैं तो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है। मेरे लिए, वह आखिरी दिन था जब मैंने भारत के लिए क्रिकेट खेला। मैंने एक साल बाद संन्यास लिया, लेकिन तथ्य यह है कि उस दिन मैं सेवानिवृत्त हो गया था।

वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हैं और उन्होंने 2023 में अपनी टीम को 5वें खिताब जिताया है। इतना ही नहीं उन्होंने प्रशंसकों से कहा है कि वह आईपीएल 2024 में भी वापसी करेंगे।

दो बार पिछड़ने भारत की शानदार वापसी, पाकिस्तान को ड्रा पर रोका

जोहोर बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां 3-3 से ड्रॉ पर रोका।

भारत की तरफ से अमनदीप लाकड़ा (30वें मिनट), आदित्य अर्जुन लालेज (56वें) और उत्तम सिंह (59वें) ने गोल करके टीम के लिए एक अंक सुनिश्चित किया। पाकिस्तान के लिए अरबाज अहमद (31वें, 58वें) और अब्दुल शाहिद (49वें) ने गोल किए। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में दोनों टीमों ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया। दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले यह टूर्नामेंट सभी टीमों के लिए कड़ी परीक्षा होगा।

भारत को गोल करने का पहला मौका 12वें मिनट में मिला लेकिन अंगद बीर सिंह का शॉट निशाने पर नहीं लगा। पहले

क्वार्टर में दोनों टीम ने बहुत अधिक आक्रामकता नहीं दिखाई लेकिन उनका रक्षण अच्छा रहा। पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में दमदार शुरुआत की और पहले मिनट में ही पेनल्टी हासिल की लेकिन भारतीय टीम ने उसका अच्छा बचाव किया। भारत को भी इसके बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

ड्रैग फ्लिकर अमनदीप ने हालांकि मध्यांतर से ठीक पहले भारत को बढ़त दिला दी लेकिन छोर बदलने के बाद पहले मिनट में ही अबराज अहमद ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद हमलावर तेवर अपनाए। पूवाना बॉबी चंदूरा ने 39वें मिनट में गोल पर अच्छा शॉट लगाया लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर अली रजा ने उसे बचा लिया।

तीसरे क्वार्टर के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। पाकिस्तान के कप्तान अब्दुल शाहिद ने 49वें मिनट में भारतीय गोलकीपर मोहित को छकाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने इसके एक मिनट बाद पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह उसे गोल में नहीं बदल पाया। जब खेल समाप्त होने में पांच मिनट का समय बचा था तब भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर आदित्य ने रिबाउंड पर गोल किया। अरबाज ने हालांकि जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पाकिस्तान को फिर से आगे कर दिया। उत्तम ने अंतिम हूटर बजने से एक मिनट पहले मैदानी गोल करके भारत को बराबरी दिलाई। भारत अपना अगला मैच शनिवार को मलेशिया से खेलेगा।

सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे से फिर बन सकते हैं पाक टीम के कप्तान

कराची। विश्वकप में इस बार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम सबके निशाने पर हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विश्वकप के बाद होने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी जगह पर सरफराज अहमद, मुहम्मद रिजवान या शाहीन शाह आफरीदी को कप्तान बनाया जा सकता है। पाक टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन टेस्ट मैच खेलेगी। सरफराज अभी विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं पर वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के विजेता कप्तान हैं और पिछले अनुभवों को देखते हुए उन्हें एक बार फिर सफेद और लाल गेंद क्रिकेट दोनों में कप्तानी की भूमिका निभाने मिल सकती है जबकि शाहीन को टी20 की कमान दी जा सकती है। ये भी माना जा रहा है आजम कप्तानी का दबाव महसूस कर रहे हैं और एक बल्लेबाज के रूप में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

वहीं अगर टीम किसी प्रकार सेमीफाइनल में पहुंच जाती है तक भी बाबर को केवल लाल गेंद प्रारूप में कप्तानी के लिए भेजा जा सकता है। बाबर की अधिक आलोचना का कारण ये भी है कि उन्हें कप्तान के रूप में सारी ताकत और अधिकार दिए गए पर वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। टीम में हमेशा उनकी पसंद के खिलाड़ी रहे हैं। उनके अधिकार को कम करने का कभी कोई प्रयास नहीं किया गया है और इसलिए अब एशिया कप और विश्व कप में हार के लिए बाबर को पूरी तरह से जिम्मेदार माना जा रहा है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ ने ऑस्ट्रेलिया दौरे और टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए मुख्य चयनकर्ता इंजमाम-उल-हक और पूर्व खिलाड़ियों मुहम्मद यूसुफ और आकिब जावेद से मुलाकात की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

धर्मशाला (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। कमिंस ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मिली जीत से उनकी टीम उत्साहित है और अब लय में भी आ गयी है। कप्तान के अनुसार टीम अब अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने भी लगी है। उन्होंने माना कि विश्वकप में इस बार उनकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे शुरुआती मुकाबलों में भारत और दक्षिण अफ्रीका से पहले हार का सामना करना पड़ा पर इसके बाद टीम ने इसके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि अब हम अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने लगे हैं। बल्लेबाजों का भी अब शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। उन्हें डच टीम के खिलाफ केवल 40 गेंद में शतक लगाने वाले ग्लेन मैक्सवेल की भी जमकर प्रशंसा की। कमिंस ने मान है कि न्यूजीलैंड की टीम अच्छी है पर उन्होंने धर्मशाला में पहले खेला है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। साथ ही कहा कि हम इस मुकाबले का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। वहीं मैक्सवेल ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ पारी से उनका भी मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मैच के हालात के अनुरूप खेलता चला गया। कुछ सोचकर नहीं उतरा था। कुछ फैसले अच्छे रहे। अपने को समय दिया और आत्मविश्वास मिला।

फीडे ग्रांड स्विस शतरंज - अर्जुन की लगातार दूसरी जीत, करूआना हुए 2800 के पार

डगलस , आइल ऑफ मैन । फीडे ग्रांड स्विस में दूसरे राउंड में भारत के अर्जुन एरिगासी नें लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए सयुंक्त बढ़त बना ली है। अर्जुन के अलावा यूएसए के टॉप सीड करूआना फबियानों, रूस के आन्द्रे एसीपेंकों नीदरलैंड के एमी इर्विन ,सर्बिया के अलेक्सी सराना और अलेक्ज़ेंडर प्रेडके और कजाकिस्तान के रमज़ान ज़हलमखनोव अपने दोनों मैच जीतने में सफल रहे है। दूसरे दिन अर्जुन का सामना स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी डेविड अंटोन से था और काले मोहरो से खेलते हुए इंग्लिश ओपनिंग में 40 चालों में जीत दर्ज की । दूसरा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों में करूआना नें हमवतन नीमन हंस मोके को , प्रेडके नें पोलैंड के यान डूडा को ,एर्विन नें स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव को एसीपेंकों नें कजाकिस्तान के रीनात जुमाब्येव को , सराना नें इंग्लैंड के रॉयल श्रेयस को और रमज़ान नें मिश्र के अमीन बासेम को पराजित किया । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में एसएल नारायनन नें उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से ,अरविंद चितांबरम नें यूएसए के सेमुयल सेवियन से , रौनक साधवानी नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा से , डी गुकेश नें उक्रेन के रुसलान पोनोमरियोव से , प्रज्ञानन्दा नें रूस के मुरजिन वोलोदर से,आर्यन चोपड़ा नें जर्मनी के विन्सेंट केमर से, निहाल सरीन नें अदयीन सुलेमानली से बाजी ड्रॉ खेली । महिला वर्ग में दिव्या देशमुख को टॉप बोर्ड पर चीन की पूर्व विश्व चैम्पियन तान ज्होंगाई से हार का सामना करना पड़ा जबकि आर वैशाली नें नीदरलैंड की एलिन रोबर्स से , हरिका द्रोणावल्ली नें हंगरी होंग त्रांग से , तानिया सचदेव नें जर्मनी की दिनारा वैगनर से बाजी ड्रॉ खेली । जबकि सविता श्री को बुल्गारिया की अंटोनेता स्टेफ़नोवा से तो वन्तिका अग्रवाल को इन्डोनेशिया की औलिया मेडिना से हार का सामना करना पड़ा ।

हार्दिक की गैर मौजूदगी ने अश्विन का चयन किया मुश्किल, कोहली को करनी पड़ सकती है गेंदबाजी

लखनऊ (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन को तीसरे स्पिनर के तौर पर लखनऊ में उतारने का फैसला आसान होता लेकिन स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी ने भारतीय टीम प्रबंधन को रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप के मैच से पहले सोचने पर मजबूर कर दिया है। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले तीसरे तेज गेंदबाज हार्दिक अंतिम एकादश को संतुलन देते हैं। धर्मशाला में उनकी गैर मौजूदगी में भारतीय टीम में दो बदलाव करने पड़े थे। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की थी।

हार्दिक के रहने से भारत के पास गेंदबाजी के छह विकल्प होते हैं लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रहे इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम पांच गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। हार्दिक की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी और सूर्यकुमार यादव को मौका दिया गया जबकि शार्दुल ठाकुर को बाहर रखा गया था। रोहित शर्मा एंड कंपनी ने 9 अलग अलग स्थानों पर 9 लीग मैचों में हालात के अनुरूप टीम के चयन की रणनीति अपनाई है।

स्पिनरों की मददगार पिच पर अश्विन उनकी पसंद है लेकिन सपाट पिच पर शार्दुल को चुना जाता है। हार्दिक की अनुपस्थिति में यह मुश्किल हो गया है। लखनऊ में अगर अश्विन को उतारा जाता है तो भारत के पास दो ही विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रह जाएंगे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज और शमी में से एक को चुनना होगा। शमी ने धर्मशाला में पांच विकेट लेकर ड्रेसिंग रूम में चयन की दुविधा बढ़ दी है।

भारत के पूर्व चयनकर्ता और स्पिनर शरणदीप सिंह का मानना है कि हार्दिक की गैर मौजूदगी में भी भारत को छठा गेंदबाजी विकल्प रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हार्दिक रहे या नहीं रहे, गेंदबाजी में छठा विकल्प होना चाहिए। बुमराह का खराब दिन होने या कुलदीप के महंगा साबित होने पर उसकी जरूरत पड़ेगी। छठा गेंदबाज नहीं होने पर विराट कोहली को दो या तीन ओवर डालने पड़ सकते हैं।'

पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है : मोहन भागवत

सहारनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि धर्म सभी को मिलजुलकर रखता है। सारी दुनिया का धर्म एक है। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है। इसका अंत होगा, तो सृष्टि समाप्त हो जाएगी। संत भी अलग-अलग संप्रदाय के होते हैं लेकिन अंदर से सब एक हैं। अंदर और बाहर से पवित्रता जरूरी है। संघ के सर संघचालक हाल ही में यहां कस्बा सरसावा में श्री कृष्ण ज्ञान मंदिर के रजत जयंती महोत्सव एवं श्रीकृष्ण मंदिर के भूमि पूजन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने भूमि पूजन करवाया। उन्होंने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि सम्प्रदाय और पंथ अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सभी का धर्म एक है। धर्म की रक्षा करोगे, तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। श्रीमद् भागवत गीता में भारत के जीवन का सार है जिसमें कहा गया है कि कुशलतापूर्वक काम करो। जो भी करो उत्तम करो। जीवन में किसी भी स्थिति से भागना नहीं है। डटकर मुकाबला करना है। स्थिति बदलती रहती है। व्यक्ति को श्रद्धा, दान और त्याग की भावना रखनी होगी। जो भी करो वह उत्तम होना चाहिए। जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, इनका मुकाबला करो। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। प्रकृति के साथ चलें, यह धर्म की आवश्यकता है। दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जो दुष्ट हैं, उनसे घबराना नहीं है। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है। सभी को साथ लेकर चलें। संत समाज ने भी पंथ को अलग किया है, लेकिन धर्म में कोई भी भेद नहीं कर सकता है। पहले सनातन संस्कृति और धर्म की स्थापना हुई, उसके बाद ही पंथ और सम्प्रदाय बने। सम्प्रदाय का अर्थ देना है और धर्म सभी को जोड़कर चलने की शिक्षा देता है।

ममता के मंत्री गिरफ्तार, पश्चिम बंगाल में मचा सियासी घमासान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कई घोटाले हैं जिनकी जांच सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां कर रहीं है। आए दिन कोई न कोई नेता इनकी रडार पर आ जाता है। शुक्रवार को टीएमसी नेता और राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को 20 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। राशन वितरण घोटाले के आरोपी मलिक का यह मामला उस वक्त का है जब वे खाद्य मंत्री थे। मलिक की गिरफ्तारी पर पश्चिम बंगाल में राजनीति शुरु हो गई है। टीएमसी ने इस कार्रवाई को पश्चिम बंगाल संस्कृति पर हमला बताया है। वहीं भाजपा ने भी पलटवार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब टीएमसी के नेता गले गले तक भ्रष्टाचार में डूबे तो कार्रवाई तो होगी। इसमें तकलीफ क्या है। ईडी के अधिकारियों ने कई करोड़ रुपए के कथित राशन वितरण घोटाले के संबंध में जांच के सिलसिले में मलिक के परिसरों पर गुरुवार को तड़के छापेमारी शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित राज्य के वन मंत्री मलिक के दो फ्लैट पर केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से छापा मारा। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने राशन वितरण में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में पश्चिम बंगाल के वन मंत्री और पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को 20 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें शुक्रवार सुबह करीब 3.23 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से पहले मलिक ने कहा था, मैं एक गंभीर साजिश का शिकार हूं। मैं यही कह सकता हूं। अधिकारी ने बताया कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के मकानों सहित आठ अन्य फ्लैट पर भी छापेमारी की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने कहा, मलिक के आवासों पर आठ अधिकारी छापे मार रहे हैं। हम उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मलिक के साथ कथित तौर पर करीबी संबंध हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ संबंध को लेकर मलिक से पूछताछ की जा रही है और मंत्री के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की गोलीबारी के कारण शादियां बाधित

श्रीनगर। पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा अकारण की जा रही गोलीबारी के कारण जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के गांवों में दर्जनों शादियां प्रभावित हुईं और मजबूरी में विवाह से जुड़े रीति-रिवाजों में अंतिम समय में कुछ बदलाव करने पड़े। आर एस पुरा सेक्टर में इशांत सैनी और संगीता की शादी के दौरान पाकिस्तान द्वारा की गयी भारी गोलाबारी के कारण अधिकतर मेहमानों को दावत बीच में ही छोड़नी पड़ी। पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा सीमा पार से की गयी भारी गोलीबारी, 2021 के बाद सेसंघर्ष विराम उल्लंघन की पहली बड़ी घटना है, अरनिया क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात लगभग आठ बजे शुरू हुई यह गोलीबारी लगभग सात घंटे तक चली। इसने 25 फरवरी, 2021 को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए नए संघर्ष विराम समझौते से पहले सीमा पार से होने वाली लगातार और भारी गोलीबारी की यादें ताजा कर दीं।

संजय सिंह को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 10 नवंबर तक के लिए बढ़ाया न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 10 नवंबर तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिंह को अपने पारिवारिक खर्चों के साथ-साथ संसद सदस्य के रूप में अपने काम के लिए कुछ चेक पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी। न्यायाधीश ने संबंधित जेल अधिकारियों को सिंह के निजी डॉक्टर सहित उचित इलाज सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्हें ईडी ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। सिंह को न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज अदालत में लाया गया था। इससे पहले उन्हें 13 अक्टूबर को आज तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिंह को जेल भेजने का आदेश दिया था जब जांच एजेंसी ने उन्हें ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया था। 20 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने संजय सिंह की रिमांड और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। आप नेता ने पहले उच्च न्यायालय को बताया था कि उनकी गिरफ्तारी अवैध, दुर्भावनापूर्ण और 卐सत्ता को विकृत करने का क्लासिक मामला卐 थी, और इसलिए उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

फेमा मामले में वैभव गहलोत ने पेश होने के लिए ईडी से मांगा 30 अक्टूबर तक का समय

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और कांग्रेस नेता वैभव गहलोत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फेमा मामले में तलब किया था। वह

शुक्रवार को एजेंसी के सामने पेश नहीं होंगे और उन्होंने 30 अक्टूबर तक का समय मांगा है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, वैभव ने एजेंसी को पत्र लिखकर पेश होने के लिए और समय मांगा है। सूत्र ने कहा कि उन्होंने ईडी को लिखा है कि वह 30 अक्टूबर को एजेंसी के सामने पेश होंगे। गुरुवार को, अशोक गहलोत ने ईडी द्वारा उनके बेटे को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में उसके सामने पेश होने के लिए जारी किए गए समन को साझा किया था। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को राजस्थान में राज्य इकाई प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा के परिसरों और उनके बेटे को समन सहित ईडी की तलाशी के समय पर सवाल उठाते हुए भाजपा सरकार की भी आलोचना की है। राजस्थान में 200 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

भारत को पूर्ण समुद्री उपस्थिति स्थापित करने के लिए चुनौतियों से पार पाना जरूरी : राष्ट्रपति मुर्मू

चेन्नई (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपनी समुद्री क्षमता का पूरा उपयोग कर सकता है लेकिन इससे पहले उसे बुनियादी ढांचा और देश के बंदरगाहों की संचालनगत चुनौतियों से निपटने सहित कई चुनौतियों से पार पाने की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र पार करने के बारे में रूढ़िवादी सोच और आशंकाएं हमें महंगी पड़ीं, लेकिन अंततः भारत 200 वर्षों के औपनिवेशिक शासन के चंगुल से बाहर आ गया। यह महाद्वीपीय विकास पर अधिक केंद्रित हो गया, जबकि महाद्वीपीय विकास और नौवहन विकास परस्पर पूरक हैं। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू), चेन्नई के आठवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, 'निसंदेह, हमारे पास पूरी तरह से एक मजबूत समुद्री उपस्थिति स्थापित करने के लिए आर्थिक और औद्योगिक संसाधनों की भी कमी थी।' उन्होंने कहा कि देश इस क्षेत्र की संभावनाओं का पूरी तरह से लाभ उठा पाए, उससे पहले भारत को कई चुनौतियों से पार पाना होगा।

मुर्मू ने कहा, 'उदाहरण के लिए गहराई संबंधी प्रतिबंधों के कारण कई मालवाहक जहाजों को पास के विदेशी बंदरगाहों की ओर मोड़ दिया जाता है। व्यापारिक और नागरिक जहाज निर्माण उद्योग में हमें दक्षता, प्रभावशीलता और प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों का लक्ष्य रखना होगा।' उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों

की परिचालन दक्षता और (जहाजों के) लौटने के समय के वैश्विक औसत मानक से मेल खाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब वार्षिक पत्तन की बात आती है तो देश शीर्ष 20 देशों में शामिल नहीं होता है। दुनिया भर के 50 सर्वश्रेष्ठ कंटेनर बंदरगाहों की सूची में भारत के केवल दो ही ऐसे बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाहों को अगले स्तर पर पहुंचने से पहले निश्चित रूप से बुनियादी ढांचा एवं संचालनगत चुनौतियों से निपटना होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे मछली पकड़ने के अधिकतर जहाज अब भी मशीनीकृत किए जाने बाकी हैं। इस संदर्भ में 'पत्तन विकास' से 'पत्तन आधारित विकास' की दिशा में 'सागरमाला' कार्यक्रम उल्लेखनीय कदम रहा है।'

अस्पताल में उपचाराधीन कांग्रेस नेता हरीश रावत को सीबीआई का नोटिस

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने स्टिंग मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को नोटिस जारी किया। श्री रावत ने स्वयं अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा,卐आज जौलीग्रांट हॉस्पिटल में मेरे स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए एक बड़ी महत्वपूर्ण संस्था भी आई। सीबीआई के दोस्त आये और उन्होंने मुझे एक नोटिस सर्व किया, तो मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ। मैंने कहा जिस दिन हॉस्पिटल में लोग स्वास्थ्य का हाल-चाल पूछने आ रहे हैं तो सीबीआई को लगा होगा फिर कहीं कि मुझसे, देश की अखंडता, एकता, सुरक्षा और लोकतंत्र को कुछ ज्यादा खतरा है, इसलिये हॉस्पिटल में ही उन्होंने मुझे नोटिस सर्वे किया है। वाह सीबीआई !!' उल्लेखनीय है कि हाल ही में कांग्रेस नेता का वाहन उधमसिंह नगर जिले में दुर्घटना ग्रस्त हो गया था जिसमें वह घायल हो गए। इस समय उनका उपचार हिमालयन अस्पताल, जौलीग्रांट (देहरादून) में चल रहा है। जहां परीक्षण में उनके पसली और कमर में चोट की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिन अस्पताल में रुकने की सलाह दी है। इसी दौरान, आज उन्हें सीबीआई की ओर से यह नोटिस रिसीव कराया गया।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के पास जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का साहस नहीं: उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने दावा किया है कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का साहस नहीं है और यदि संसदीय चुनाव कराना अनिवार्य नहीं होता, तो ये चुनाव भी नहीं कराए जाते।

अब्दुल्ला ने कहा, 'उन्होंने (भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने) उच्चतम न्यायालय में कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों के चुनाव होंगे, लेकिन इस बारे में कोई अधिसूचना नहीं है। करगिल (एलएएचडीसी-करगिल) चुनावों में सामने आने वाली चुनौतियां पूरे जम्मू-कश्मीर में और बढ़ेंगी।' उन्होंने कहा, 'आखिरी बार विधानसभा चुनाव 2014 में हुए थे। हम पांच साल से राज्यपाल शासन के अधीन हैं। वर्ष 2019 के बाद महत्वपूर्ण सुधारों के दावे किए गए हैं। यदि ऐसा है, तो चुनाव में देरी क्यों?'

अब्दुल्ला ने दावा किया कि मतदाताओं का सामना करने को लेकर डर के कारण भाजपा चुनाव नहीं करना चाहती और वह सार्वजनिक रूप से दिखाती है कि उसमें आत्मविश्वास है, लेकिन उसके नेताओं में स्पष्ट रूप से डर व्याप्त है। उन्होंने बृहस्पतिवार की शाम को पुंछ जिले में संवाददाताओं से कहा, 'वे जनता की भावना से भलीभांति परिचित हैं। संसदीय चुनाव कराना उनके लिए अनिवार्यता है। अगर उनके लिए बाध्यता नहीं होती तो वे संसदीय चुनाव भी कतई नहीं कराते।'

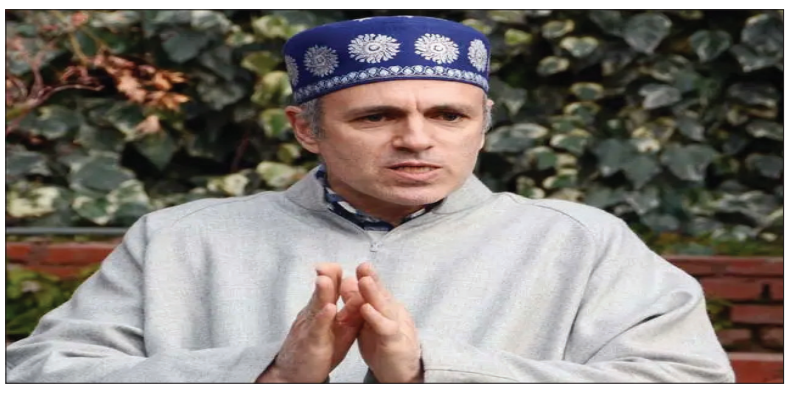

उन्होंने कहा, 'वे लोगों का सामना करने से कतराते हैं। संसदीय चुनाव से पहले कोई पंचायत, बीडीसी (ब्लॉक विकास परिषद), डीडीसी (जिला विकास परिषद), शहरी स्थानीय निकाय या विधानसभा चुनाव नहीं होंगे।' अब्दुल्ला ने कहा, 'एलएएचडीसी (लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद)-करगिल चुनाव के नतीजों ने उनकी आशंकाओं को सही साबित कर दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 26 में से 22 सीटें हासिल कीं। यहां तक कि चुनाव में जीतने वाले दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी हमें अपना समर्थन दिया।' अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के दिहाड़ी मजदूरों को आश्वासन दिया कि चुनाव अपरिहार्य हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सत्ता में आने पर उनकी सेवाओं को नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आश्वस्त रहें, चुनाव देर-सवेर होंगे ही। एक बार जब नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनेगी, तो हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।'

अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि जम्मू के सांसद ने लोगों के कल्याण को कभी प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा, 'अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार का सावधानीपूर्वक चयन करें। मैं इस संसदीय सीट के 16 से 17 विधानसभा क्षेत्रों में हर वर्ग से जुड़ूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि हर किसी की आवाज सुनी जाए।' उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं विचार-विमर्श के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला को उम्मीदवारों की सिफारिश करूंगा। चुने गए उम्मीदवार को आप सभी का पूरा समर्थन मिलेगा।'

महुआ मोइत्रा के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम दुबे की जगह दुबई कर दिया : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों का सामना कर रही महुआ मोइत्रा को लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने अपना पक्ष रखने के लिए 31 अक्टूबर को बुलाया था। लेकिन, महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर को पत्र लिखकर यह बताया कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में पहले से निर्धारित कार्यक्रमों के कारण 4 नवंबर से पहले दिल्ली नहीं आ सकती इसलिए समिति उन्हें 5 नवंबर के बाद कभी भी पेश होने का समय दे दे।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ स्पीकर को शिकायत देने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एथिक्स कमेटी के चेयरमैन को लिखे महुआ मोइत्रा के उसी पत्र के पहले पेज को शेयर करते यह कटाक्ष किया कि महुआ ने उनके नाम (सरनेम) 'दुबे' की जगह 'दुबई' लिख दिया और इससे उनकी मानसिक स्थिति का पता चलता है। दुबे ने महुआ मोइत्रा के पत्र की उसी गलती को अंडरलाइन करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'आरोपी सांसद के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम एथिक्स कमेटी के चेयरमैन को लिखे पत्र में दुबई कर दिया है, मोहतरमा ने मेरा दुबे नाम बदलकर अपने मानसिक स्थिति का वर्णन कर दिया है, हाय रे कस्मित?' निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा को नियमों की याद दिलाते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'दुबई दीदी ने कुछ लोगों को क्रॉस एक्जामिनेशन के लिए कहा, लोकसभा के नियमों ख़ासकर कौल-शकधर किताब के पेज 246 के तहत विटनेस कोर्ट, कचहरी, हल्ला गुल्ला से प्रोटेक्टेड है। खाता ना बही, दुबई दीदी जो कहे, वही सही। जबाब राष्ट्रीय सुरक्षा व भ्रष्टाचार का चाहिए, यहां तो अखाड़ा की तैयारी है।'

तेलंगाना को लेकर खड़गे की अध्यक्षता में तीसरी बार हुई सीईसी की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में लगभग एक माह शेष रहने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए तीसरी बार पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक की अध्यक्षता की। पार्टी नेताओं के मुताबिक, खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, राज्य इकाई प्रमुख ए.रेवंत रेड्डी, उत्तम रेड्डी, राज्य प्रभारी माणिक राव ठाकरे, सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क मल्लू और अन्य भी उपस्थित थे। पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस नेताओं की उम्मीदवारी पर विस्तृत चर्चा हुई।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में बाकी उम्मीदवारों पर भी मुहर लगाई जाएगी और आने वाले दिनों में नेतृत्व उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करेगा। 15 अक्टूबर को, कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा के लिए 55 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की, जिसमें डॉ. कोटा नीलिमा को सनथनगर विधानसभा क्षेत्र से, जुपल्ली कृष्ण राव को कोल्लापुर से, पार्टी के सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क मल्लू को मधुर एससी आरक्षित सीट से मैदान में उतारा गया। तेलंगाना विधानसभा के लिए मतदान 30 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

हमास को लेकर शशि थरूर ने ऐसा क्या कह दिया, शुरू हो गया विवाद, सीपीआई एम नेता ने उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद शशि थरूर उस समय विवादों में घिर गए जब उन्होंने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की रैली में अपने भाषण के दौरान 7 अक्टूबर के हमास हमलावरों को आतंकवादी कहा। आईयूएमएल की रैली फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए आयोजित की गई थी। सीपीआई (एम) नेता एम स्वराज ने कहा कि थरूर ने जो किया वह आईयूएमएल की कीमत पर इज़राइल एकजुटता बैठक थी।

हमास समर्थक समूहों और वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के हमलों का सामना करने के बाद, शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि 27 अक्टूबर को फिलिस्तीन समर्थक रैली में उनकी टिप्पणियों के कारण हुए विवाद के बारे में जानकर वह हतप्रभ थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने ऐसा करना चुना। इज़राइल-हमास संघर्ष पर उनके 32 मिनट के भाषण के एक छोटे से हिस्से पर ध्यान दें।शशि थरूर ने केरल के कोझिकोड हवाईअड्डे पर मलयालम में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मैं उन लोगों द्वारा मुझ पर किए गए हमलों के बारे में जानकर कुछ हद तक चकित हूं।ॉ

उन्होंने कहा कि अगर फ़िलिस्तीनी लोगों के मानवाधिकारों के प्रति मेरे समर्थन को नकारने के लिए बस इतना ही ज़रूरी है, तो मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। थरूर की टिप्पणी हमास समर्थक समूहों और वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के तीव्र सोशल मीडिया हमलों के बाद आई है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने कोझिकोड में फिलिस्तीन एकजुटता रैली का आयोजन किया था। यह रैली गाजा पर इजरायली हमलों के कारण महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की कथित अंधाधुंध हत्याओं की निंदा करने के लिए आयोजित की गई थी।

बारिश से एक्यूआई बेहतर हो सकता: राजधानी में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में सर्दी की दस्तक के साथ ही वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। आशा हैं कि अगर बारिश हो जाए तो दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई बेहतर हो सकता है। लिहाजा, ये सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बारिश से असल में हवा साफ हो जाती है? अगर हां, तो बारिश ऐसा क्या कर देती है कि हवा साफ सुथरी हो जाती है? आमतौर पर जब बारिश होती है तो हवा में मौजूद धूल कण उसकी ओर आकर्षित होकर जैल बना लेते हैं। हवा में मौजूद इन कणों को एरोसोल या एयर मॉल्यूक्यूल्स कहा जाता है। इन कणों में कालिख, सल्फेट्स और कई तरह के कार्बनिक कण होते हैं। ये कण वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होते हैं।

बारिश की बूंदें और एरोसोल आपस में आकर्षित होकर जुड़कर धरती पर गिरते है। फिर पानी के साथ बह जाते हैं या धरती इन्हें सोख लेती है। अब सवाल उठता है कि ये प्रक्रिया कैसे होती है? जैसे ही बारिश की बूंद वायुमंडल में गिरती है, तो जमीन से टकराने के पहले सैकड़ों छोटे एयर मॉल्यूक्यूल्स को अपनी सतह पर आकर्षित कर सकती है। शोध में पाया गया है कि बारिश की बूंदें जितनी छोटी होंगी, हवा में मौजूद प्रदूषण के कणों को उतना ज्यादा आकर्षित करेंगी।

कई बार ये प्रक्रिया बादल की ऊंचाई और बारिश की तेजी पर भी निर्भर करती है।शोध में कहा गया है कि हर बारिश की बूंद आवेशित होती है। लिहाजा, बूंद वायुमंडल में मौजूद तमाम आवेशित कणों के साथ मिलकर जैल बनाती हैं। साफ है कि बारिश एयर पॉल्यूशन को नीचे ले आती है। हवा में तैरने वाले खतरनाक कण ही हवा में जहर घोलते हैं। यही कण सर्दी शुरू होने पर स्मॉग बनाते हैं। हवा में घुलकर ये स्मॉग दृश्यता कम करने के साथ ही आसमान में धुआं सा बना देता है। ये स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है।शुद्ध हवा में किसी भी तरह के प्रदूषक नहीं होते। इसमें दुर्गंध और धूल के कण भी नहीं होते। हवा में ऑक्सीजन की मात्रा 100 या 50 फीसदी नहीं होती, बल्कि करीब 21 फीसदी ही होती है। इसके बाद वायुमंडल में दूसरी सबसे ज़?यादा पाई जाने वाली गैस नाइट्रोजन होती है।

वायुमंडल में करीब 78 फीसदी नाइट्रोजन होती है। बाकी गैसें एक फीसदी से कम मात्रा में होती हैं। ऑक्सीजन पृथ्वी की ऊपरी परत में सबसे ज्यादा होती है। ये पृथ्वी

की ऊपरी परत का करीब 46.6 फीसदी हिस्सा होती है।बारिश होने तक ये कण हल्के होकर हवा में उड़ते रहते हैं। बारिश के संपर्क में आकर जैल बनाते हैं और धरती पर गिर जाते हैं। इसीलिए बारिश के बाद आमतौर पर हवा साफ हो जाती है। साफ हवा में नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन, हीलियम, ओजोन, निऑन, जेनान, जलवाष्प के कण शामिल होते हैं।

30 अक्टूबर को गवाही देने के लिए तैयार सुंदर पिचाई

सैन फ्रांसिस्को । सुंदर पिचाई 30 अक्टूबर को अमेरिका बनाम गूगल एंटी-ट्रस्ट मामले में गवाही देने के लिए तैयार हैं। पिचाई अमेरिकी न्याय विभाग और राज्य अटॉर्नी जनरल के गठबंधन द्वारा लाए गए मुकदमे में चल रहे अविश्वास मुकदमे में गवाही देने वाले हैं। उनका आरोप है कि गूगल ने सर्च इंजन बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया है। पिचाई उन पहले गवाहों में से एक हैं, जिन्हें गूगल ने अपने अविश्वास बचाव के लिए बुलाया है, जो गुरुवार को आधिकारिक तौर पर शुरू हुआ। गूगल के शीर्ष कार्यकारी प्रभाकर राघवन ने मामले में गवाही दी और कई प्रमुख मुद्दों पर बात की। एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर गूगल द्वारा दिए गए जोर के बारे में गवाही दी, इस धारणा पर विवाद किया कि गूगल का खोज उत्पाद अमेरिका के अलावा अन्य देशों में उच्च गुणवत्ता वाला है, जहां इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। राघवन ने गवाही दी कि गूगल को अमेजन और टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। वह न्याय विभाग के गूगल के वन-स्टॉप शॉप के दृष्टिकोण से असहमत हैं, क्योंकि उनका मानना है कि उपयोगकर्ता अपनी खोजों के बारे में ऐसा नहीं सोचते हैं। खोज में याहू के प्रभुत्व के बारे में 1998 के एक लेख के बारे में पूछने पर, राघवन ने कहा कि उन्हें पता है कि एक्सपेडिया.कॉम से लेकर इंस्टाग्राम और टिकटॉक तक के प्रतिद्वंद्वी उपयोगकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पिचाई को रिपोर्ट करने वाले राघवन ने कहा, मुझे इस बात का गहरा अहसास है कि मैं अगला रोडकिल नहीं बनूंगा।

इजरायल से जंग के बीच हमास ने मुस्लिम समाज से की ये अपील

गाजा। इजरायल और हमास की जंग बीते 20 दिन से जारी है. गाजा पट्टी पर इजरायल द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों के बाद वहां हालात बदतर होते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने कहा है कि फिलिस्तीन में हमले का असर आम जन-जीवन पर पड़ रहा है, जिसकी वजह से जीवन रक्षक संसाधनों, विशेष रूप से ईंधन की किल्लत हो गई है। इस बीच हमास ने इस्लामिक देशों के लोगों से अपील की है। हमास ने फिलिस्तीनियों, अरबों और मुसलमानों से राफा बॉर्डर क्रॉस खोलने के लिए शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। हमास ने लिखा, हमास का लक्ष्य गाजा पट्टी में नागरिकों, बच्चों और महिलाओं की जान बचाने के लिए क्रॉसिंग खोलने और तत्काल राहत और चिकित्सा सहायता और ईंधन लाने के लिए हर तरह से दबाव डालना है। हमास ने लोगों से कहा कि वे राफा क्रॉसिंग खोलें और गाजा के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को रोकें नारे लगाएं। बता दें कि इजरायल और हमास की जंग बीते 20 दिन से जारी है। इन हमलों के बाद वहां हालात बदतर होते जा रहे हैं। जिसकी वजह से जीवन रक्षक संसाधनों, विशेष रूप से ईंधन की किल्लत हो गई है। कई ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जहां गाजा निवासी पेट्रोल के लिए कतार में खड़े हैं। ईंधन की कमी के बीच लोग लकड़ी से आग जलाकर चूल्हे पर खाना बना रहे हैं।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का हार्ट अटैक से निधन, 68 की उम्र में ली अंतिम सांस

बीजिंग। चीन में आर्थिक सुधारों का समर्थन करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का निधन हो गया है। गुरुवार को उन्हे दिल का दौरा पड़ा और शुक्रवार की रात को शंघाई के एक अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। खबरों के मुताबिक, उन्हें पुनर्जीवित करने के सभी प्रयास किए गए लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। 68 वर्षीय ली पिछले साल सेवानिवृत्त होने तक वह सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति थे। सत्ता का कोई आधार न होने के बावजूद ली पार्टी में आगे बढ़े और एक समय तो उन्हें राष्ट्रपति की शीर्ष भूमिका के लिए भी चुना गया था। चीनी प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद ली को 2013 की फोर्ब्स की दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में 14वां स्थान दिया गया था। ली को पूर्व नेता हू जिंताओ के साथ जुड़ा हुआ देखा गया था, जिन्हें शी के आदेश पर पिछले साल की पार्टी कांग्रेस में मंच से हटा दिया गया था। ली की मृत्यु पर ऑनलाइन व्यापक रूप से शोक व्यक्त किया जा रहा है, चीनी सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने कहा कि यह हमारे घर का एक स्तंभ खोने जैसा है। ली को उनके मजबूत आर्थिक ट्रैक रिकॉर्ड के लिए याद किया जाएगा।बता दें कि ली 2013 से 2023 तक चीन के प्रधानमंत्री पद पर भी रह चुके हैं। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें शुरू में चीन की अर्थव्यवस्था की बागडोर सौंपी गई थी, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि जैसे-जैसे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सत्ता हासिल की, उनके करियर के अंत में उन्हें किनारे कर दिया गया।

रूस समर्थक पूर्व यूक्रेनी सांसद को लगी गोली, हालत गंभीर

रूसी अधिकारी ने शुक्रवार को कहा रूसी समर्थक पूर्व यूक्रेनी सांसद ओलेग त्सारियोव, जिनके बारे में बताया गया था कि रूस के आक्रमण के बाद कीव में कठपुतली प्रशासन का नेतृत्व करने के लिए मास्को ने उन्हें तैयार किया था। वो गोली लगने के बाद गहन देखभाल में हैं। अधिकारी व्लादिमीर रोगोव ने यह नहीं बताया कि गोलीबारी कहाँ हुई थी। दक्षिणी यूक्रेन में रूस में स्थापित एक वरिष्ठ अधिकारी रोगोव ने कहा कि ओलेग की हालत बहुत गंभीर है। वह फिलहाल गहन देखभाल में है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, रूढ़िवादी ईसाई विश्वासियों से ज़ारोव के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा। सूत्रों ने पिछले साल रॉयटर्स को बताया था कि पिछले साल 24 फरवरी को मॉस्को की सेना के आक्रमण के बाद रूस कीव में कठपुतली सरकार का नेतृत्व करने के लिए ज़ारोव को आगे बढ़ा रहा था। आक्रमण से पहले जब फाइनेंशियल टाइम्स ने अमेरिकी खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए इसकी रिपोर्ट दी, तो ज़ारोव ने खुद उस संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने उस समय फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि यह विचार 'काफ़ी मज़ेदार' था क्योंकि वह सिर्फ क्रीमिया में एक वेलनेस व्यवसाय चला रहे थे और 'पर्याप्त महत्वपूर्ण नहीं' थे।

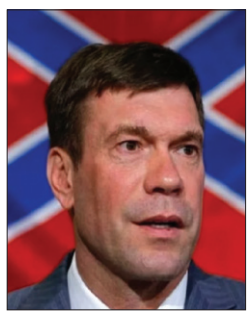

पाकिस्तान में जनवरी 2024 में समय पर होंगे आम चुनाव : आयोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने शुक्रवार को कहा कि देश में आम चुनाव निर्धारित समय जनवरी 2024 के आखिरी सप्ताह में होंगे। आयोग ने कहा, ''चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के प्रकाशन के बाद चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जायेगी। चुनावों के निर्धारित समय से आगे बढ़ाने की कोई संभावना नहीं है।' आयोग के अनुसार परिसीमन का पहला चरण पूरा हो चुका है और आपत्तियां दाखिल करने का दूसरा चरण कल तक पूरा हो जाएगा। आयोग 30 और 31 अक्टूबर से प्रारंभिक परिसीमन के संबंध में आपत्तियों पर सुनवाई शुरू कर देगा। तीस नवंबर को अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। ईसीपी ने कहा कि आम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतिम प्रकाशन के बाद की जाएगी।

सुल्तान इब्राहिम को नियुक्त किया गया नया राजा, अल-सुल्तान अब्दुल्ला की लेंगे जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। शासकों की मुहर के संरक्षक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सुल्तान इब्राहिम 31 जनवरी, 2024 को वर्तमान राजा अल-सुल्तान अब्दुल्ला से पदभार ग्रहण करेंगे। मलेशिया के शाही परिवारों ने दक्षिणी राज्य जोहोर के शक्तिशाली और मुखर सुल्तान इब्राहिम सुल्तान इस्कंदर को देश का अगला राजा चुना। मलेशिया में राजा एक बड़े पैमाने पर औपचारिक भूमिका निभाता है, लेकिन लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता के कारण हाल के वर्षों में राजशाही अधिक प्रभावशाली हो गई है, जिसने निवर्तमान राजा को विवेकाधीन शक्तियों का शायद ही कभी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है।

मलेशिया में एक अनूठी प्रणाली है जिसमें उसके नौ शाही परिवारों के मुखिया बारी-बारी से पांच साल के कार्यकाल के लिए राजा बनते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देश एक संसदीय लोकतंत्र है, जिसमें राजा राज्य के प्रमुख के रूप में कार्य करता है। शासकों की मुहर के संरक्षक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, सुल्तान इब्राहिम 31 जनवरी, 2024 को वर्तमान राजा अल-सुल्तान अब्दुल्ला से पदभार ग्रहण करेंगे। अन्य पारंपरिक मलेशियाई शासकों के विपरीत, सुल्तान इब्राहिम राजनीति के बारे में मुखर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि उनके प्रधान मंत्री अनवर इब्राहिम के साथ अच्छे संबंध हैं।

सुल्तान लक्जरी कारों और मोटरसाइकिलों के एक बड़े संग्रह के लिए जाना जाता है, के पास रियल एस्टेट से लेकर खनन तक व्यापक व्यावसायिक हित हैं। राजा अल-सुल्तान ने देश के अंतिम तीन प्रधानमंत्रियों को चुनकर मलेशियाई राजनीति में असामान्य रूप से सक्रिय भूमिका निभाई। संघीय संविधान राजा को केवल कुछ विवेकाधीन शक्तियाँ प्रदान करता है, जिसमें राजा को बड़े पैमाने पर प्रधान मंत्री और कैबिनेट की सलाह पर कार्य करना होता है। यह राजा को एक प्रधान मंत्री नियुक्त करने की भी अनुमति देता है जिसके बारे में उनका मानना ??है कि उसके पास संसदीय बहुमत है, एक ऐसी शक्ति जिसका उपयोग 2020 तक कभी नहीं किया गया, क्योंकि प्रधान मंत्री को आम तौर पर चुनाव के माध्यम से चुना जाता है।

ब्रिटिश सरकार की गलती का खामियाजा भुगत रहे पीओके के लोग, कश्मीरी एक्टिविस्ट ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के राजनीतिक कार्यकर्ता प्रोफेसर सज्जाद राजा ने गुरुवार को ब्रिटिश संसद में कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर विवाद में वैध पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि पीओके में लोगों के साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें जम्मू-कश्मीर में मिलने वाली सुविधाओं का अधिकार है। कुछ ब्रिटिश सांसदों सहित अन्य वक्ताओं ने कश्मीरी पंडितों के संघर्ष और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रगति के बारे में बात की। सज्जाद राजा और वक्ता ब्रिटिश संसद में 26 अक्टूबर, 1947 को तत्कालीन रियासत के भारत में विलय की 76वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर, जम्मू और कश्मीर दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। सज्जाद राजा ने ब्रिटिश संसद में कही गई बात पर एक्स पर पोस्ट किया कि मैंने बहुत स्पष्ट रूप से और बिना किसी अस्पष्टता के सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के विवाद में एक वैध पक्ष नहीं है। राजा ने कहा कि विवाद में केवल दो पक्ष हैं, जम्मू-कश्मीर के लोग और भारत। सज्जाद राजा की पोस्ट में कहा गया कि मैंने सांसदों से यह भी कहा कि हम, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लोग 1947 में ब्रिटिश सरकार द्वारा की गई गलतियों के कारण अभी भी पीड़ित हैं और बिना किसी अधिकार के रहने को मजबूर हैं। अपने द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में, सज्जाद राजा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पाकिस्तान को भारत सरकार द्वारा यह वैधता दी गई है। राजा ने पूछा कि अगर मैं हाथ में बंदूकें लेकर इस कमरे में प्रवेश करूँ और जगह घेर लूँ, तो क्या आप मुझे एक वैध पक्ष मानेंगे, जब इस बात पर विचार किया जा रहा है कि मुझे इस संसद कक्ष से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए? अभी भी देर नहीं हुई है और पाकिस्तान को हमें सभी बुनियादी मानवाधिकार देने के लिए मजबूर होना होगा।

इट हाउस पैनल ने नई ग्रीन कार्ड आवेदन का किया ऐलान, भारतीयों को कैसे इससे होगा फायदा

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेशी पेशेवरों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीयों को एक बड़ी राहत देते हुए व्हाइट हाउस आयोग ने आवेदन प्रसंस्करण प्रणाली के प्रारंभिक चरण में एक रोजगार प्राधिकरण कार्ड और अन्य आवश्यक यात्रा दस्तावेज जारी करने की सिफारिश की है। यदि नई घोषणा लागू होती है, तो 80 लाख से अधिक आवेदकों को लाभ होगा, जिनमें अधिकतर भारतीय हैं। इसमें वे आवेदक शामिल होंगे जो 5 साल से अधिक समय से बैकलॉग में हैं और उन्होंने 2018 में अपना आवेदन जमा किया था।

एशियाई अमेरिकी, मूल निवासी हवाईयन और प्रशांत द्वीपसमूह (एएएनएचपीआई) मामलों के लिए व्हाइट हाउस आयोग ने गुरुवार को इस सिफारिश को मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव को अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा अनुमोदित किए जाने की आवश्यकता है और अनुमान लगाया जा रहा है कि कार्यान्वयन में 18 महीने से अधिक समय लग सकता है।

ग्रीन कार्ड अनुशंसा लाभार्थी

प्रस्ताव के अनुसार, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (डीएचएस यूएससीआईएस) को उन व्यक्तियों को रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज (ईएडी) और यात्रा दस्तावेज देना चाहिए, जिन्होंने ईबी-1, ईबी में आई-140 रोजगार-आधारित वीजा याचिकाओं को मंजूरी दे दी है। -2, ईबी-3 श्रेणियां और पांच या अधिक वर्षों से वीज़ा बैकलॉग में प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह इस बात पर ध्यान दिए बिना होगा कि क्या उन्होंने स्थिति के समायोजन के लिए आवेदन दायर किया है।

बंधकों को रिहा करने को तैयार हमास, ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी- इस आग से अमेरिका भी नहीं बचेगा

तेल अवीव (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन ने कहा कि हमास इस शर्त पर बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है कि 6,000 फिलिस्तीनी, जो वर्तमान में इजरायली जेलों में हैं, उन्हें भी रिहा किया जाएगा। उन्होंने मध्य पूर्व पर 193 सदस्यीय महासभा की बैठक में कहा कि हमारी बातचीत के अनुसार, हमास नागरिक कैदियों को रिहा करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, दुनिया को इजरायली जेलों में बंद 6,000 फिलिस्तीनियों की रिहाई का समर्थन करना चाहिए।

अमीराबदोल्लाहियान ने कहा कि हमास ने ईरान को समूह की स्थिति के बारे में सूचित किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमीरबदोल्लाहियन ने अपने भाषण में चेतावनी भी जारी करते हुए कहा कि अगर 7 अक्टूबर को इजरायल में हमास के हमले के जवाब में इजरायल के रॉकेट गाजा पट्टी में हमला बंद नहीं करते हैं, तो अमेरिका इस आग से नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि मैं अमेरिकी राजनेताओं से, जो अब फिलिस्तीन में नरसंहार का प्रबंधन कर रहे हैं, स्पष्ट रूप से कहता हूं कि हम इस क्षेत्र में युद्ध के विस्तार का स्वागत नहीं करते हैं। लेकिन अगर गाजा में नरसंहार जारी रहा तो वे इस आग से बच नहीं पाएंगे।

अमीराब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान कतर और तुर्की के साथ महत्वपूर्ण मानवीय प्रयास में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से, 6,000 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई वैश्विक समुदाय की एक और आवश्यकता और जिम्मेदारी है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र से कहा था कि हालांकि वे ईरान के साथ संघर्ष नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर ईरान या उसके प्रतिनिधि कहीं भी अमेरिकी कर्मियों पर हमला करते हैं तो वाशिंगटन तेज और निर्णायक कार्रवाई करेगा।

जेल में मेरे जान लेने की हो सकती है कोशिश, पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान का दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि जेल में 'धीमे जहर' के माध्यम से उनके जीवन पर एक और प्रयास किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने देश छोड़ने से इनकार कर दिया है। चूंकि मैं अपना देश छोड़ने के लिए सहमत नहीं होऊंगा, इसलिए निश्चित रूप से, एक खतरा है कि वे (देश के शक्तिशाली हिस्सों का संदर्भ) मेरे जेल में रहने के दौरान मेरे जीवन पर एक और प्रयास करने की कोशिश करेंगे। ऐसा खान ने अपने परिवार द्वारा साझा किए गए और शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किए गए संदेश में कहा कि धीमी गति से जहर देने का प्रयास भी हो सकता है। 71 वर्षीय खान सिफर मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। यह कहते हुए कि इस समय वह शारीरिक रूप से फिट हैं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने कहा कि मुझे

पता चल जाएगा कि क्या मेरा शरीर कमजोरी से बदलाव का अनुभव कर रहा है। लेकिन वे पहले ही मेरी जान लेने के दो सार्वजनिक प्रयास कर चुके हैं। एक्स पोस्ट के माध्यम से खान का दावा उस दिन आया है जब पाकिस्तान की एक अदालत ने सिफर मामले में जमानत और पहली एफआईआर रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिकाएं खारिज कर दीं। पिछले साल मार्च में वाशिंगटन में देश के दूतावास द्वारा भेजे गए एक गुप्त राजनयिक केबल (सिफर) का खुलासा करने के लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद खान को अगस्त में गिरफ्तार किया गया था।

संरा महासचिव द्वारा घोषित नए एआई परामर्श निकाय में भारत के प्रख्यात प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। कृत्रिम मेधा (एआई) के संचालन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा घोषित एक नए वैश्विक सलाहकार निकाय में भारत के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को नामित किया गया है।

एक बयान के अनुसार, बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र प्रमुख द्वारा एआई पर घोषित उच्च-स्तरीय बहुपक्षीय सलाहकार समिति में निकाय, सरकार, निजी क्षेत्र, अनुसंधान समुदाय, नागरिक संस्था और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह समिति जोखिमों पर वैश्विक वैज्ञानिक सहमति बनाने, चुनौतियों, सतत विकास लक्ष्यों के लिए एआई के उपयोग में मदद तथा एआई के संचालन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है।

परामर्श समिति के सदस्यों में प्रौद्योगिकी पर महासचिव के राजदूत अमनदीप सिंह गिल, इंडिया स्टैक, हेल्थ स्टैक और अन्य डिजिटल सार्वजनिक सामान की अवधारणा रखने वाले एक गैर लाभकारी प्रौद्योगिकी विचार समूह आईएसपीआईआरटी फाउंडेशन के सह-संस्थापक शरद शर्मा और हगिंग फेस, इंडिया में प्रमुख अनुसंधानकर्ता नाजनीन रजनी शामिल हैं। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए गुतारेस ने कहा, 'हमारे इस चुनौतीपूर्ण समय में एआई मानवता के लिए असाधारण प्रगति में सहायक हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'संकट का अनुमान लगाने और उनका समाधान करने से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं शिक्षा सेवाओं को शुरू करने तक, एआई सभी स्तरों पर सरकारों, नागरिक संगठन और संयुक्त राष्ट्र के काम के दायरे को बढ़ा सकता है तथा विस्तारित कर सकता है।' गुतारेस ने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एआई पुरानी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने और उन लोगों तक सीधे सेवाएं पहुंचाने की संभावना प्रदान करता है जहां जरूरतें बड़ी हैं और जिन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

प्रौद्योगिकी पर महासचिव के दूत के रूप में नियुक्ति से पहले अमनदीप सिंह गिल जिनेवा के 'ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड डेवलपमेंट स्टडीज' में स्थित 'इंटरनेशनल डिजिटल हेल्थ एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च कोलैबोरेटिव (आई-डीएआईआर)' परियोजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। इससे पहले वह डिजिटल सहयोग पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की उच्च-स्तरीय समिति (2018-2019) के कार्यकारी निदेशक और सह-प्रमुख थे।

गिल जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन (2016-2018) में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि थे। शरद शर्मा ने टेल्टियर टेक्नोलॉजीज की सह-स्थापना भी की, जो एक वायरलेस इंफ्रास्ट्रक्चर स्टार्टअप है जो अब सिस्को का हिस्सा है। उन्होंने भारत के पहले आईपी-केंद्रित कोष, 'इंडिया इनोवेशन फंड' की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की वित्तीय और नियामक प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य रहे हैं और %एसेट टोकनाइजेशन% पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) की विशेषज्ञ समिति और जी20 के विचार समूह थिंकटैंक20 (टी20) समूह के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर कार्यबल के अध्यक्ष रहे हैं। नाजनीन रजनी हगिंग फेस में मुख्य अनुसंधानकर्ता रही हैं, जो 'एआई सेफ्टी एंड एलाइनमेंट' में विशेषज्ञता रखती हैं। उन्हें लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) की मजबूती और मूल्यांकन में एक विशेषज्ञ और विचारक नेता के रूप में पहचाना जाता है।

दुनिया के सामने आया पाकिस्तान का दोहरा चरित्र, गाजा के लिए मानवता की दुआई, अपने देश से अफगान शरणार्थियों से देश छोड़ने को कह रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। गाजा पट्टी पर इजरायली फौज के आक्रमण के बीच एक ओर पाकिस्तान जहां मानवता की दुहाई दे रहा है। जहां गाजा पट्टी में रह रहे 23 लाख लोगों के लिए रहम करने की अपील कर रहा है, वहीं अपने ही देश में रह रहे 17 लाख शरणार्थियों के लिए कसाई जैसा बर्ताव कर रहा है। पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने अवैध अप्रवासियों, खासकर अफगान शरणार्थियों को 31 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। 31 अक्टूबर की समय सीमा के बाद ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी और निर्वासन की चेतावनी भी दी है। पाकिस्तान के कदम पर अफगान अधिकारियों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। कई देशों, मानव अधिकार समूहों और अंतरराष्ट्रीय निकायों ने पाकिस्तान से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। इस माह की शुरुआत में, पाकिस्तान ने 17 लाख अफगान नागरिकों सहित दस्तावेज नहीं रखने वाले सभी अप्रवासियों को समय सीमा तक पाकिस्तान छोड़ने, या कारावास व निर्वासन का जोखिम उठाने की चेतावनी दी थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में बुगती का हवाला देकर कहा, इस वर्ष देश में हुए 24 आत्मघाती बम विस्फोटों में से 14 के लिए अवैध अफगान नागरिक जिम्मेदार थे। पाकिस्तान के लोगों की सुरक्षा सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी और सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाकिस्तान में रहने वाले अवैध अप्रवासियों से स्वेच्छा से अपने देश लौटने का आग्रह करते हुए बुगती ने कहा कि सरकार ने इसतरह के व्यक्तियों को वापस भेजने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

बुगती ने कहा कि अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए देश भर के विभिन्न शहरों में केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने वालों क मदद की जाएगी। बुगती को उद्धृत करते हुए कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है (लेकिन) पाकिस्तान सभी अवैध अप्रवासियों को निष्कासित करने के लिये संकल्पित है।

बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ की अध्यक्षता वाली एक शीर्ष समिति की बैठक में सभी अवैध आप्रवासियों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और अन्य लोग शामिल हुए थे। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि सीमा पार आवाजाही पासपोर्ट और वीजा के अधीन होगी, जबकि इलेक्ट्रॉनिक अफगान पहचान पत्र (या ई-तजकिरा) केवल 31 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने प्रांतों के साथ-साथ इस्लामाबाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं और अवैध अप्रवासियों को चिकित्सा सुविधाएं और भोजन प्रदान किए जाएंगे। बुगती ने आश्वासन दिया कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाएगा।

विविध भूमिकाओं को निभाने की क्षमता है बरखा में

एक्ट्रेस बरखा सिंह ने खुद को एक असाधारण प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है। विविध भूमिकाओं को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और बिगेस्ट बॉर्न-ऑन-वेब सनसनी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत करती है। बरखा सिंह ने कई वेब-आधारित श्रृंखलाओं में अपने यादगार किरदारों के साथ एक अमिट छाप छोड़ी है। आइए उनके पांच असाधारण प्रदर्शनों पर गौर करें जो रेखांकित करते हैं कि वह कहानी कहने के सभी प्लेटफार्मों और प्रारूपों में सबसे आशाजनक प्रतिभा क्यों हैं-बरखा सिंह मसाबा मसाबा 2 में आयशा की भूमिका निभाती हैं, जो सतह के नीचे गर्म दिल के साथ एक आधुनिक, आत्मविश्वासी चरित्र का चित्रण करती है। बरखा चतुराई से सूक्ष्मता और मुखरता के बीच संतुलन बनाती है, आवश्यकता पड़ने पर सहजता से स्क्रीन पर नियंत्रण रखती है। सोनल अरोड़ा के रूप में बरखा सिंह का प्रदर्शन कहानी में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। वह सहजता से अपने किरदार में डूब जाती है, अपनी भावनात्मक सीमा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है और उन्हें रहस्य से भरी कहानी से बांधे रखती है। इंजीनियरिंग गर्ल्स में साबू के रूप में बरखा सिंह की भूमिका युवा दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। शैक्षणिक जीवन और मित्रता की जटिलताओं को पार करते हुए एक कॉलेज छात्रा का उनका चित्रण दर्शकों को पसंद आया, जिससे श्रृंखला युवाओं के बीच हिट हो गई। बरखा स्क्रीन पर प्रामाणिकता लाती है और कॉलेज जीवन के सार को खूबसूरती से पेश करती है। माजामा में बरखा अपने प्रदर्शनों की सूची में एक और रोमांचक वृद्धि का वादा करती है। अभिनेत्री ने एक खुले विचारों वाली महिला की भूमिका निभाई जो बदलावों को स्वीकार करती है। वह एक अच्छी बेटी और प्यारी लड़की थी, जो दिल से मजबूत थी। जैसा कि बरखा नए क्षेत्रों में कदम रख रही है, यह स्पष्ट है कि उसकी प्रतिभा की कोई सीमा नहीं है, और दर्शक उसकी परियोजनाओं की पाइपलाइन के साथ एक और सम्मोहक प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।

मामी फेस्टिवल के लिए मुंबई पहुंचीं 'देसी गर्ल'

'ग्लोबल स्टार' प्रियंका चोपड़ा कई महीनों के बाद मुंबई आई हैं। आज सुबह पपराजी ने उन्हें एयरपोर्ट पर देखा। बहन परिणीति चोपड़ा की शादी में प्रियंका शामिल नहीं हुईं लेकिन अब वह मामी फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने पहुंची हैं। यह फेस्टिवल आज से शुरू हो रहा है और यह फिल्म फेस्टिवल 5 नवंबर तक चलने वाला है। प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक ब्लैक क्रॉप टॉप, ग्रे पैंट, ब्लैक जैकेट था। साथ ही गले में 'मालती' नाम का पेंडेंट भी आकर्षक था। जैसे ही प्रियंका एयरपोर्ट से बाहर आईं, पपराजी ने उन्हें घेर लिया। नेटिज़ेंस ने देखा कि एक्ट्रेस इस बार थोड़ी घबराई हुई लग रही थीं। साथ ही प्रियंका को अकेले आते देखा गया और उनके साथ बेटी मालती मैरी नहीं होने से प्रशंसक निराश हो गए। प्रियंका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में वेब सीरीज 'सिटाडेल' में नजर आई थीं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'लव अगेन' में भी मुख्य भूमिका निभाई। अब वह आने वाली फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' और 'इट्स ऑल कमिंग बैक टू' में नजर आएंगी।

फिल्म 'रामायण' में हनुमान के किरदार में दिखेंगे सनी देओल

बॉलीवुड के प्रिय अभिनेताओं में शुमार सनी देओल ने तीन दशक में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। कुछ महीने पहले रिलीज हुई सनी देओल की 'गदर-2' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। अब खबर आई है कि सनी देओल नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में हनुमान का किरदार निभाएंगे। कहा जाता है कि इस रोल के लिए सनी ने काफी बड़ी रकम ली है। जानकारी के अनुसार फिल्म 'रामायण' में 'हनुमान' के किरदार के लिए सनी देओल को कास्ट किया गया है। खबर है कि हनुमान के किरदार के लिए सनी ने 45 करोड़ की रकम चार्ज की है। कुछ दिनों पहले उन्होंने 'रामायण' से जुड़ी एक फिल्म में काम करने की इच्छा भी जताई थी। फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर प्रभु राम और सीता के किरदार में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आएंगी। सीता के रोल के लिए पहले आलिया भट्ट के नाम पर चर्चा चल रही थी, लेकिन किसी वजह से उन्होंने इस फिल्म से नाम वापस ले लिया है। कहा जा रहा है कि 'केजीएफ' फेम एक्टर यश रावण का किरदार निभाएंगे। इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। 'रामायण' फिल्म 2024 में रिलीज होने वाली है।

रोहित शेट्टी ने फिल्म सिंघम 3 की शूटिंग की झलक शेयर की

बॉलीवुड फिल्मकार रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म 'सिंघम 3' की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। रोहित शेट्टी इन दिनों फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग में बिजी हैं। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग की दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कार और ट्रक में आग लगी हुई नजर आ रही है। फिल्म की शूटिंग की तस्वीरों को शेयर करते हुये रोहित शेट्टी ने लिखा , 'वर्क इन प्रोग्रेस...' हैसटैग के साथ सिंघम अगेन लिखा हुआ है। फिल्म 'सिंघम 3' में अजय देवगन,करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। वहीं, इस फिल्म में रणवीर सिंह और अक्षय कुमार कैमियो रोल में नजर आएंगे।

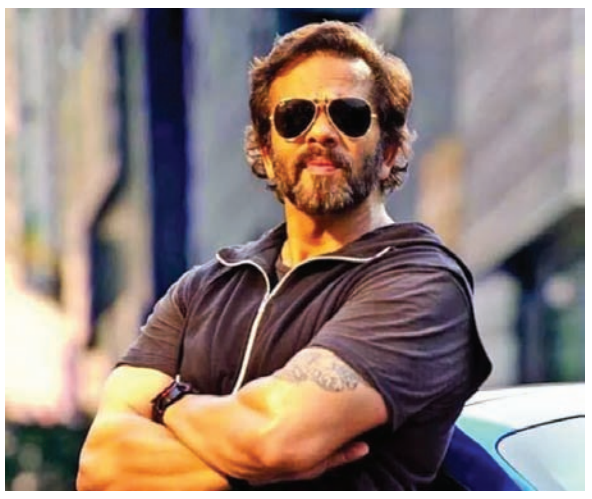

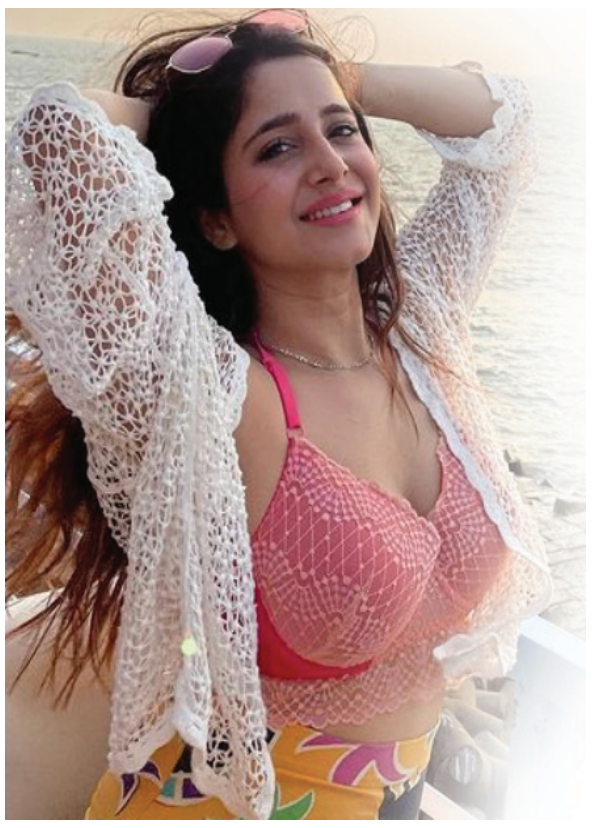

केट शर्मा ने बैकलेस ड्रेस पहन पार की सारी हदें

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना होश खो बैठते हैं। हाल ही में केट शर्मा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर लोगों का दिल मचल दिया है। एक्ट्रेस केट शर्मा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उनका स्टाइलिश फैशन सेंस अक्सर लोगों क बीच ट्रेंड करता है। हाल ही में एक्ट्रेस केट शर्मा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी स्टनिंग और हॉट लग रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपने बोल्ड लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। केट शर्मा जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट में अपलोड करती हैं तो अक्सर इंटरनेट का पारा हाई हो जाता है। एक्ट्रेस केट शर्मा बखूबी जानती है कि उन्हें कैसे फैंस का दिल जीतना है। हालांकि वो अपने लुक्स से अक्सर फैंस का दिल मचल देती हैं। अभिनेत्री ने इस फोटोशूट के दौरान अपनी परफेक्ट टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दिए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते है केट शर्मा ने खुले ओपन हेयर और न्यूड मेकअप करवा के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चलें कि केट शर्मा आए दिन अपने बोल्ड फिगर से फैंस के बीच कहर ढाती रहती हैं। हालांकि उनके स्टाइलिश लुक से लोगों की नजरें हटना भी मुश्किल हो जाता है।

फिल्म 'एनिमल' को लेकर चर्चा में रणबीर कपूर

बालीवुड फिल्म 'एनिमल' को लेकर एक्टर रणबीर कपूर चर्चा में हैं। रणबीर के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच रणबीर कपूर ने कहा कि साल 2022 में आई उनकी और आलिया भट्ट की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का दूसरा पार्ट भी आने वाला है और इसकी स्क्रिप्ट तैयार है। रणबीर ने रिवील कर दिया है कि 'ब्रह्मास्त्र 2' की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और फिल्म की शूटिंग अगले साल के अंत में शुरू होने की संभावना है। फिलहाल फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी 'वार 2' पर काम कर रहे हैं और इसकी शूटिंग खत्म होते ही 'ब्रह्मास्त्र 2' की शूटिंग भी शुरू होगी।ज्ञातव्य है कि 'ब्रह्मास्त्र' के पहले पार्ट को काफी पसंद किया गया था, लेकिन इसी के साथ इसके डायलॉग्स का काफी मजाक भी उड़ाया गया था। रणबीर ने बताया कि पार्ट टू में निर्माताओं ने दर्शकों की आलोचना को गंभीरता से लेते हुए पूरी कोशिश की है कि इस बार वो गलतियां दोहराई न जाएं। फैंस के साथ बातचीत करते हुए रणबीर ने कहा, 卐ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 लिखने मुश्किल है। हम हर समय इस पर काम कर रहे हैं।' अभी पिछले हफ्ते ही अयान ने मुझे फिल्म सुनाई थी और इस बार वह पार्ट 1 से 10 गुना ज्यादा बेहतर सोच रहा है। उसका आइडिया, सोच और किरदार। अभी वह 'वॉर 2' पर काम कर रहा है तो 'वॉर 2' को अगले साल के मिड तक पूरा करने का प्लान है और हम अगले साल के अंत तक या 2025 की शुरुआत तक शूटिंग शुरू करेंगे।卐卐लेकिन निश्चित रूप से फिल्म पर पहले से ही काफी काम हो रहा है। हमने समझा कि फिल्म की किस तरह की आलोचना हुई, क्या काम आया और क्या नहीं। इसलिए हमने शिव और ईशा की केमिस्ट्री पर हुई बातचीत और टिप्पणियों, सब कुछ पर विचार किया है। बहुत सारी आलोचनाएं रचनात्मक थीं और हमने इसे समझने और उससे आगे का कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं।卐 'ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन' ने व्यावसायिक सफलता हासिल की, इसे आलोचकों से मिश्रित समीक्षाएँ मिलीं।

इस वजह से पूजा बत्रा ने पहले पति से ले लिया था तलाक

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा बत्रा 27 अक्टूबर को अपना 47वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। पूजा भले ही इन दिनों फिल्मी दुनिया से दूर हों लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं आई है। पूजा बत्रा हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में काम कर चुकी हैं। पूजा बत्रा ने साल 1997 में फिल्म 'विरासत' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। पूजा बत्रा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं। पूजा बत्रा ने पहली शादी साल 2002 में अमेरिकी बिजनेसमैन सोनू अहलूवालिया से शादी रचाई थी। इसके बाद एक्ट्रेस अमेरिका में ही बस गई थीं। पूजा ने साल 2012 में सोनू से तलाक ले लिया था। कई रिपोर्ट्स के अनुसार पूजा के पति सोनू बच्चा चाहते थें, लेकिन एक्ट्रेस अपने करियर पर फोकस करना चाहती थीं। वह बच्चे के लिए तैयार नहीं थी। जिसकी वजह से दोनों में रोज बहस होती थी, इसके बाद इस कपल ने तलाक लेने का फैसला कर लिया। पूजा बत्रा ने साल 2019 में गुपचुप तरीके से एक्टर नवाब शाह शादी रचा ली। दोनों एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे और इनकी कई मौकों पर मुलाकात भी हुई थी। पूजा अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति नवाब संग रोमांटिक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।